नई दिल्ली
गुरुवार 16 अप्रैल 2026
वैशाख मास कृष्ण पक्ष,
चतुर्दशी वर्ष : 29, अंक : 362
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 41
न्यून. 26

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बने 'सम्राट'

शपथ लेने के बाद सम्राट ने छुए नीतीश के पैर, पीएम ने दी बधाई

सीएम चौधरी गृह समेत 29 विभाग संभालेंगे, जेडीयू के पास 18 विभाग

एजेंसी ▶▶ पटना

सम्राट चौधरी बिहार के 24वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने ईश्वर के नाम पर शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने लोकभवन में सुबह 11 बजे उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

बिहार की नई सरकार में जदयू से विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव ने भी शपथ ली। दोनों को डिप्टी सीएम बनाया गया है। सम्राट चौधरी के पास गृह समेत 29 विभाग रहेंगे। विजय चौधरी को 10 और बिजेंद्र यादव को 8 विभाग मिले हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद यही विभाग बाकी मंत्रियों में बंटेंगे। तब तक तीनों मंत्री ही इनकी जिम्मेदारी संभालेंगे। शपथ के बाद सम्राट ने नीतीश के पैर छुए और उनका आशीर्वाद लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भाजपा के नेता सम्राट चौधरी को बिहार का नया मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में बिहार चौतरफा विकास की नई ऊंचाई हासिल करेगा।

केंद्र सरकार ने तैयार किया मसौदा

लोकसभा में 543 की जगह होंगे 850 सांसद राज्यों को 815 और यूटी को मिलेंगी 35 सीटें

यह विधेयक संविधान के अनुच्छेद 81 में संशोधन का प्रावधान करता है। इसके तहत लोकसभा का नया स्वरूप इस प्रकार होगा

- राज्यों से अधिकतम 815 सदस्य प्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से चुने जाएंगे
- केंद्र शासित प्रदेशों से अधिकतम 35 सदस्य संसद द्वारा तय प्रक्रिया के अनुसार चुने जाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या को बढ़ाकर 850 करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। प्रस्ताव के अनुसार नए स्वरूप में राज्यों के लिए 815 सीटें और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें निर्धारित की गई हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने की दिशा में सरकार एक अहम कदम उठाने जा रही है। संसद में गुरुवार को एक ऐसा विधेयक पेश किया जाएगा, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण को प्रभावी बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस प्रस्ताव के अनुसार लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने की योजना है। इसमें राज्यों के लिए 815 सीटें और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें निर्धारित करने का प्रावधान शामिल है। विधेयक के अनुसार अगली जनगणना और उसके बाद होने वाली परिसीमन प्रक्रिया में समय लग सकता है, जिससे महिला प्रतिनिधित्व में देरी हो सकती है। इसलिए मौजूदा जनसंख्या आंकड़ों के आधार पर इस प्रक्रिया को तेज करने का निर्णय लिया गया है, ताकि ▶▶ शेष पेज 5 पर

उज्जैन में महिलाओं ने ऐसी मानव शृंखला बनाई

बिल के समर्थन में महिलाओं ने बनाई मानव शृंखला

उज्जैन। महिला आरक्षण बिल के समर्थन में उज्जैन में महिलाओं का उत्साह देखने को मिला। बुधवार को शहर के टॉवर चौक पर महिलाओं, स्कूली बच्चों, शिक्षकों ने एकत्रित होकर केंद्र सरकार के 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के समर्थन में मानव शृंखला बनाई और वाहन रैली निकाली। इस दौरान महिलाओं ने भारत माता की जय के नारे लगाकर अपनी खुशी जाहिर की।

संसद का विशेष सत्र आज से

पेश होंगे महिला आरक्षण समेत 3 अहम बिल, देश भर की नजर

33 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था 15 साल तक लागू रहेगी

संसद भवन

नई दिल्ली। संसद का विशेष सत्र 16 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। 16-17 अप्रैल को लोकसभा और 18 अप्रैल को राज्यसभा में इस पर चर्चा होगी। महिला आरक्षण का भविष्य और सियासत का नया गणित करीब 25-28 घंटे की बहस में तय होगा। जिसमें सरकार साल 2029 से पहले लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए सरकार 3 बड़े बिल पेश करने वाली है। पहला बिल परिसीमन कानून 2026 से जुड़ा है, दूसरा 131वां संविधान संशोधन बिल है और तीसरा दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी में महिला आरक्षण लागू करने से संबंधित संशोधन बिल है। 131वें संविधान संशोधन के तहत केंद्र सरकार लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने का प्रस्ताव ला रही है। इन कुल सीटों में से 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। यह आरक्षण एक रोटेशन सिस्टम के तहत लागू होगा। यानी हर चुनाव में अलग-अलग सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो सकती हैं। यह व्यवस्था 15 साल तक लागू रहेगी, जिसके बाद संसद चाहे तो इसे आगे बढ़ा सकती है। कैसे पूरा किया जाएगा परिसीमन का काम?: परिसीमन के लिए आधार ताजा जनगणना के आंकड़े होंगे। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि इसके लिए 2011 की जनगणना के आंकड़े लिए जाएंगे या 2026 की जनगणना के अनुसार अभी तक जो 543 सीटें हैं, उनका आधार 1971 की जनगणना पर टिका हुआ है।

संसद का विशेष सत्र आज से: विपक्षी गठबंधन की मांग-

महिला आरक्षण लोकसभा की वर्तमान संख्या 543 के आधार पर 2029 के आम चुनाव से ही लागू हो

- संसद के विशेष सत्र को लेकर इंडिया गठबंधन की बैठक में लिया निर्णय, तकरार की संभावना बढ़ी
- परिसीमन विधेयक का विरोध करेंगे विपक्षी दल

नई दिल्ली(ब्यूरो)। इंडिया गठबंधन ने महिला आरक्षण को लोकसभा की वर्तमान संख्या 543 के आधार पर 2029 के आम चुनाव से ही लागू करने की मांग करते हुए संसद के विशेष सत्र में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक का एकजुट होकर विरोध करने का निर्णय लिया है। जाहिर है आज, गुरुवार से शुरू हो रहा तीन दिवसीय संसदीय विशेष सत्र कई मामलों में #विशेष रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई विपक्षी गठबंधन की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि सभी विपक्षी दल महिला आरक्षण के समर्थन में हैं। लेकिन जिस तरह से इसे लाया गया है, वह राजनीति से प्रेरित है और इसीलिए शक के दायरे में आता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार विपक्षी दलों को निशाना बनाने और उन्हें दबाने के लिए इस तरह से काम कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि महिला आरक्षण को पहले पास हुए संविधान संशोधन के आधार पर लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि परिसीमन को लेकर मोदी सरकार कुछ चालें चलती दिख रही है। इसलिए, सभी विपक्षी दल एकजुट होकर संसद में इसका विरोध करेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विपक्ष महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसके साथ जोड़े गए परिसीमन के ▶▶ शेष पेज 5 पर

चुनाव के बीच 3 विधेयक, मकसद ?

वहीं कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि संसद के विशेष सत्र में जो तीन बिल पेश किए जा रहे हैं, उनमें से एक संविधान संशोधन विधेयक है और दो वैधानिक विधेयक हैं। उन्होंने कहा कि 2023 में अनुच्छेद 334(ए) को संविधान में शामिल किया गया था। इसमें सर्वसम्मति से महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देने की बात की गई थी। विपक्षी दल चाहते हैं कि उस प्रावधान को तुरंत लागू किया जाए। विपक्ष की मांग 2023 में भी यही थी कि महिला आरक्षण 2024 के लोकसभा चुनाव से ही लागू किया जाए, लेकिन सरकार ने जनगणना और परिसीमन की शर्त लगा दी थी। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चल रहे चुनाव प्रचार के बीच अब सरकार ये बिल लाई है।

जंतर मंतर पर आज कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन का ऐलान

कांग्रेस ने कहा: आरक्षित वर्ग की महिलाओं की हिस्सेदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा है कि नवीनतम जातिगत जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन और ओबीसी-एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं की हिस्सेदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम और ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने कहा कि मोदी सरकार जातिगत जनगणना को ठंडे बस्ते में डालकर ओबीसी महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखने के लिए षड्यंत्र रच रही है। इस अवसर पर पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सुभाषिनी यादव और जितेंद्र बघेल के अलावा कांग्रेस नेता चित्रा बाथम भी उपस्थित रही। मजे की बात ये है कि कांग्रेस नेतृत्व में यूपीए की सरकार ने जब महिला आरक्षण सदन में पेश किया था तब सपा, राजद, जदयू जैसे उनके साथी दल महिला आरक्षण के अंदर ओबीसी, एससी, एसटी आरक्षण की मांग कर रहे था। मगर तत्कालीन सरकार ने साथी दलों की मांग नामंजूर किया जिसकी वजह से राज्यसभा में महिला आरक्षण बहुमत के आधार पर तो कांग्रेस पार्टी नेपा करवा लिया लेकिन साथी दलों के विरोध और कुछ विपक्ष दलों द्वारा मिले साथ की वजह से विधेयक लोकसभा में पारित नहीं हो सका था। ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

ब्रिगेडियर पर हमले के आरोप में अरेस्ट दोनों लोगों को थाने से मिली जमानत

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत एन्क्लेव में ब्रिगेडियर और उनके बेटे पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए दो लोगों को पुलिस से जमानत मिल गई है। मामले में जांच अभी जारी है। पुलिस ने बुधवार को जानकारी देते हुये बताया कि इस घटना के सिलसिले में विमानन कंपनी के निदेशक सतेंद्र उर्फ सोनू (49) और ढाबा मालिक संजय शर्मा (56) को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया था। दोनों को कानूनी प्रावधानों के अनुसार जमानत पर रिहा कर दिया गया है और इस मामले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। जांचकर्ताओं के अनुसार, यह घटना 11 अप्रैल की रात को तब सामने आई थी जब ब्रिगेडियर और उनके बेटे ने अपने घर के बाहर कार में शराब पी रहे दो व्यक्तियों को टोका था। स्थिति तब और बिगड़ गई जब कुछ और लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने अधिकारी और उनके बेटे पर कथित तौर पर हमला किया। साथ ही उनकी पत्नी को गाली दी और धमकी दी। पुलिस ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

ई-कॉमर्स कंपनी में लूट का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में एक ई-कॉमर्स कंपनी के गोदाम से नकदी लूटने के आरोप में 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम ऋतिक गुलाटी बताया गया है। पुलिस ने इसे मंगलवार रात को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार इस घटना के संबंध में 13 अप्रैल को पीसीआर को सूचना दी गई थी। शिकायतकर्ता मोहम्मद हसीब ने बताया कि दोपहर 12 बजकर 50 मिनट पर एक अज्ञात व्यक्ति गोदाम में घुस आया, उसे गाली दी और चाकू से धमकाया तथा नकद रखने की दराज की चाबियां छीन ली। आरोपी इसके बाद परिसर से 17 हजार रुपये से अधिक की रकम लेकर फरार हो गया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान गुलाटी ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटी गई राशि में से 10 हजार रुपये बरामद किये हैं। आरोपी आदतन अपराधी है और पहले भी चार आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।

पहाड़गंज के बार पर छापा, आपत्तिजनक डांस करते मिले लोग

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में पुलिस ने एक बार पर छापा मारा। बार में कई लोग आपत्तिजनक डांस करते हुए मिले। इसके अलावा दो लोगों के पास कथित रूप से मादक पदार्थ एमडीएमए भी मिला। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पंचकुइयां रोड पर स्थित एक बार में स्पेशल स्टाफ की एक टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान पुलिस को कुछ लोग आपत्तिजनक डांस करते हुए मिले। जांच करने पर पता चला कि प्रतिष्ठान ऐसी गतिविधियों के लिए आवश्यक लाइसेंस के बिना संचालित हो रहा था। इस संबंध में पहाड़गंज थाने में मामला दर्ज कर बार के प्रबंधक तस्लीम (42) और अन्य लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। परिसर की तलाशी के दौरान पुलिस ने बार में मौजूद दो लोगों से संदिग्ध एमडीएमए की थोड़ी मात्रा भी बरामद की। बरामदगी के संबंध में एक अलग मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने कहा कि लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन के संबंध में नगर निगम को भी सूचित कर दिया गया है ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

जाफराबाद हत्या केस में पुलिस ने नाबालिग समेत चार दबोचे

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद मेट्रो स्टेशन के पास गत माह शख्स की हत्या के मामले में पुलिस ने नाबालिग समेत चार आरोपियों को पकड़ा है। इनमें एक आरोपी नाबालिग है। जांच में पता चला कि माचिस की डिब्बी को लेकर हुए विवाद के बाद 39 वर्षीय शख्स की चाकू से गोदकर हत्या की गई थी। पुलिस के अनुसार वेलकम इलाके की जे जे कॉलोनी के रहने वाले अकील अहमद का शव 23 मार्च को मिला था। पुलिस ने इमरान (19), फैजान (23) और साहिल (20) को गिरफ्तार करने के अलावा 17 वर्षीय लड़के को हिरासत में लिया है। सभी वेलकम इलाके की जनता मजदूर कॉलोनी के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान, आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने अहमद पर तब हमला किया जब उसने उनके साथ माचिस की डिब्बी साझा करने से इनकार कर दिया था। वारदात के बाद वे सभी मौके से फरार हो गए थे। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया है।

वारदात के बाद खुद थाने पहुंचा आरोपी

घरेलू झगड़े में पत्नी की गला घोंटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वेलकम इलाके में घरेलू झगड़ों के चलते एक शख्स ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी थाने पहुंचा और सरेंडर कर दिया। शव पीएम के लिए भिजवाया गया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी दीपक को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि बुधवार तड़के दीपक नाम का एक व्यक्ति वेलकम थाने पहुंचा। मौजूद पुलिसकर्मियों को बताया कि उसने अपनी पत्नी हीना का गला घोंट दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने उसे तुरंत हिरासत में लिया। पुलिस उसे साथ लेकर उसके घर पहुंची। देखा कि एक महिला जमीन पर अचेत अवस्था में पड़ी हुई है। महिला को आनन फानन में जेपीसी अस्पताल लेकर जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर क्राइम व एफएसएल टीमों ने भी साक्ष्य जुटाए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दीपक शादी ब्याह में चाट बनाने का काम करता है। वह देर रात को काम से घर लौटता था। कुछ दिनों से दंपति के बीच लगातार झगड़े हो रहे थे। मंगलवार रात को भी दंपति के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान ही आरोपी ने गुस्से में गला दबाकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी और सुबह थाने पहुंचकर सरेंडर किया। परिवार का कहना है कि दंपति ने प्रेम विवाह किया था।

प्रेमी की शादी से छह दिन पहले सहेली पर तेजाब फेंका, महिला पकड़ी

नई दिल्ली। गोकुलपुरी इलाके में प्रेमी की शादी से छह दिन पहले सहेली पर तेजाब से हमला करने के आरोप में 26 वर्षीय महिला को पकड़ा गया है। घटना मंगलवार को इंदिरा विहार इलाके में सामने आई। वहीं पीड़िता का गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़िता की शादी जिस व्यक्ति के साथ होने जा रही थी आरोपी महिला के उस शख्स से प्रेम संबंध थे। वह इस शादी का विरोध कर रही है। ईर्ष्या और गुस्से के कारण हमला किया गया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और हमले की वजह बनी अन्य जानकारियों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी महिला को तेजाब कहां मिला।

झुग्गियों में आग लगने से दंपति और दो साल की बेटी की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रोहिणी इलाके के बुध विहार स्थित मांगे राम पार्क के पास मंगलवार देर रात झुग्गियों में भीषण आग लग गई। इस घटना में दंपति और उनकी दो साल की बेटी की जलकर मौत हो गई।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार आग लगने की सूचना देर रात करीब एक बजकर 25 मिनट पर मिली। इसके बाद दमकल की सात गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इलाके में घना धुआं और आग की ऊंची लपटें देखी गई। दमकलकर्मियों ने घटनास्थल से तीन जले हुए शव बरामद किए। मृतकों की पहचान मोसिब-उर-दस्तगीर (23), उसकी पत्नी मोनारा शेख (19) और उनकी बेटी मैमुना के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दमकल कर्मियों द्वारा आग पर काबू पाने के बाद, फोरेंसिक और अपराध टीमों ने आग लगने के सटीक कारण का पता लगाने के लिए घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि मांगे राम पार्क के पास एक खाली प्लॉट में कूड़ा बीनने वालों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली चार झोपड़ियों में आग लगी थी। जांच के दौरान पता चला कि आग रात करीब 12.45 बजे लगी थी और अस्थायी ढांचों और कबाड़ सामग्री के कारण तेजी से फैल गई। पांच लोग आग से सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे। डीएफएस अधिकारी ने बताया कि एक बंद झोपड़ी के अंदर तीन लोग मृत मिले। इस संबंध में बुध विहार थाने में मामला दर्ज किया गया है और मामले की तफ्तीश जारी है।

लोक नायक भवन को मिली बम की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

खान मार्केट के पास स्थित लोक नायक भवन को बुधवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। धमकी के बाद परिसर को खाली कराया गया और कई आपात दलों को तैनात किया गया। घंटों की जांच पड़ताल व तलाशी अभियान के बाद इसे फर्जी करार दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) से मिली जानकारी के अनुसार दोपहर 12 बजकर 35 मिनट पर धमकी से संबंधित सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की एक टीम मौके पर भेजी गई। पुलिस भी श्वान दस्ते और बम निरोधक दस्तों के साथ मौके पर पहुंची और इमारत की अच्छी तरह से तलाशी ली गई। पुलिस द्वारा एहतियात के तौर पर पूरे परिसर को खाली करा लिया गया। कई घंटों की खोज में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ईमेल कहां से भेजा गया था और इसे भेजने वाला कौन था। लोक नायक भवन में सरकार के कई कार्यालय हैं। इससे एक दिन पहले दिल्ली विधानसभा को फिर से मंगलवार को धमकी भरा ईमेल मिला। यह पिछले महीने बजट सत्र के बाद से छठा ईमेल है। नई धमकी में कहा गया कि परिसर में पांच आरडीएक्स बम लगाए गए हैं। धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पुलिस ने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। हिंदी में लिखे इस ईमेल को विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को संबोधित किया गया था।

बिजली की मांग ने लगाई छलांग, एक दिन में 450 मेगावाट से अधिक की बेतहाशा वृद्धि हुई रिकॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लगातार बिगड़ रहे सूरज के तेवरों का असर बिजली की मांग पर साफ दिखाई देने लगा है। मंगलवार व के बाद बुधवार को भीषण गर्मी के चलते राजधानी में एक दिन में बिजली की मांग में 450 मेगावाट से अधिक की बेतहाशा वृद्धि रिकॉर्ड की गई। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) दिल्ली के अनुसार 15 अप्रैल 2026 दोपहर बाद 4.20 मिनट पर बिजली की अधिकतम मांग बढ़कर 4961 मेगावाट पहुंच गई। जबकि एक दिन पहले 14 अप्रैल 2026 इसी समय बिजली की मांग का आंकड़ा 4510 मेगावाट दर्ज हुआ था। इस प्रकार से एक दिन में बिजली की मांग 451 मेगावाट की भारी बढ़ोतरी दर्ज हुई है। मांग बढ़ने के साथ ही दिल्ली में कई क्षेत्रों से बिजली कटौती की खबरें भी सामने आई है। इस बारे में निजी बिजली आपूर्ति कंपनी बीएसईएस और टाटा पावर डीडीएल का दावा है कि कहीं भी बिजली कटौती की जरूरत ही नहीं है। क्योंकि पहले ही अनुमानित मांग 9 हजार मेगावाट से अधिक के अनुसार पर्याप्त बिजली की व्यवस्था कर है। कंपनियों का कहना है कि जैसे जैसे गर्मी बढ़ेगी बिजली की मांग बढ़ेगी इससे कोई परेशानी नहीं है। दोनों कंपनियों का दावा है कि दिल्ली में बिजली की कोई कमी नहीं है, इसलिए कटौती का कोई सवाल नहीं है। कंपनी का कहना है कि बावजूद इसके कहीं अचानक आने वाले बिजली फाल्ट की वजह से सीमित समय के लिए बिजली काटी जा सकती है।

डीयू अकादमिक परिषद की बैठक में कई पाठ्यक्रमों को दी स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ सभी सदस्यों ने एजेंडा प्रस्तुत कर की गई चर्चा

दिल्ली विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद (एसी) की 1026 वीं बैठक का आयोजन कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को हुआ। बैठक के दौरान कई विभागों के लिए एक वर्षीय स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रमों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) प्रशासन ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि एनईपी 2020 के अनुसार डीयू में चार वर्षीय स्नातक का चौथा वर्ष पूर्ण होने जा रहा है। इसलिए आगामी शैक्षणिक स्तर से एक वर्षीय पीजी कोर्स शुरू होने जा रहे हैं। अकादमिक परिषद की इस बैठक के दौरान विभिन्न संकायों के अंतर्गत, 'स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम ढांचा 2024' (पीजीसीएफ़) पर आधारित पाठ्यक्रमों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता द्वारा एजेंडा प्रस्तुत किया गया जिस पर सभी सदस्यों ने चर्चा की।

डीयू प्रशासन ने बताया कि सामाजिक विज्ञान संकाय एवं भाषाओं जैसे कुछ विभागों के विषयों में स्कोप्स जर्नल्स की अनुपलब्धता के कारण पेपर प्रकाशित होने में कठिनाई के मुद्दे पर विचार विमर्श के बाद कुलपति ने सभी विभागों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने फील्ड के 20-20 बेस्ट जर्नल्स की लिस्ट बनाएं और 30 दिन के अंदर उसे सबमिट करें। उन्होंने कहा कि विभाग जर्नल्स के लिए मानदंड तय करें और उनके लिए अंक निर्धारित करें। उसके आधार पर ही नंबर देकर जर्नल्स की वरीयता सूची तैयार करें। बैठक के आरंभ में ज़ीरो ऑवर के दौरान अकादमिक परिषद के सदस्यों ने अनेकों मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

दूरदर्शन कार्यालय पर हमला दुर्भाग्यपूर्ण : एबीवीपी

■ एनएसयूआई की मूल प्रवृत्ति रही है हिंसा और अराजकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली दूरदर्शन कार्यालय पर एनएसयूआई के गुंडों द्वारा की गई तोड़फोड़ एवं हिंसक हमले जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कड़ी निंदा करता है और यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और दूरदर्शन जैसी सरकारी एवं सार्वजनिक संस्था के बाहर इस प्रकार का विरोध प्रदर्शन न केवल व्यवस्था को बाधित करता है, बल्कि संस्थाओं की गरिमा और कार्यप्रणाली को भी प्रभावित करता है। सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुँचाना और अराजकता फैलाना किसी भी छात्र संगठन के लिए उचित नहीं ठहराया जा सकता। एबीवीपी दिल्ली प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि एनएसयूआई की मूल प्रवृत्ति शुरू से ही हिंसक रही है। समय समय पर एनएसयूआई अपने आकाओं को खुश करने के लिए इस प्रकार के कुकृत्य करती रहती है। दूरदर्शन जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान पर हमला करना अत्यंत घृणित और निंदनीय कृत्य है। यह न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है, बल्कि राष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति असम्मान को भी दर्शाता है।

दिल्ली विधानसभा सुरक्षा : आरोपी एसयूवी चालक पांच दिन की न्यायिक हिरासत में

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने सुरक्षा घेरा तोड़कर जबरन एसयूवी कार दिल्ली विधानसभा परिसर में ले जाने के आरोपी को बुधवार को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने इससे पहले सात अप्रैल को आरोपी सरबजीत सिंह को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। पुलिस हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद उसे मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हर्षिता मिश्रा की अदालत में पेश किया गया। सरबजीत का पक्ष रखने के लिए पेश हुए अधिवक्ता अंशु शुक्ला ने अपने मुवक्किल की बिगड़ती मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का हवाला देते हुए पुलिस हिरासत की अवधि बढ़ाने का विरोध किया। उन्होंने इससे पहले एक अलग मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष दलील दी थी कि सरबजीत लंबे समय से मानसिक रूप से बीमार था और गलती से विधानसभा परिसर में "गुरुद्वारा समझकर" दाखिल हो गया था। जांच अधिकारी (आईओ) ने अदालत को बताया कि सरबजीत की कथित मानसिक बीमारी का आकलन करने के लिए उसे मानव व्यवहार एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान(इहबास) अस्पताल भेजा गया था। उसे कुछ समय के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और दवाइयां दी गईं। अतिरिक्त लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने हिरासत की आवश्यकता बताते हुए दलील दी कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और शिनाख्त परेड लंबित है। सरबजीत(37) को किसान आंदोलन का समर्थक माना जाता है। उसने सोशल मीडिया मंच पर कई पोस्ट साझा किए हैं जिनमें उन किसान नेताओं के प्रति समर्थन व्यक्त किया गया है जिन्होंने 2020-21 में तीन विवादास्पद लेकिन अब निरस्त कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन में कथित तौर पर अपनी जान गंवाई थी।

अलीपुर फ्लाईओवर की जर्जर दीवार से दुर्घटना की आशंका

एनएच-44 पर फिर मंडरा रहा सिंघोला गड्ढे जैसा खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 (जीटी करनाल मार्ग) पर स्थित अलीपुर डीएम कार्यालय के पास बने फ्लाईओवर की जर्जर होती दीवार बड़े खतरे का संकेत दे रही है। पिछले वर्ष सिंघोला फ्लाईओवर पर बने गहरे गड्ढे की घटना अभी लोगों के जेहन से उतरी भी नहीं है कि अब उसी मार्ग पर एक और संभावित हादसे की आशंका बढ़ने लगी है। स्थानीय निवासियों और राहगीरों का कहना है कि फ्लाईओवर की साइड वॉल लगातार कमजोर होती जा रही है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई तो यहां से मिट्टी खिसकने लगेगी, जिससे सड़क पर बड़ा गड्ढा बन सकता है। ठीक इसी तरह की स्थिति सिंघोला फ्लाईओवर पर भी बनी थी, जहां गड्ढे को भरने में करीब छह महीने का लंबा समय लग गया था, जिससे यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन को चेताते हुए कहा कि यदि जल्द ही मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया, तो यह स्थान भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि सिंघोला जैसी स्थिति दोहराने से पहले ही अलीपुर फ्लाईओवर की तत्काल जांच कर आवश्यक मरम्मत कार्य कराया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

जनहित से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर अब देखना होगा कि जिम्मेदार विभाग कब जागता है और कितनी तेजी से कार्रवाई करता है।

धमकी के ईमेलों के स्रोत का पता लगाकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करे पुलिस : विजेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा को उड़ाने की बार-बार मिल रही धमकियों के संबंध में विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार को एक बार फिर दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा को पत्र लिखकर मांग की है कि धमकी के मिले ईमेलों के स्रोत का शीघ्र पता लगाया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, विधानसभा परिसर एवं उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। बुधवार को लिखे अपने पत्र में विजेंद्र ने कहा कि अंबेडकर जयंती के दिन 14 अप्रैल को 11:26 बजे दिल्ली विधान सभा की आधिकारिक ईमेल आईडी पर प्राप्त हुआ है, जिसमें 5 आरडीएक्स बमों के माध्यम से दिल्ली विधान सभा में विस्फोट करने की धमकी दी गई है। यह प्रथम अवसर है जब धमकीपूर्ण ईमेल सीधे मेरे नाम संबोधित किया गया है। यह अत्यंत गंभीर विषय है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ लिया जाना चाहिए। इस ईमेल में तमिलनाडु में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े तथाकथित नेटवर्क के संबंध में भी विवरण दिया गया है। गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के लगातार धमकीपूर्ण ईमेल प्राप्त होने से विधानसभा के कर्मचारियों, आगंतुक गणमान्य व्यक्तियों तथा सदस्यों के बीच भय का वातावरण उत्पन्न हो रहा है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सूरज** पुत्र रघबीर निवासी जीएफ, मकान नंबर 35/ए के पास परिसर, बी ब्लॉक, सैनिक एन्क्लेव, भाग II, नजफगढ़, नई दिल्ली 110043 ने **सीटी संख्या 515/2023 धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम, थाना बाबा हरि दास नगर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सूरज** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **सूरज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **सूरज, सीटी संख्या 515/2023 धारा 135 भारतीय विद्युत अधिनियम, थाना बाबा हरि दास नगर, नई दिल्ली** के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
सुश्री हरलीन सिंह
अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विद्युत)
विशेष न्यायालय (विद्युत)
द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली
DP/4509/DW/2026

निविदा आमंत्रण सूचना (खाद्य सामग्री / मैश सुविधा)

जिला रेवाडी में आवासीय तलवारबाजी खेल अकादमी, राव तुलाराम स्टेडियम, रेवाड़ी के खिलाडियों को खाना देने के लिए 500/- रूपये प्रति खिलाडी प्रति दिन के मैन्यू अनुसार रेट्स निर्धारित करने के लिए संबंधित फर्मों से दिनांक 15.04.2026 को 15:00 बजे से 27.04.2026 को 15.00 बजे तक etenders.hry.nic.in पर खांद्य सामग्री / मैश सुविधा के लिए निविदाएँ आमत्रिंत की जाती हैं। इच्छुक फर्म उक्त तिथि अनुसार निविदाएं भर सकती हैं व दिनांक 27.04.2026 को 16.00 बजे निविदाएं खोली जायेंगी, जिसके लिए डॉकोमेंट फीस 1000/- रूपये तथा प्रोसैशिंग फीस 1180/- रूपये होगी। टैण्डर की ई०एम०डी० 5000/-रूपये होगी।

जिला खेल अधिकारी, रेवाड़ी।

कार्यालय पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय सोनीपत।

मु.न. 60 दिनांक 27.02.2026 धारा 127(6) बी.एन.एस. थाना मुरथल जिला सोनीपत ।

गुमशुदा की पहचान

नाम - अमित ।
पिता का नाम दिनेश ।
पता - वासी गांव जैनपुर जिला सोनीपत हरियाणा।
उम्र - 35 वर्ष।
कद 5 फुट 7 ईन्च ।
हुलिया:- रंग सांवला, हष्ट-पुष्ट शरीर, लम्बुतरा चेहरा, काले बाल, काली आखें, लम्बी नाक है।
पहनावा:- सफेद रंग का शर्ट, सफेद रंग की पेंट व पैरों में काले रंग जूते पहने हुए है।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 27.02.2026 को अमित पुत्र दिनेश वासी गांव जैनपुर जिला सोनीपत बिना किसी को कुछ बताए घर से कहीं चला गया है। अब तक वापिस नहीं आया है। जिस सम्बन्ध में उपरोक्त मुकदमा थाना मुरथल में दर्ज रजिस्टर है। अगर किसी को उपरोक्त गुमशुदगी बारे कोई सूचना मिलती हैं तो निम्नलिखित नंबरों पर सूचित करे।

प्रबन्धक थाना - 7419410540
अनुसंधानकर्ता मो0 न0 7015952434
कन्ट्रोल रुम सोनीपत-0130-2222903,100

अपराध अभिलेख अधिकारी,
कृते पुलिस उपायुक्त ।
मुख्यालय, सोनीपत ।

पीआरडीएच-1084/11/4686/2027/44665/88/7 दि. 15.04.2026

डीडीए के हेरिटेज वीक एक्टिविटी में शामिल हुए कई स्कूलों के बच्चे, प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) द्वारा महरौली आर्कियोलॉजिकल पार्क में आयोजित हेरिटेज वीक एक्टिविटी में बुधवार को दिल्ली के कई स्कूलों के 100 से ज्यादा बच्चों ने हिस्सा लिया। डीडीए द्वारा दी गई जानकारी अनुसार हेरिटेज वीक एक्टिविटी में राजधानी के पांच स्कूलों के करीब 120 बच्चे शामिल हुए। इस दौरान कई तरह की प्रतियोगिताओं में बच्चों ने हिस्सा लिया। जबकि प्रतियोगिताओं में बच्चों को हेरिटेज,

इतिहास और कंजर्वेशन पर आउटडोर लर्निंग एक्सपीरियंस का अनुभव प्राप्त हुआ(मिला।

आज के इस सफल आयोजन में बच्चों की अधिक भागीदारी के बाद तय हुआ कि ऐसा ही कार्यक्रम अब 16 अप्रैल को भी आयोजित किया जाएगा। डीडीए का कहना है कि एक हफ़्ते तक चलने वाले इस प्रोग्राम में हेरिटेज वॉक, मायॅ गाव कॉन्टेस्ट, एएसआई एग्जिबिशन और एक कल्चरल शाम शामिल है। डीडीए की माने तो सभी पांच सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के 120 से ज़्यादा छात्रों ने बड़े जोश के साथ हिस्सा लिया और अपनी क्रिएटिविटी और नॉलेज का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबका मन मोह लिया।

प्रवेश ने परियोजना का किया निरीक्षण

मुकरबा चौक अंडरपास का काम 98 फीसद पूरा, मिलेगी ट्रैफिक से राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुकरबा चौक अंडरपास का काम 98 प्रतिशत पूरा हो गया है। कुछ ही दिनों में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा इसका उद्घाटन किया जाएगा। इससे लोगों को ट्रैफिक से राहत मिलेगी। यह बात बुधवार को दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मुकरबा चौक अंडरपास परियोजना का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद कही।

गौरतलब है कि पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बुधवार को मुकरबा चौक अंडरपास के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया और इंजीनियरों के साथ प्रगति की समीक्षा की। यह परियोजना उन्नत जैक पुशिंग तकनीक और प्री-कास्ट आरसीसी बॉक्स संरचनाओं के माध्यम से तैयार की जा रही है, जिसका उद्देश्य आउटर रिंग रोड स्थित व्यस्त मुकरबा चौक चौराहे पर ट्रैफिक दबाव को कम करना है। मंत्री प्रवेश ने कहा कि मुकरबा चौक पर इस सड़क पर बार-बार भारी ट्रैफिक जाम लगता है। इसे दूर करने के लिए हमारे विभाग ने यहां तीन सुरंगों का निर्माण किया है, जिनसे पैदल यात्री आसानी से गुजर सकेंगे। उन्होंने कि दिल्ली में जहां-जहां ट्रैफिक जाम की समस्या है, वहां हमारा काम जारी है। हमारा स्पष्ट उद्देश्य है कि लोगों को बुनियादी ढांचे की कमी के कारण परेशानी न उठानी पड़े। हम ज़मीन पर वास्तविक समाधान देने के लिए काम कर रहे हैं। यह अंडरपास बदली/रोहिणी और आजादपुर/जहांगीरपुरी के बीच सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे वाहनों को मुकरबा चौक के अत्यधिक व्यस्त इंटरचेंज से होकर गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी। अधिकारियों के अनुसार, प्रतिदिन लगभग 15 हजार 800 वाहन इस मार्ग का उपयोग करेंगे, जिससे ट्रैफिक की आवाजाही अधिक सुगम और तेज होगी। इस परियोजना से प्रति वाहन लगभग 10 मिनट तक का समय बचेगा और यात्रा दूरी लगभग 1 किलोमीटर तक कम होगी, जिससे दैनिक यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके साथ ही प्रति वर्ष लगभग 58 हजार लीटर ईंधन की बचत भी होगी। पर्यावरणीय प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना से प्रति वर्ष लगभग 135 टन कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग 810 पेड़ों की वार्षिक अवशोषण क्षमता के बराबर है।इस परियोजना में समर्पित पैदल अंडरपास भी शामिल हैं, जिससे इस व्यस्त मार्ग को पार करने वाले लोगों की आवाजाही अधिक सुरक्षित होगी। निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रवेश ने सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग द्वारा क्षेत्र की सहायक नालियों में किए जा रहे डी-सिल्टिंग कार्यों की भी समीक्षा की, ताकि मानसून के दौरान अंडरपास में जलभराव की समस्या न हो।

दिल्ली सरकार जल्द करेगी 20 आधुनिक 'जेरियाट्रिक एम्बुलेंस' शुरू :पंकज

नई दिल्ली। अपनी आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को और ज्यादा मजबूती प्रदान करने के लिए दिल्ली सरकार जल्द ही 20 आधुनिक 'जेरियाट्रिक एम्बुलेंस' शुरू करने जा रही है। इस बात की जानकारी दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को दी है। उन्होंने कहा कि इन एम्बुलेंस को विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों की मेडिकल जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। सभी एम्बुलेंस चिकित्सा सुविधाओं से लैस होंगी, जिससे आपातकालीन स्थिति में राजधानी दिल्ली के वरिष्ठ नागरिकों के लिए रिस्पांस टाइम में सुधार होने के साथ ही बेहतर प्री-हॉस्पिटल देखभाल भी सुनिश्चित होगी। डॉ. पंकज ने कहा कि अभी सेंट्रलाइज्ड एक्सीडेंट एंड ट्रॉमा सर्विसेज (कैट्स) अपने सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम (टोल-फ्री नंबर 102) के जरिए राजधानी में 331 एम्बुलेंस का संचालन कर रही है, जो 112 इमरजेंसी रिस्पांस सपोर्ट सिस्टम (ईआरएसएस) के साथ भी जुड़ा हुआ है। 20 जेरियाट्रिक एम्बुलेंस के जुड़ने के बाद दिल्ली में कुल एम्बुलेंस की संख्या बढ़कर 351 हो जाएगी, जिससे राजधानी में आपातकालीन सेवाएं और ज्यादा मजबूत होगी। दिल्ली सरकार चरणबद्ध तरीके से अपने एम्बुलेंस बेड़े को 1000 तक बढ़ाने की योजना बना रही है, जिससे दिल्ली के लिए एक मजबूत और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से आपातकालीन नेटवर्क तैयार किया जा सके।

'रोजाना 1.25 लाख एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी, आपूर्ति पूरी तरह स्थिर'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की दिल्लीवासियों से अपील, अफवाहों से बचें और अनावश्यक भंडारण न करें
- कालाबाजारी पर सरकार की सख्ती, 540 छापेमारी, 2027 सिलेंडर जब्त, 44 एफआईआर दर्ज

वर्तमान वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद राजधानी में एलपीजी, पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य, स्थिर एवं पर्याप्त बनी हुई है। यहां रोजाना एक लाख 25 हजार सिलेंडरों की डिलीवरी की जा रही है। औसत डिलीवरी समय 4 से 5 दिन बना हुआ है। सभी गैस एजेंसियों में एलपीजी सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। यह बात बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कही है। उन्होंने जनता से अपील भी की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें, घबराहट में बुकिंग या अनावश्यक भंडारण से बचें और केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा या कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए आपूर्ति व्यवस्था की निरंतर निगरानी की जा रही है। घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को एसएमएस, आईवीआरएस, वॉट्सऐप एवं ऑनलाइन पोर्टल जैसे डिजिटल माध्यमों के जरिए एलपीजी रिफिल बुकिंग के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिलीवरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ओटीपी आधारित डिलीवरी ऑथेंटिकेशन प्रणाली लागू की गई है, जिसके तहत प्रतिदिन 90 प्रतिशत से अधिक डिलीवरी का सत्यापन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) योजना के अंतर्गत 5 किग्रा एलपीजी सिलेंडर प्रवासी श्रमिकों के लिए गैस एजेंसियों पर उपलब्ध कराए गए हैं। वैध पहचान पत्र प्रस्तुत करने पर ये सिलेंडर प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, सभी जिलों में संबंधित डीएम, एसडीएम, एफएसओ (खाद्य आपूर्ति अधिकारियों) के सहयोग से विशेष शिविर एवं आउटरीच अभियान संचालित किए जा रहे हैं, जहां गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि जरूरतमंदों को 5 किग्रा. सिलेंडर उपलब्ध कराने एवं आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उपस्थित रहते हैं।

खबर संक्षेप

उपराज्यपाल ने की एनडीएमसी के विकास कार्यों की समीक्षा

नई दिल्ली। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने बुधवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के चेयरमैन आईएएस केशव चंद्रा के साथ एक समीक्षा बैठक की। लोक निवास में बुलाई इस बैठक में एनडीएमसी के वर्तमान में चल रही विकास योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर एलजी संधू ने कहा कि सभी वाकस योजनाओं को समय पर पूरा करने लिए मिलकर कार्य करने के साथ ही लक्ष्य को हासिल करने के लिए दिन रात मेहनत करनी होगी। इसके लिए सामने आने वाली सभी चुनौतियों को दूर करना होगा, इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने और नई दिल्ली इलाके में जरूरी सिविक सेवाओं की असरदार डिलीवरी पक्का करने पर फोकस करना होगा। उन्होंने कहा कि नेशनल कैपिटल के कोर को मैनेज करने की ज़िम्मेदारी वाली अर्बन लोकल बॉडी के तौर पर एनडीएमसी की ज़िम्मेदारी है कि वह ऐसी सेवाएं दे जो न सिर्फ़ कुशल और नागरिक-केंद्रित हों, बल्कि ग्लोबल स्टैंडर्ड और बेस्ट प्रैक्टिस के मॉडल के तौर पर भी दोहराई जा सकें।

आईपी यूनिवर्सिटी 25 अप्रैल से आयोजित करेगी अपनी सीईटी

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अपनी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) 25 अप्रैल से 23 मई तक आयोजित करने जा रही है। आईपीयू प्रशासन ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस.एल. भंडारकर के अनुसार, इस अवधि के दौरान प्रत्येक शनिवार और रविवार को सीईटी ओएमआर शीट पर दो पालियों (सुबह और शाम) में आयोजित की जाएंगी। सुबह की पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक और शाम की पाली दोपहर 2.30 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। डॉ. भंडारकर ने बताया कि 78 कार्यक्रमों के लिए कुल 50 हजार 531 आवेदक इन सीईटी में शामिल होने जा रहे हैं।

विमुक्त और घुमंतू जातियों को अब मिल रहा उचित सम्मान : कपिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू जातियों को पहली बार देश और दिल्ली में उचित सम्मान और प्रोत्साहन मिल रहा है। बंजारा समाज ने भारत के इतिहास, संस्कृति और व्यापारिक परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यह बात कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में विश्व बंजारा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर कही। समस्त बंजारा समाज, दिल्ली प्रदेश एवं बंजारा विमुक्त कल्याण संघ, दिल्ली प्रदेश के प्रतिनिधियों ने पहली बार हुए इतने व्यापक आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन में 15 राज्यों के करीब 2000 लोगों ने सहभागिता की। इनमें समाज से जुड़े प्रमुख राजनीतिक, सामाजिक एवं अन्य संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे। बंजारा समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे आयोजन से समाज को प्रोत्साहन मिला है और यह विश्वास बढ़ा है कि समाज की प्रगति को लेकर सरकार का पूरा सहयोग है। कपिल मिश्रा ने कहा कि वर्ष 2014 में नये भारत की यात्रा शुरू हुई और देश के असली गौरव और इतिहास को सम्मान और पहचान मिलनी शुरू हो गई। बंजारा समाज ने भारत के इतिहास, संस्कृति और व्यापारिक परंपरा में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बंजारा दिवस पर यह आयोजन बंजारा समाज के शौर्य, सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और राष्ट्र निर्माण में योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सफल प्रयास रहा। इस अवसर पर हुकुम सिंह राठौड़ संयोजक बंजारा घुमंतू प्रकोष्ठ, कविता राठौड़ कार्यक्रम संयोजक, हरीश आदि ने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए दिल्ली सरकार का आभार जताया।

10वीं के नतीजों में दिल्ली ने सुधारा अपना रिकॉर्ड लड़कियां फिर सबसे आगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- दिल्ली पश्चिमी पांचवें और दिल्ली पूर्वी रीजन छठवें नंबर पर आई, बीते वर्ष दिल्ली पश्चिमी सातवें और दिल्ली पूर्वी रीजन आठवें नंबर पर था

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 10वीं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। इस बार 10वीं के नतीजों में दिल्ली ने अपना रिकॉर्ड सुधारा है। दिल्ली में कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 97.38 रहा। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में इस वर्ष उत्तीर्ण प्रतिशत 91.43 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष के 89.26 प्रतिशत से अधिक है, जबकि सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में यह वृद्धि और भी तेज रही और पिछले वर्ष के 83.94 प्रतिशत से बढ़कर इस साल 91.02 फीसदी हो गई। गौरतलब है कि 10वीं में कुल 23 लाख 16 हजार 8 विद्यार्थी पास हुए हैं। पिछले वर्ष से देखें तो ये आंकड़ा बढ़ा हुआ है। बीते वर्ष 22 लाख 21 हजार 636 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए थे। इस साल कुल मिलाकर 10वीं में 93.70 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। इस बार दिल्ली पश्चिमी पांचवें और दिल्ली पूर्वी रीजन छठवें नंबर पर है। पिछले वर्ष के मुकाबले दिल्ली रीजन के प्रदर्शन में सुधार हुआ है। बीते वर्ष दिल्ली पश्चिमी सातवें और दिल्ली पूर्वी रीजन आठवें नंबर पर था। हालांकि, बोर्ड ने इस वर्ष भी मेरिट सूची नहीं जारी की है।

अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दिल्ली के विद्यार्थियों ने सिर गर्व से ऊंचा कर दिया : मुख्यमंत्री

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 10वीं (सत्र-1) की परीक्षा में सफल होने वाले दिल्ली के सभी प्यारे विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए बुधवार को कहा कि दिल्ली के विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से हम सभी का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने बधाई संदेश में कहा कि आपकी यह सफलता आपकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट लगन का परिणाम है। इस उपलब्धि का बड़ा श्रेय विद्यार्थियों के शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग को भी जाता है। प्यारे विद्यार्थियों, अपनी इस ऊर्जा, अनुशासन और प्रतिभा को इसी प्रकार बनाए रखें तथा उज्ज्वल भविष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ते रहें। जिन छात्रों को इस बार मन मुताबिक सफलता नहीं मिल पाई, वे निराश न हों। आत्मविश्वास के साथ दोबारा प्रयास करें, सफलता अवश्य मिलेगी। आप सभी को ढेर सारा स्नेह, आशीर्वाद एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

अस्पतालों में थैलेसीमिया की दवाई नहीं मिलना मानव अधिकारों का हननः यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में सरकारी अस्पतालों में थैलेसीमिया की दवाई व इलाज नहीं मिलना मरीजों के मानव अधिकारों का हनन है। यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में थैलेसीमिया की दवाई उपलब्ध न होने के कारण गरीब लोग महंगाई के दौर में बाजारों से महंगी कीमत पर दवा खरीदने को मजबूर हैं। जबकि एक थैलेसीमिया प्रभावित व्यस्क मरीज के लिए 21000 रुपये की दवा की जरूरत है। बावजूद इसके अस्पतालों में डेस्फरल नामक दवाई की कमी दिखाई जा रही है। दूसरी तरफ यह दवा बनाने वाली कम्पनी के अनुसार मार्केट में थैलेसीमिया से बचाने की जीवन रक्षक दवा की कोई कमी नहीं है। ऐसे में मजबूरी में मरीजों को थैलेसीमिया की दवा बाजार से महंगी कीमत में खरीदनी पड़ रही है।

आग से सुरक्षा हम सब की है सामूहिक जिम्मेदारीः सूद

गृह एवं शिक्षा मंत्री ने वर्चुअल जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज, नई दिल्ली

सुरक्षा केवल सरकार या फायर विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यह बात बुधवार को दिल्ली के गृह एवं शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने वर्चुअल जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ करने के दौरान कही। गौरतलब है कि गृह मंत्री आशीष सूद ने बुधवार को 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक आयोजित 'अग्निशमन सेवा सप्ताह' के अवसर पर राजधानी के विद्यालयों एवं अस्पतालों में सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने हेतु शिक्षा और अग्नि शमन सेवा विभाग द्वारा आयोजित जन-जागरूकता अभियान का बरचुअल माध्यम से शुभारंभ किया। इस सघन अभियान का उद्देश्य 'सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल, दुर्घटना मुक्त समाज' के प्रति जन-भागीदारी बढ़ाना तथा आग से संबंधित दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इसी क्रम में मंत्री सूद ने 'सुरक्षित विद्यालय' अभियान की भी शुरुआत की जिसके अंतर्गत सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन को सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाने वाला यह सप्ताह देश के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। सूद ने वर्ष 1944 में मुंबई के फोर्ट स्टिकिंग जहाज में लगी भीषण आग के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले 66 वीर फायरमैन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, सांसदों की उपस्थिति में बनाई गई मानव श्रृंखला

नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन में निकाली गई महिला बाइक यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा के नेतृत्व और सांसद कमलजीत सहरावत एवं बांसुरी स्वराज की उपस्थिति में बुधवार को दिल्ली कनॉट प्लेस में नारी शक्ति वंदन बिल के समर्थन में महिला बाइक यात्रा निकाली गई और उसके बाद मानव श्रृंखला बनाई गई। महिला बाइक यात्रा रैली के दौरान बड़ी संख्या में आई लड़कियों एवं महिलाओं ने एक मानव श्रृंखला बनाकर महिला आरक्षण का उद्घोष किया। साथ ही बाइक पर कनॉट प्लेस इनर सर्कल का एक चक्कर लगाकर सबने अपने हस्ताक्षर कर इस बिल को पास करने के लिए अपना समर्थन दिया। सचदेवा ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए दिल्ली ही नहीं देश की उन सभी नारियों को बधाई दी जा रही है जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बिल के माध्यम से एक नई शक्ति दी है ताकि वह भारत की नीतियों में सहभागी बन सके। उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी को नेतृत्व देने का संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया है। इसलिए सभी दलों को इसके लिए आगे आकर अपना समर्थन देना चाहिए।

सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि विपक्ष के पास इस वक्त कोई मुद्दा नहीं है इसलिए परिसीमन की बात करके नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे मुद्दे से ध्यान भटकाना चाहती है। जबकि सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि 27 सालों से हम इस बिल की प्रतिक्षा कर रहे हैं इसलिए टाइमिंग पर सवाल करने वाले एक बार फिर से स्वयं को कटघरे में खड़े कर रहे है। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष योगिता सिंह, एनडीएमसी सदस्य सरिता तोमर, मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री रोहित चहल, प्रदेश युवा मोर्चा महामंत्री अरुण दराल, युवा मोर्चा प्रभारी अभिषेक टंडन, सह-प्रभारी सुमित सेठ सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और लड़कियां शामिल थीं। सचदेवा ने विपक्ष द्वारा परिसीमन से ध्यान भटकाने के सवाल पर कहा कि विपक्ष को इस बात पर विचार करना चाहिए कि आखिर उन्होंने इससे पहले क्यों नहीं किया। अब देश में कुछ अच्छा होने जा रहा है तो विपक्ष इसमें बाधा डालने की कोशिश कर रहा है।

राजधानी में पारा पहुंचा 39 डिग्री पार

नई दिल्ली। लंबी राहत के बाद अब सूरज का मूड बिगड़ चुका है, जिसके चलते लगातार दूसरे दिन दिल्ली में अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज हुआ। जबकि रिज एरिया में तापमान का आंकड़ा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। इस तरह बुधवार इस गर्मी के सीजन का सबसे अधिक गर्म दिन के रूप में दर्ज हुआ। जबकि मंगलवार को सीजन में पहली बार अधिकतम पारा 38 डिग्री को पार कर गया था। प्रादेशिक मौसम विभाग दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार सफदरजंग वेधशाला ने दिल्ली का समग्र अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 3.1 डिग्री सेल्सियस अधिक है। जबकि न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से अभी भी 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे है। जबकि दिल्ली के रिज एरिया में सबसे अधिक 40.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

खबर संक्षेप

ठगी करने के मामले में दो फोन कॉलर गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना एनआईटी की टीम ने क्रेडिट कार्ड बनवाने के नाम पर ठगी करने के

मामले में दो फोन कॉलर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान छगन सिंह व सुरेंद्र कुमार निवासी मां करणी नगर जयपुर के रूप में हुई है। 21ए फरीदाबाद निवासी एक युवती ने शिकायत दी कि 16 फरवरी को वह दोस्त के साथ मिलकर क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए सर्च कर रही थी।

पुलिस उपायुक्त ने किया इंटरस्टेट नाकों का निरीक्षण

फरीदाबाद। कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस

उपायुक्त बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल द्वारा निरंतर सक्रियता दिखाई जा रही है। पुलिस उपायुक्त द्वारा बल्लभगढ़ जोन के इंटरस्टेट नाकों का निरीक्षण किया गया है, ज्वेलर्स शोरूम, दुकान मालिकों के साथ बैठक का आयोजन कर आवश्यक निर्देश दिये हैं।

पुलिस ने अवैध हथियार सहित एक को किया काबू

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। 13 अप्रैल को अपराध

शाखा एनआईटी की टीम ने एक आरोपी को एक देसी पिस्टल, 2 मैगजीन, 10 जिंदा कारतूस व एक स्कॉर्पियो गाड़ी सहित अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज छांयसा के पास से काबू किया है। जिसकी पहचान प्रवीन निवासी कपना, जिला बुलंदशहर उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। जिसने पूछताछ में बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलर का कार्य करता है। उसने शौक के लिए मिथौली उत्तर प्रदेश से 1,07,000 रुपए में अवैध हथियार खरीदा था।

दो दिवसीय रेनेसां फेस्टिवल का समापन

रेनेसां फेस्टिवल में परंपरा और समकालीन चिंतन का संगम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

लाइट सेंस आर्ट फाउंडेशन द्वारा मिलिंद श्रीवास्तव के कलात्मक निर्देशन में आयोजित दो दिवसीय रेनेसां फेस्टिवल 2026 का समापन प्रभावशाली अंदाज़ में हुआ। फेस्टिवल में शास्त्रीय और समकालीन नृत्य प्रस्तुतियों का सशक्त संयोजन देखने को मिला। जिसने दर्शकों को विरासत, नवाचार और विकसित होती कलात्मक अभिव्यक्ति के बीच संवाद से जोड़ा। फेस्टिवल का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें अशोक कुमार तिवारी

फेस्टिवल में शामिल हुई कई हस्तियां

(संस्कार भारती), शोवना नारायण, रंजना गौहर और गीतांजलि लाल सहित अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित रहीं। मुख्य प्रस्तुति संहृति का कोरियोग्राफी नारायण शर्मा ने किया। यह सृजन और विनाश की प्रक्रिया पर आधारित एक ध्यानपूर्ण प्रस्तुति रही। जिसमें नृत्य, ध्वनि और दृश्य संरचना के संयोजन ने अस्तित्व के चक्रीय स्वरूप को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। अन्य प्रस्तुतियों में मायाः द लास्ट इमिटेशन (कलामंडलम विष्णुप्रिया मारार और उन्नी विश्वनाथ मारार) ने शास्त्रीय और समकालीन दृष्टि का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया। वहीं विक्की भार्तिया की प्रस्तुति शिवा ने छऊ और आधुनिक नृत्य के माध्यम से ऊर्जा और स्थिरता के द्वैत को दर्शाया।

संगीता चटर्जी की प्रस्तुति मिराज ने भ्रम और वास्तविकता के बीच की सूक्ष्म रेखा को रेखांकित करते हुए पहचान, अनुभूति और आंतरिक जगत के विषयों को सामने रखा। कार्यक्रम में दीपम ज्योति परब्रह्म की आध्यात्मिक प्रस्तुति ने प्रकाश को ज्ञान और अज्ञान के निवारण के प्रतीक के रूप में स्थापित किया। इस प्रस्तुति में संगीत संयोजन सरोज मोहंती, ताल संरचना प्रदीप्त कुमार महाराणा और नृत्य संयोजन गुरु सुदर्शन साहू द्वारा किया गया। फेस्टिवल के दूसरे दिन ने प्रदर्शन कला को स्मृति, प्रतिरोध और सामाजिक चिंतन के माध्यम के रूप में सामने रखा। गौरी दिवाकर की प्रस्तुति ने शास्त्रीय गरिमा प्रदान की इस अवसर पर कथक नृत्यांगना और एसएनए युवा पुरस्कार से सम्मानित गौरी दिवाकर की प्रस्तुति ने शाम को शास्त्रीय गरिमा प्रदान की। चेन्स द अनटोल्ड पेन प्रस्तुति, जिसका अवधारणा और कोरियोग्राफी नंदा कुमार द्वारा किया गया। यह दासता के इतिहास पर आधारित एक मार्मिक प्रस्तुति रही। इस प्रस्तुति ने पीड़ा और संघर्ष को सशक्त नृत्य भाषा में रूपांतरित किया। शाम का प्रमुख आकर्षण लाइट डिजाइनर अवॉर्ड का मुरुगन कृष्णन को प्रदान किया जाना रहा। जिन्होंने पिछले दो दशकों में अंतरराष्ट्रीय मंचों और भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुतियों के लिए मंच प्रकाश व्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने दिखाई हरी झंडी, नारी सशक्तिकरण का दिया संदेश

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को मिलेगा 33 प्रतिशत आरक्षण: मेयर प्रवीण बत्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

खास बातें

- नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत फरीदाबाद में भव्य स्कूटी रैली का आयोजन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिलाओं के हित में लगातार निर्णय लेकर महिलाओं को अधिकार देने के साथ उन्हें सशक्त बना रहे हैं। यह जानकारी देते हुए नगर निगम मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत आयोजित स्कूटी रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उनके साथ अतिरिक्त उपायुक्त अंजलि श्रोत्रिया भी मौजूद रही। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत आयोजित स्कूटी रैली नेहरू कॉलेज से शुरू होकर जगन्नाथ मंदिर, सनफ्लैग चौक, सेक्टर-15 मार्केट, बीपीटीपी रोड, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप, कोर्ट कॉम्प्लेक्स सेक्टर-12 तथा पुलिस स्टेशन सेक्टर-12 से होते हुए निर्धारित रूट पर संचालित किया गया। इस दौरान पूरे मार्ग में प्रतिभागियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और नागरिकों ने भी रैली का स्वागत किया। नगर निगम मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से देश की आधी आबादी को उनका पूरा हक देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि जिस ऐतिहासिक पल और अधिकार का देश की महिलाओं को लंबे समय से इंतजार था, वह समय अब आ गया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत या एक-तिहाई सीटें आरक्षित की गई हैं। इस प्रावधान से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को मजबूती मिलेगी। 16, 17 और 18 तारीख को इस अधिनियम के पारित होने के साथ ही देश की राजनीति और समाज में महिलाओं की भागीदारी का एक नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। पहल महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में सशक्त उपस्थिति प्रदान करेगी और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को और मजबूत करेगी। उसमें शामिल सभी बहनों, छात्राओं, कार्यकर्ताओं एवं युवा मोर्चा की टीम के उत्साह की सराहना की।

महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा

गाजियाबाद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में निकली मोटरसाइकिल रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आज गाजियाबाद महानगर में दुर्गा भाभी चौक से महारानी लक्ष्मीबाई चौक तक मातृशक्ति द्वारा भव्य बाइक रैली निकाली गई। इस रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर कानून के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महिला आयोग सदस्य हिमानी अग्रवाल व महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया इस कानून के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे मातृशक्ति की राजनीतिक भागीदारी को मजबूती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव अंत्योदय के सिद्धांत पर कार्य करती है और समाज के हर वर्ग को मुख्यधारा में लाने का प्रयास करती है। सरकार का लक्ष्य महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए पहले महिलाओं की भागीदारी को लेकर केवल वादे किए गए, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। वर्तमान सरकार ने संवैधानिक रूप से कानून बनाकर महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। महारानी दुर्गावती तथा अन्य वीरांगनाओं का वेश धारण कर महिला शक्ति ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए समाज के सभी वर्गों से इस अभियान का समर्थन करने की अपील की।

आजादी के बाद पहली बार बल्लभगढ़ में स्थापित किए 2 कॉलेज, कई स्कूलों के बनवाए नए भवन: विधायक शर्मा

बल्लभगढ़ बन रहा है शिक्षा का हबः कृष्णपाल गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

बल्लभगढ़ के सेक्टर-22 स्थित शहीद पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजेश थापा कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन में आज नए शिक्षा सत्र 2026-27 का शुभारंभ हवन के साथ किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा भी मौजूद रहे। लगभग 4 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से तैयार इस

आधुनिक भवन को बेटियों की शिक्षा के लिए समर्पित किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के संकल्प को धरातल पर उतारने में बल्लभगढ़ के विधायक पं. मूलचंद शर्मा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। बल्लभगढ़ क्षेत्र में बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महिला कॉलेज और कई राजकीय स्कूलों की नई इमारतों का निर्माण कराया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण से जुड़ा ऐतिहासिक बिल लाने के लिए संसद का विशेष सत्र भी बुलाया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद बल्लभगढ़ विधानसभा में तेजी से विकास कार्य हुए हैं, विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा ने कहा कि देश की आजादी के बाद बल्लभगढ़ विधानसभा में शिक्षा के क्षेत्र में रिकॉर्ड स्तर पर कार्य भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुए हैं। स्कूल या कॉलेज निर्माण के लिए कार्य नहीं किया। विधायक मूलचंद शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बल्लभगढ़ में विकास कार्य बिना किसी भेदभाव के तेज गति से किए जा रहे हैं।

घटना में मोबाइल फोन बरामद किया

सुंदर भाटी के नाम पर बिल्डर से 10 करोड़ की फिरौती मांगने वाले तीन गिरफ्तार, महिला साथी भी पकड़ी गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

स्वॉट टीम, अपराध शाखा ने बुधवार को थाना इंदिरापुरम के बिल्डर से 10 करोड़ की रंगदारी मांगने वाले बदमाश को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन बरामद किया है । गिरफ्तार आरोपियों में रविन्द्र उर्फ रोबिन,सविता उर्फ सवी चौधरी तथा तुसार बसाया है। पुलिस उपायुक्त सिटी धवल जायसवाल ने एक प्रेस वार्ता में बताया कि 11 अप्रैल को अर्पित गुप्ता ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया।

जिसमे शिकायकर्ता से अज्ञात नम्बर से किसी व्यक्ति के द्वारा स्वंय को कुख्यात सुंदर भाटी के गैंग का बताकर 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई। जिसे ना देने पर शिकायकर्ता व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। प्रार्थना पत्र की जाँच स्वॉट टीम अपराध शाखा ने पड़ताल की। जाँच पड़ताल के दौरान तथ्य सही पाये जाने पर इंदिरापुरम थाने में एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद अपराध

शाखा व थाना इंदिरापुरम पुलिस द्वारा थाना वेव सिटी क्षेत्र से मुखबिर की सूचना व इलेक्ट्रानिक साक्ष्य के आधार पर रविन्द्र उर्फ रोबिन निवासी वेब सिटी को गिरफ्तार किया गया। उसने पुलिस पूछताछ में बताया कि मैं प्रोपर्टी खरीदने व बेचने का काम करता । मैं पिछले करीब 3 वर्ष से अर्पित गुप्ता जो कि एक प्रोपर्टी डीलर है ,को अच्छी तरह से जानता हूँ जिसके साथ मैने प्रॉपर्टी खरीदने व बेचने का कार्य किया है । जिसकी साइट सेक्टर 49 नोएडा में है । मेरी एक दोस्त है जिसका नाम सविता उर्फ सवी चौधरी ग्राउड फ्लोर किंग वुड एनक्लेव सेक्टर-03 वेव सिटी उम्र 44 वर्ष है जो कि वेव सिटी मे ही रहती है और प्रॉपर्टी डीलिंग के मैनेजमेंट का कार्य अच्छी तरह से जानती है । मेरे द्वारा करीब 06 माह पहले सवी चौधरी को रजिस्ट्री कराने के कार्य पर अर्पित गुप्ता के आफिस नोयडा में कार्य दिलवाया गया था । करीब 10 दिन पहले अर्पित गुप्ता द्वारा सवी चौधरी को नौकरी से निकाल दिया गया था जिसके बाद सवी चौधरी ने मुझसे मुलाकात की और बताया की अर्पित गुप्ता का काम बहुत अच्छा चल रहा है । हम दोनो ने कही से एक मोबाईल फोन व एक सिम कार्ड किसी और की आईड़ी पर लेने की योजना बनाई जिस कार्य के लिए मैने अपनी मौसी के लडके तुषार बैसौया पुत्र रविन्द्र निवासी मकान नं0 109 दृतीय तल सेक्टर 04 वेव सिटी से सम्पर्क किया तुषार भी प्रोपर्टी का कार्य करता है जिसका आफिस भी वेव सिटी मे ही है जिसके बाद मेरी मौसी का बेटा तुषार भी हमारे साथ इस योजना मे सम्मलित हो गया जिसके बाद तुषार के द्वारा अपने दोस्त अंश मित्तल के माध्यम से मुझे एक सेकेंड हैंड मल्टीमीडिया मोबाईल फोन रेड मी कंपनी उपलब्ध कराया गया ।

मंत्री ने वरिष्ठ नेता गोपीचंद्र गहलोत के निधन पर शोक व्यक्त किया

गहलोत की शोकसभा में परिवार से मिलने पहुंचे केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह

एजेंसी ⏭ गुरुग्राम

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने हरियाणा के पूर्व डिप्टी स्पीकर व भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय गोपीचंद गहलोत के निधन पर उनके निवास स्थान पर पहुंचकर शोक व्यक्त किया।

उन्होंने अपने एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा-मेरे पुराने साथी व हरियाणा विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर गोपीचंद गहलोत के निधन पर गुरुग्राम स्थित निवास पर पहुंचा और शोक संतप्त परिवार से मिलकर संवेदनाएं व्यक्त की। प्रभु दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। गहलोतजी की शोक सभा में पूरे दिन हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए नेताओं और समर्थकों का ताता लगा रहा। उनकी शोक सभा में बुधवार को फिल्म जगत के अभिनेता और कांग्रेस के वरिष्ठ राजनेता राजबब्बर भी पहुंचे। इसके अतिरिक्त गहलोतजी के निधन पर शोक प्रकट करने के लिए आरएसएस प्रांत संघचालक प्रताप

यादव, पूर्व मंत्री एवं विधायक इलियास मोहम्मद, विधायक आदित्य देवीलाल, विधायक मामन खान, पूर्व मंत्री एवं भाजपा नेता जाकिर हुसैन, पूर्व मंत्री कप्तान अजय यादव,कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष पंकज डावर, कांग्रेस महिला प्रदेश अध्यक्ष पर्ल चौधरी, पूर्व चेयरमैन राव मान सिंह, पूर्व मंत्री राव दान सिंह के पुत्र अक्षत राव, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल के पुत्र संचित नांदल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप जेलदार, हरियाणवी गायक माली शर्मा, पूर्व मंत्री मांगेराम नंबरदार के पुत्र सतीश नंबरदार, भाजपा वरिष्ठ नेता सुमेर तंवर, उद्योगपति गिरिराज ढींगरा, ओम स्वीट्स के डायरेक्टर ओम प्रकाश कथूरिया, इनेलो के वरिष्ठ नेता अजीत सिंह गिल्लाखेड़ा, जाट संस्था सेक्टर 46 के प्रधान विनोद दहिया, अनिल सतीश यादव पार्षद, रेखा सैनी पार्षद, अनूप सिंह भांभू पार्षद, विकास यादव पार्षद, हरबीर अधाना पार्षद, धर्मबीर डागर पार्षद, अर्जुन शर्मा पार्षद, पवन जांघू पार्षद, सुंदरी खत्री पार्षद, प्रवक्ता सुशीला कटारिया, सहित आस पास के गांव से अनेक लोग शामिल हुए।

भूमि माफियाओं पर गुरुग्राम पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक

गैंगस्टर कौशल चौधरी की करोड़ों की अवैध संपत्ति पर चला बुलडोजर

गुरुग्राम ⏭ धर्मेंद्र कौशिक

भूमि माफियाओं पर सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए गुरुग्राम पुलिस ने हरिनगर, नाहरपुर और फाजिलपुर में तोड़फोड़ अभियान चलाया। यह संयुक्त कार्यवाही सेक्टर-31 क्राइम ब्रांच, सेक्टर-43 एवं सिकंदरपुर क्राइम ब्रांच द्वारा ड्यूटी मजिस्ट्रेट आरएस बाठ के साथ संबंधित विभागों के समन्वय से की।

पुलिस ने नाहरपुर में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की करीब 50 करोड़ की जमीन को गैंगस्टर कौशल चौधरी के कब्जे से मुक्त कराया। वहीं हरिनगर में महेंद्र यादव उर्फ माही, फाजिलपुर में नशा तस्कर भजन लाल उर्फ गजेपाल की संपत्ति को भी ध्वस्त किया गया। इस दौरान संबंधित थाना पुलिस से भारी पुलिस बल मौजूद रहा। पुलिस व प्रशासनिक अमले ने गांव नाहरपुर में कुख्यात गैंगस्टर कौशल चौधरी की अवैध संपत्ति को चिन्हित किया था। जिसमें कौशल चौधरी ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की जमीन पर कब्जा किया हुआ

था। जिसकी कीमत करीब 50 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। गैंगस्टर कौशल चौधरी द्वारा अवैध रूप से जमीन पर कब्जा कर दूध की डेयरी बनाई हुई थी तथा इसका उपयोग संगठित अपराध गतिविधियों के संचालन एवं विस्तार के लिए किया। सेक्टर-31 क्राइम ब्रांच के साथ भारी पुलिस बल व प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और इस अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। गैंगस्टर कौशल चौधरी पर हत्या, हत्या के प्रयास सहित अन्य संगीन अपराधों के करीब तीन दर्जन मामले दर्ज हैं। वर्तमान में वह जेल में बंद है और उसके इशारे पर ही जमीन पर कब्जा कर इससे अर्जित धन को आपराधिक गतिविधियों में खर्च किया जा रहा है। इसके अलावा गजेपाल पर भी कई मुकदमे दर्ज हैं जो नशा तस्करी में शामिल है। सेक्टर-43 क्राइम ब्रांच व पुलिस की टीमों ने फाजिलपुर झाड़सा में कार्रवाई करते हुए नशा तस्कर भजन लाल उर्फ गजेपाल की संपत्ति को भी ध्वस्त कर दिया। वहीं सिकंदरपुर क्राइम ब्रांच ने महेंद्र यादव उर्फ माही निवासी गांव पहाड़पुर जिला बलिया (उत्तर-प्रदेश) के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद नोडल अधिकारी आरएस बाठ ने बताया कि अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिये मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश दिए हैं। लोकल माफिया और बड़े गैंगस्टर की आर्थिक कमर तोड़ने के लिए कार्यवाही की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अपराधियों के खिलाफ इस तरह की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी और जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अपराधियों के खिलाफ यह कार्यवाही जारी रहेगी।

स्वच्छता कार्यों की सख्त निगरानी और अवैध कचरा डंपिंग पर कार्रवाई के निर्देशः धीरेंद्र खड़गटा

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद के आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा अवैध रूप से कचरा फेंकने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार सभी संयुक्त आयुक्तों तथा स्वच्छता शाखा के अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और स्वच्छता कार्यों की प्रभावी निगरानी और पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है।

नगर निगम के संज्ञान में आया है कि शहर के विभिन्न स्थानों पर, विशेष रूप से सड़कों के किनारे और खुले स्थानों पर, बल्क वेस्ट जनरेटर तथा औद्योगिक इकाइयों द्वारा घरेलू कचरा, निर्माण एवं ध्वस्तीकरण कचरा तथा औद्योगिक कचरे की अवैध डंपिंग की जा रही है। यह न केवल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे जनस्वास्थ्य, स्वच्छता मानकों और शहर की रैंकिंग पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। सभी संयुक्त आयुक्त अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता कार्यों की नियमित और कड़ी निगरानी सुनिश्चित करेंगे तथा हर समय साफ-सफाई बनाए रखेंगे। स्वच्छता टीमों, जिनमें मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, सफाई निरीक्षक और सहायक सफाई निरीक्षक शामिल हैं।

डकैती के मामले में छठा आरोपी गिरफ्तारः फरीदाबाद। बीते 23-24 नवम्बर की रात को सेक्टर 24 स्थित एक कम्पनी से कॉपर व गाडी की लूट के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-30 की टीम ने छठे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गुरुमीत सिंह** पुत्र श्री मान सिंह निवासी सी-99 डी, तिलक विहार, तिलक नगर, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 429/2018 धारा 356/379/411/34 भा.द.स, थाना तिलक नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **गुरुमीत सिंह** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **गुरुमीत सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा की जाती है की उक्त अभियुक्त **गुरुमीत सिंह, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 429/2018 धारा 356/379/411/34 भा.द.स, थाना तिलक नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.05.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री विकास मदान
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/4845/WD/2026

खबर संक्षेप

यूपी के गांव में पुलिस के डर से पुरुष फरार

लखनऊ। नरहरपुर में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई हिंसक झड़प के चार दिन बाद भी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। गाँव में पसरा सन्नाटा और दहशत का माहौल यहां की वर्तमान स्थिति को बयां कर रहा है। गिरफ्तारी के डर से अधिकांश पुरुष घर छोड़कर फरार हैं,गांव में केवल महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे ही शेष बचे हैं। महिलाओं ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई के नाम पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया।

इस कॉरिडोर का उद्देश्य तेज, सुरक्षित और बिना बाधा के यातायात सुनिश्चित करना है

ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के रूप में विकसित होगा अयोध्या-प्रतापगढ़ मार्ग, चार जिलों से खरीदी जाएगी जमीन

केंद्र सरकार अयोध्या-प्रतापगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग को छह लेन के हाई-स्पीड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर के रूप में विकसित कर रही है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण अयोध्या को भूमि अधिग्रहण और डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एजेंसी ⏭ अयोध्या

खास बातें

- अयोध्या-प्रतापगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग छह लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर बनेगा
- अयोध्या को भूमि अधिग्रहण व डीपीआर की जिम्मेदारी
- राम मंदिर के तीर्थयात्रियों हेतु यात्रा होगी सुगम

फाइल फोटो

अयोध्या-प्रयागराज हाईवे को ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल कॉरिडोर के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर दी है।

यह परियोजना खास तौर पर अयोध्या-प्रतापगढ़ खंड पर लागू होगी, जहां पूरी तरह नया मार्ग बनाया जाएगा। इस कॉरिडोर का उद्देश्य तेज, सुरक्षित और बिना बाधा के यातायात सुनिश्चित करना है, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा। इस परियोजना के तहत हाईवे को छह लेन का बनाया जाएगा, जिससे वाहनों की गति और क्षमता दोनों बढ़ेंगी। एक्सेस कंट्रोल सिस्टम होने के कारण बीच में अनावश्यक कट या रुकावट नहीं होगी, जिससे यात्रा अधिक सुरक्षित और समयबद्ध बनेगी। यह सड़क आधुनिक मानकों के अनुसार तैयार होगी और भविष्य की ट्रैफिक जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन की जा रही है। अधिसूचना के अनुसार, इस परियोजना के लिए कुल 51 गांवों की भूमि अधिग्रहित की जाएगी। सोहावल और बीकापुर तहसील शामिल हैं। भूमि अधिग्रहण की जिम्मेदारी अपर जिलाधिकारी (भूमि अध्याप्ति) को दी गई है। इस प्रक्रिया के तहत किसानों और स्थानीय निवासियों की जमीन ली जाएगी, जिससे प्रभावित लोगों में मुआवजे और पुनर्वास को लेकर चिंता बनी हुई है। इस परियोजना का सबसे अधिक असर बीकापुर तहसील पर पड़ेगा, जहां 40 गांवों की जमीन अधिग्रहण के दायरे में आएगी। इसके अलावा सदर और सोहावल तहसील के भी कई गांव प्रभावित होंगे। इतनी बड़ी संख्या में गांवों के शामिल होने से यह स्पष्ट है कि परियोजना का दायरा व्यापक है और इसका सामाजिक व आर्थिक प्रभाव भी बड़े स्तर पर देखने को मिलेगा। ग्रीनफील्ड कॉरिडोर बनने के बाद अयोध्या और प्रयागराज के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी। हाई-स्पीड और बिना बाधा वाले मार्ग के कारण वाहन तेजी से गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इससे न केवल आम यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि व्यापार, लॉजिस्टिक्स और आपात सेवाओं के लिए भी यह मार्ग बेहद उपयोगी साबित होगा। यह कॉरिडोर सिर्फ परिवहन परियोजना नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास का बड़ा माध्यम बनेगा। बेहतर कनेक्टिविटी से औद्योगिक गतिविधियों, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पेज एक का शेष

लोकसभा में 543 ...

महिलाओं की भागीदारी जल्द सुनिश्चित की जा सके। सरकार का मानना है कि यह कदम देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक समावेशी और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाएगा।

जनसंख्या के आधार पर परिसीमन : सीटों के पुनर्निर्धारण के लिए 2011 की जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाया जाएगा। विधेयक में स्पष्ट किया गया है कि जनसंख्या का अर्थ उस जनगणना के आंकड़ों से होगा, जिनकी आधिकारिक रूप से घोषणा की जा चुकी है।

महिला आरक्षण ...

प्रावधान को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। विधेयक ने कानून का शक्ल अख्तियार किया तो लोकसभा में सीटों की संख्या 550 से बढ़कर 850 हो जाएगी। राज्यों के विधानसभा का आकार भी अपेक्षाकृत बढ़ेगा। संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार, सिर्फ इसी मकसद से आहूत किया गया है।

महिला आरक्षण लागू हो मगर... : उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी पार्टियां चाहती हैं कि महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया जाए, इसे लोकसभा की वर्तमान संख्या 543 के आधार पर 2029 के आम चुनाव से ही लागू किया जाए। जयराम रमेश ने आगे कहा कि सरकार द्वारा रखा गया परिसीमन का प्रस्ताव बेहद खतरनाक है। गृह मंत्री और अन्य मंत्रियों ने कहा है कि लोकसभा में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ेंगी और समानुपातिक रूप से सभी राज्यों की सीटें बढ़ाई जाएंगी, लेकिन ये बात संसद में पेश किए जाने वाले विधेयक में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक के लागू होने पर दक्षिण भारत, उत्तर-पश्चिमी भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों का प्रतिनिधित्व घटेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरीके से परिसीमन आयोग ने असम और जम्मू-कश्मीर में काम किया है, उससे साफ है कि सरकार परिसीमन आयोग का इस्तेमाल बहुमत हासिल करने के लिए एक हथियार के रूप में कर रही है।

परिसीमन के होगा विरोध : जयराम रमेश ने बताया कि सभी विपक्षी पार्टियां परिसीमन के प्रावधानों के बिल्कुल खिलाफ हैं, वे लोकसभा और राज्यसभा में लोकतांत्रिक तरीके से बहस में भाग लेंगी और इसका विरोध करेंगी। बैठक के बाद राहुल गांधी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से महिला आरक्षण का समर्थन करती है। 2023 में महिला आरक्षण बिल को संसद में सर्वसम्मति से पास किया गया था और यह अब हमारे संविधान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अब जो प्रस्ताव ला रही है, उसका महिला आरक्षण से कोई लेना-देना नहीं है। ये संशोधन, परिसीमन और चुनावी क्षेत्रों की मनमानी फेरबदल के जरिए सत्ता पर कब्जा करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के ओबीसी, दलित और आदिवासी समुदायों के हिस्से की चोरी नहीं होने देगी, क्योंकि इसमें जातिगत जनगणना के आंकड़ों को नज़र अंदाज़ किया जा रहा है। इसके साथ ही कांग्रेस देश के दक्षिणी, उत्तर-पूर्वी, उत्तर-पश्चिमी और छोटे राज्यों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने देगी।

महिला आरक्षण ...

एक बार फिर उसी विषय पर कांग्रेस के रस्साकसी शुरू की है जिसे वो अपनी सरकार में खारिज कर चुकी है। अनिल जयहिंद ने कहा कि महिला आरक्षण अब चर्चा का विषय नहीं रह गया है, अब बात सिर्फ इसके क्रियान्वयन की है। उन्होंने कहा कि सरकार 16 अप्रैल से संसद का विशेष सत्र बुला रही है, जिसमें महिला आरक्षण से जुड़े कुछ संशोधन लाए जाएंगे। जबकि 2023 में महिला आरक्षण बिल पारित होते समय यह कहा गया था कि पहले जातिगत जनगणना होगी, उसके बाद परिसीमन और फिर महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। इंडिया गठबंधन ने 2024 से ही इसे लागू करने की मांग की थी, लेकिन सरकार नहीं मानी। अब यू-टर्न लेते हुए मोदी सरकार 2027 की जगह 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन और महिला आरक्षण लागू करने की जो बात कर रही है, वह देश को गुमराह करने जैसा है।उन्होंने सवाल उठाया कि अगर 2011 जनगणना के आधार पर ही परिसीमन और महिला आरक्षण लागू करना था तो पहले क्यों नहीं किया? उन्होंने कहा कि 2011 के बाद देश की डेमोग्राफी में अब बहुत बदलाव आ चुका है, ऐसे में पुराने आंकड़ों पर परिसीमन और महिला आरक्षण बेमानी होगा।

जयहिंद ने याद दिलाया कि 2021 में मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर जातिगत जनगणना न कराने की बात कही थी और खुद प्रधानमंत्री ने इसे 'अर्बन नक्सल' मानसिकता बताया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के बाद लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें कम होने पर देश के मूड को भांपते हुए मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर दी, लेकिन अब मनुवादी मानसिकता के चलते वह फिर से पीछे हट रही है। अनिल जयहिंद ने कहा कि जनगणना आयुक्त के अनुसार ताजी जनगणना के आंकड़े 2027 में ही आने शुरू हो जाएंगे, लेकिन सरकार अनुच्छेद 334(ए) में संशोधन इस दलील के आधार पर करना चाहती है कि जातिगत जनगणना के परिणाम कुछ वर्षों तक उपलब्ध नहीं होंगे। जबकि यह तथ्य नजरअंदाज किया जा रहा है कि बिहार और तेलंगाना में छह महीने से भी कम समय में व्यापक जाति सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया था। उन्होंने कहा कि अगर 2027 तक जातिगत जनगणना के आंकड़े आ गए तो मोदी सरकार पर ओबीसी महिलाओं को भी आरक्षण देने का दबाव बनेगा। इसलिए सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन करना चाहती है, ताकि ओबीसी महिलाओं को आरक्षण से वंचित रखा जाए। उन्होंने कहा कि अगर लोकसभा मे ओबीसी महिलाओं को आरक्षण नहीं मिला और प्रतिनिधित्व का अवसर नहीं मिला तो सामाजिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाएगा। डॉ. राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि 2011 की जनगणना में जो सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण हुआ था, उसके आंकड़ों को 2014 में आई मोदी सरकार ने अभी तक सार्वजनिक नहीं किया है। उन्होंने मांग की कि आगामी जनगणना में पिछड़े वर्ग की गिनती के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण भी शामिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि ताजा आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन हो और उसी आधार पर एससी-एसटी और ओबीसी वर्ग की महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की जाएं। डॉ. राजेंद्र पाल गौतम ने यह भी मांग की कि देश के अलग-अलग राज्यों में लोकसभा सीटों का वर्तमान में जो अनुपात है, वह बरक़रार रहना चाहिए। उन्होंने चिंता जताई कि यदि सीटें केवल जनसंख्या के आधार पर तय हुईं, तो जनसंख्या नियंत्रण में अच्छा काम करने वाले दक्षिण भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा और उत्तर भारत की सीटें बढ़ जाएंगी। इससे देश की एकता और भरोसे को नुकसान पहुंच सकता है। कांग्रेस नेताओं ने यह जानकारी भी कि पार्टी के अनुसूचित जाति और ओबीसी विभाग की ओर से 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया जाएगा।

झारखंड के सारंडा में कोबरा और नक्सलियों की मुठभेड़, 3 जवान घायल

रांची। झारखंड के सारंडा में नक्सलियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में अब तक तीन जवान घायल हुए हैं। तीनों कोबरा बटालियन के जवान हैं और तीनों ही जवान गोली लगने से घायल हुए हैं। फिलहाल जवानों को रेस्क्यू करने का प्रयास जारी है। इन्हें एयरलिफ्ट कर रांची लाया जाएगा। मुठभेड में नक्सलियों के भी हताहत होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को देखते ही उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में जवानों ने भी रणनीतिक तरीके से जवाबी फायरिंग की। इस दौरान तीन नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आ रही है। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन जारी है और पूरी स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही आधिकारिक बयान जारी किया जाएगा। मुठभेड़ के दौरान इलाके में भारी गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं।

12 दमकल गाड़ियां बुझाने में जुटीं

लखनऊ की 200 झोपड़ियों में भीषण आग, सिलिंडर में हुए लगातार धमाके

एजेंसी ⏭ लखनऊ

लखनऊ के विकासनगर सेक्टर-14 में बुधवार दोपहर करीब 200 झोपड़ियों में भीषण आग लग गई। आग फैलते ही झोपड़ियों में रखे सिलिंडर और रेफ्रिजरेटर के कंप्रेसर में ताबड़तोड़ धमाके होने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 12 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने में जुट गईं। दूर-दूर तक धुएं का गुबार और ऊंची लपटें दिखाई दीं। राहत-बचाव कार्य जारी है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। आग की सूचना मिलते ही झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग मौके पर पहुंचे हैं। उनका सारा सामान जलकर राख हो गया है। चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल है।जिनकी झोपड़ियां जली हैं, वो लोग रो रहे हैं। बार-बार अपनी झोपड़ी में जाने की जिद कर रहे हैं।

हमारी जनगणना हमारा विकास

भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA

गृह मंत्रालय भारत सरकार सत्यमेव जयते

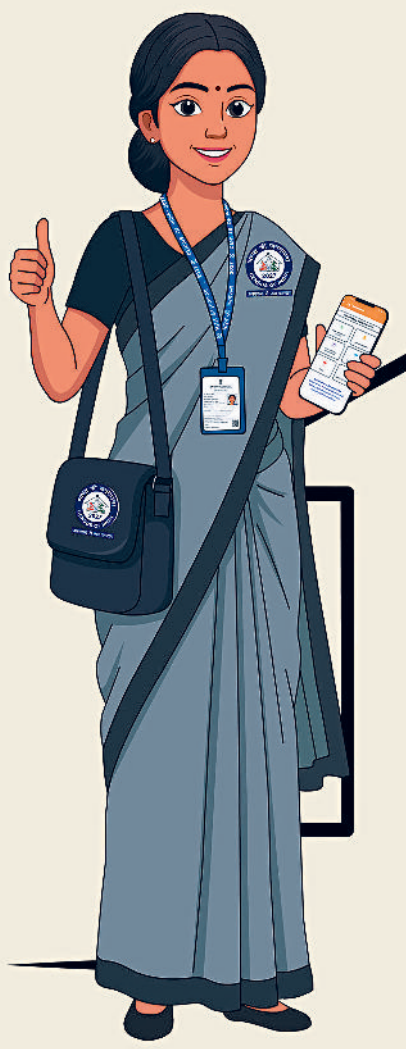

दिल्ली
(नई दिल्ली नगर परिषद एवं दिल्ली छावनी बोर्ड)

मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना
16 अप्रैल से 15 मई

दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र)

मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना
16 मई से 14 जून

आपसे क्या-क्या पूछा जाएगा ?

मकान से संबंधित जानकारी:
- भवन संख्या
- मकान के फ़र्श में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री
- मकान की दीवारों, छत में प्रयुक्त प्रमुख सामग्री
- मकान का उपयोग
- मकान की स्थिति

अन्य जानकारी:
- परिवार द्वारा उपभोग किया जाने वाला मुख्य अनाज
- मोबाइल नंबर (केवल जनगणना संबंधी संचार के लिए)

परिवार संबंधी जानकारी:
- परिवार में सामान्यतः रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या
- परिवार के मुखिया का नाम, लिंग
- क्या परिवार का मुखिया अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य से संबंधित है
- मकान के स्वामित्व की स्थिति
- परिवार के पास उपलब्ध कमरों की संख्या
- परिवार में रहने वाले विवाहित दंपत्तियों की संख्या

सुविधाएँ:
- पेयजल का मुख्य स्रोत
- पेयजल की उपलब्धता
- प्रकाश का मुख्य स्रोत
- शौचालय की उपलब्धता
- शौचालय का प्रकार
- गंदे पानी की निकासी
- स्नानघर की उपलब्धता
- रसोईघर एवं एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन की उपलब्धता
- खाना पकाने के लिए प्रयुक्त मुख्य ईंधन

परिसंपत्तियाँ:
- रेडियो/ट्रांजिस्टर
- टेलीविजन
- इंटरनेट सुविधा
- लैपटॉप/कंप्यूटर
- टेलीफोन/मोबाइल/स्मार्टफोन
- साइकिल/स्कूटर/मोटरसाइकिल/मोपेड
- कार/जीप/वैन

» यह चरण जनसंख्या गणना का आधार तैयार करता है

» आपकी सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रहेगी

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी

CensusIndia2027

cbc 19108/13/0011/2627

स्पेशलः वर्ल्ड लिवर-डे, 19 अप्रैल

यकृत (लिवर या जिगर) हमारे पाचन तंत्र का 'पावर हाउस' है। शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का माध्यम भी यही है। ऐसे में अगर इसकी प्रॉपर केयर न की जाए तो कई सीरियस हेल्थ इश्यूज हो सकते हैं। अनहेल्दी लिवर के क्या लक्षण होते हैं, इनसे कैसी समस्याएं हो सकती हैं और लिवर को कैसे हेल्दी रख सकते हैं, इन सभी के बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

लिवर हेल्थ न करें इग्नोर हो सकती हैं गंभीर प्रॉब्लम्स

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. रणधीर सूद
चेयरमैन-गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

आज के दौर में अस्वास्थ्यकर जीवनशैली और खासकर गलत खान-पान के कारण अनेक लोगों के लिवर पर बुरा असर पड़ रहा है। यही कारण है कि इन दिनों हर आयु वर्ग के लोगों में लिवर से संबंधित समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में लिवर हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहना जरूरी है।

अनहेल्दी लिवर के लक्षण

हालांकि कुछ लोगों के लिवर में खराबी से संबंधित लक्षण देर से सामने आते हैं। लेकिन अगर आप यहां बताए जा रहे लक्षणों में से कुछ को महसूस करते हैं और आपको लंबे समय तक समस्या हो रही है तो इस स्थिति में डॉक्टर से परामर्श करने में देर न करें।

- समय पर या अच्छी तरह दिन में दोनों वक्त भूख न लगना या धीरे-धीरे इसका आकार कम होते जाना।
- पेट में कुछ अंतराल पर या फिर लगातार दर्द होना।
- कुछ अंतराल पर या लगातार पेट में सूजन होना।
- बिना किसी वजह के शरीर का वजन कम होते जाना।
- पैरों में सूजन होना।
- कई दिनों तक बुखार का बना रहना।
- बिना अधिक परिश्रम किए थकावट महसूस करना।
- पीलिया (जॉन्डिस) के लक्षण सामने आना जैसे आंखों, नाखूनों और त्वचा के रंग का पीला होना।
- हमेशा जी मिचलाते रहना।
- अकसर दस्त की समस्या होना।

लिवर से संबंधित मेन प्रॉब्लम्स

लिवर कैंसर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस और फैटी लिवर को प्रमुख बीमारियों में शुमार किया जाता है।

लिवर कैंसर

लिवर से संबंधित कोई भी बीमारी जो लंबे समय से जारी हो, वह लिवर कैंसर बन सकती है। लिवर कैंसर के ये प्रमुख कारण हो सकते हैं। हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी। फैटी लिवर डिजीज और एल्कोहलिक लिवर डिजीज।

ऐसे करें बचावः अगर लिवर कैंसर का कारण हेपेटाइटिस-बी है, तो इसकी रोकथाम के लिए वैक्सीन उपलब्ध है। अगर हेपेटाइटिस बी के कारण लिवर में संक्रमण है तो शुरुआती दौर में इसका इलाज संभव है। हेपेटाइटिस-सी के लिए वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसका इलाज संभव है।

अगर एल्कोहलिक लिवर डिजीज के कारण लिवर कैंसर पनप चुका है तो ऐसी स्थिति में सबसे पहले शराब पीना बंद करना जरूरी है, क्योंकि यह समस्या काफी दिनों तक अत्यधिक शराब पीने के कारण होती है।

लाइलाज नहीं है लिवर कैंसरः सबसे पहले यह पता लगाया जाता है कि लिवर कैंसर की अवस्था (स्टेज) क्या है। ऐसे कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में सर्जरी भी कर सकते हैं या फिर मरीज की स्थिति के मद्देनजर लिवर ट्रांसप्लांट भी किया जा सकता है। अगर कैंसर स्टेज 3 या 4 में है तो इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के जरिए भी इलाज किया जा सकता है।

लिवर सिरोसिस

लिवर कैंसर के जो कारण हैं, वे लिवर सिरोसिस के संदर्भ में भी लागू होते हैं। यही बात लिवर सिरोसिस की रोकथाम के संदर्भ में भी लागू होती है। खून की वॉमिट होना, आंत में रक्त स्राव होना, पेट में पानी भरना लिवर सिरोसिस के कुछ प्रमुख लक्षण हैं। इसके अलावा मरीज का असामान्य बातें करना, जिसे सहज भाषा में मरीज का 'असामान्य होना' भी कहते हैं। मरीज बेहोश भी हो सकता है। इसके अलावा मरीज के रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर भी गिर जाता है।

इन पर करें अमलः लिवर सिरोसिस से ग्रस्त होने पर शराब का सेवन (अगर करते हैं) तुरंत छोड़ देना चाहिए। इसके अलावा लिवर सिरोसिस की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति का इलाज उसकी शारीरिक स्थिति और लक्षणों के आधार पर किया जाता है। लिवर सिरोसिस को दवाओं से नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है, जिसके कारण मरीज की जीवन अवधि बढ़ सकती है।

फैटी लिवर

अगर लिवर में अत्यधिक वसा कोशिकाएं (फैट सेल्स) संचित हो जाती हैं तो इस स्थिति को फैटी लिवर डिजीज कहते हैं। फैटी लिवर का पता पेट के अल्ट्रासाउंड से लगता है।

फैटी लिवर के प्रकारः यह दो प्रकार का हो सकता है- एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज और नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज।

प्रमुख लक्षणः दोनों प्रकार की फैटी लिवर की समस्याओं में अकसर पेट से संबंधित तकलीफें महसूस होती हैं। जैसे पेट दर्द, दस्त होना, पेट फूलना, गैस बनना, बदहजमी, भूख कम लगना और कब्जियत आदि।

कारणः नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर के ज्यादातर मामले अस्वास्थ्यकर खान-पान, नियमित रूप से व्यायाम या शारीरिक श्रम न करने और मोटापे के कारण होता है। जो लोग जंक फूड्स व अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार को प्रतिदिन या अकसर ग्रहण करते हैं, उनमें नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर होने का खतरा बहुत ज्यादा होता है।

इन दिनों युवा वर्ग भी बड़े पैमाने पर नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं, जिसका एक प्रमुख कारण फैटी फूड्स और जंक फूड्स को अपने खान-पान में वरीयता देना है।

इन्हें है ज्यादा रिस्कः नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर की समस्या होने का रिस्क उन्हें ज्यादा होता है-

- जो लोग मोटापे से ग्रस्त हैं या फिर जिनका बॉडी मास इंडेक्स 25 से ऊपर है, उनमें नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर होने का जोखिम ज्यादा है।
- मोटापे से ग्रस्त जिन लोगों के पेट पर शरीर के अन्य भागों की तुलना में कहीं ज्यादा चर्बी संचित होती है, उन्हें फैटी लिवर होने का जोखिम ज्यादा है।
- मधुमेह से ग्रस्त लोगों को फैटी लिवर का जोखिम ज्यादा रहता है। इसलिए ऐसे लोगों को ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखना चाहिए।
- जिन लोगों के रक्त में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का स्तर ज्यादा है, उनमें भी फैटी लिवर का जोखिम ज्यादा होता है। इस संदर्भ में डॉक्टर से परामर्श लेकर लिपिड प्रोफाइल टेस्ट करवाना चाहिए।

बचाव के उपायः एल्कोहलिक फैटी लिवर काफी दिनों तक अत्यधिक शराब पीने से होता है, जिसकी रोकथाम में सबसे पहले शराब छोड़ना जरूरी है। इसके बाद मरीज को दवाएं भी दी जाती हैं। फैटी फूड्स और जंक फूड्स से जहां तक संभव हो परहेज करें। शारीरिक स्थिति और उम्र के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करें। बेहतर रहेगा कि आप व्यायाम करने से पूर्व इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट और अपने डॉक्टर से परामर्श लें। जो लोग मोटापे के कारण फैटी लिवर की समस्या से ग्रस्त हैं, अगर वे अपने वजन को खान-पान और व्यायाम के जरिए 7 से 10 प्रतिशत तक कम कर लेते हैं तो उन्हें काफी राहत मिल सकती है। अगर जीवन शैली में सकारात्मक परिवर्तन करने के बाद भी वांछित परिणाम नहीं मिलते, समस्या बनी रहती है तो फैटी लिवर से छुटकारा पाने के लिए दवाएं दी जाती हैं।

हेपेटाइटिस की समस्या

लिवर में संक्रमण और सूजन की स्थिति को हेपेटाइटिस कहते हैं। हेपेटाइटिस, वायरल संक्रमण है, जिसके पांच प्रमुख प्रकार हैं- हेपेटाइटिस-ए, हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी, हेपेटाइटिस-डी और हेपेटाइटिस-ई।

हेपेटाइटिस ए और ईः इन दोनों का वायरस दूषित खाद्य पदार्थों और प्रदूषित पेयजल के जरिए व्यक्ति को संक्रमित करता है। इसलिए दोनों हेपेटाइटिस से बचाव के लिए स्वच्छ खाद्य पदार्थ ग्रहण करें और शुद्ध जल पिएं। इन दोनों हेपेटाइटिस में लगभग 1 प्रतिशत मरीज गंभीर स्थिति में पहुंचते हैं। इनसे ग्रस्त लोगों का इलाज लक्षणों के आधार पर किया जाता है। हेपेटाइटिस-ए से बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध हैं। अगर समुचित इलाज नहीं कराया गया तो हेपेटाइटिस-ई गर्भवती महिलाओं और उनके गर्भस्थ शिशुओं को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

हेपेटाइटिस-बीः इससे बचाव के लिए टीका (वैक्सीन) उपलब्ध है। इसके अलावा कुछ दवाओं से इस मर्ज को नियंत्रित किया जा सकता है।

हेपेटाइटिस-सीः इसके इलाज में दवाएं काफी हद तक कारगर हैं।

हेपेटाइटिस-डीः जिन लोगों को हेपेटाइटिस-बी का संकमण होता है, वही हेपेटाइटिस-डी से ग्रस्त होते हैं। मरीज के लक्षणों के आधार पर इसका इलाज किया जाता है।

इन बातों पर भी दें ध्यान

- डॉक्टर की सलाह के बगैर पेनकिलर्स या फिर एंटीबायोटिक्स लेना लिवर की सेहत के लिए नुकसानदेह है।
- दिन भर विभिन्न खाद्य पदार्थों के जरिए लगभग 3 से 5 ग्राम नमक (चाय की छोटी चम्मच की मात्रा भर) का सेवन किया जा सकता है। नमक का अधिक सेवन लिवर के लिए नुकसानदेह है।
- ट्रांस फैट्स से बचें। जब तेल में खाद्य पदार्थों को बार-बार तला जाता है तो ऐसे खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट्स की मात्रा बढ़ जाती है। ट्रांस फैट्स से निर्मित खाद्य पदार्थों में अतिरिक्त कैलोरीज होती हैं, जिससे वजन तेजी से बढ़ता है और ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से कालांतर में लिवर की कोशिकाओं पर वसा की परत संचित होने लगती है, जिससे लिवर में सूजन संभव है।
- अत्यधिक शुगर और 'कृत्रिम स्वीटनर्स' युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, क्योंकि ये कालांतर में लिवर के लिए नुकसानदेह हैं। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

लिवर को ऐसे रखें स्वस्थ

मोटापा आपके लिवर हेल्थ के लिए हार्मफुल है। अपने बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को 25 से ऊपर न जाने दें, इस संदर्भ में अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

लिपिड प्रोफाइल जांचः समय-समय पर डॉक्टर के परामर्श से लिपिड प्रोफाइल जांच कराते रहें ताकि यह पता चल सके कि आपके रक्त में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का स्तर बढ़ा तो नहीं है। अगर ये स्तर बढ़ा है तो फिर डॉक्टर के परामर्श से दवाएं लें।

शराब से दूरीः हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार शराब और अन्य मादक पदार्थ लिवर पर बुरा असर डालते हैं।

ब्लड शुगर करें नियंत्रितः जो लोग डायबिटिक हैं, वे रक्त शर्करा स्तर (ब्लड शुगर लेवल) को डॉक्टर के परामर्श से नियंत्रित रखें। ऐसा इसलिए क्योंकि बढ़ा हुआ शुगर लेवल फैटी लिवर और इससे संबंधित समस्याओं के जोखिम को बढ़ाता है।

हेल्दी लाइफस्टाइलः इसके अंतर्गत आहार में मौसमी फलों, सब्जियों और साबुत अनाजों को वरीयता दें। अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार प्रतिदिन 20 से 30 मिनट व्यायाम करें, योगासन करें या टहलें।

जंक फूड्स, अत्यधिक चिकनाईयुक्त और मसालेदार खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए। शराब और अन्य मादक पदार्थों से परहेज करें। सोयाबीन, अलसी, ब्रोकली, अखरोट, सीड्स और अंकुरित अनाजों को आहार में वरीयता देना लिवर के लिए लाभप्रद है।

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

अपनी आवाज का रखें ध्यान

विचारों की अभिव्यक्ति से लेकर मनोभावों को जताने तक आवाज जरूरी है। बावजूद इसके आवाज की केयर को लेकर सजगता बहुत कम लोगों में होती है। इस बारे में मेडिकल सलाह लेने को लेकर ज्यादातर सोचा ही नहीं जाता है। हर साल 16 अप्रैल को मनाया जाने वाला **वर्ल्ड वॉयस डे,** ना केवल आवाज के महत्व को समझने बल्कि उचित देखभाल के लिए सजग करने से भी जुड़ा है। इस खास दिन पर पूरी दुनिया में वॉयस रिलेटेड परेशानियों के ट्रीटमेंट और प्रिवेंशन के तरीकों पर चर्चा होती है।

बोलते समय रखें ध्यानः आमतौर पर हम औपचारिक मीटिंग या मेलजोल में ही आवाज के पिच का ध्यान रखते हैं। आम जिंदगी में तीखे या तेज स्वर में बोलने के तरीके पर ध्यान ही नहीं दिया जाता। जबकि आवाज की सुरक्षा के लिए बहुत तेज बोलने से परहेज करना सबसे जरूरी है। साथ ही बहुत लंबे समय तक बोलने से भी बचना चाहिए। अगर बोलना जरूरी ही हो तो बीच में पानी पीते रहें। गले को हाइड्रेट रखने से आवाज को नुकसान नहीं पहुंचता। वोकल कॉर्ड्स को स्वस्थ रखने के लिए गले को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी होता है।

स्पेशलिस्ट की लें हेल्पः किसी भी तरह का वॉयस डिसऑर्डर आम जिंदगी में कम्युनिकेशन और दूसरी एक्टिविटीज को गहराई से प्रभावित करता है। बचपन से ही किसी को बोलने या उसकी आवाज में परेशानी है तो स्पीच लैंगवेज स्पेशलिस्ट की भी हेल्प ली जा सकती है। ये वॉयस डिसऑर्डर्स का कारण बनने वाले फैक्टर्स को समझने और हेल्दी वॉयस बनाए रखने के तरीकों के स्पेशलिस्ट होते हैं।

ऐसे रखें वॉयस का खयालः धूम्रपान, शराब का सेवन और ऊंचे स्वर में बोलना आवाज को नुकसान पहुंचाने वाली आदतें हैं। तंबाकू के धुएं से वोकल कॉर्ड्स में जलन और सूजन की समस्या होती है। निकोटीन और दूसरे केमिकल्स मुंह, नाक, गले और लंग्स की सेहत बिगाड़ते हैं। आवाज अच्छी रखने के लिए ऑर्गंस के इस पूरे सिस्टम का स्वस्थ रहना जरूरी है। ध्यान रहे कि मसालेदार खाने, कोल्ड ड्रिंक्स एवं कैफीन युक्त पेय यानी चाय-कॉफी के अधिक सेवन से भी वॉयस हेल्थ पर दुष्प्रभाव पड़ता है। हाल के वर्षों में बढ़ते प्रदूषण से भी आवाज को नुकसान पहुंच रहा है। वक्त रहते ध्यान ना देने और नुकसान पहुंचाने वाली आदतों को जारी रखने से आवाज अचानक बंद हो जाने की स्थिति भी बन जाती है। बढ़ते पॉल्यूशन के बीच नियमित स्टीम लेना भी वॉयस हेल्थ सही रखने में मदद करता है। इस तरह आपकी आवाज अच्छी बनी रहेगी। *

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

कुछ खाने-पीने में जब गले में हो दर्द

मेरी उम्र 34 वर्ष है पिछले कुछ दिनों से कुछ भी खाते-पीते समय मेरे गले में दर्द होता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और मेरी यह प्रॉब्लम कैसे ठीक हो सकती है?

-पुनीत, बिलासपुर

हालांकि इस समय मौसम में उतार-चढ़ाव बहुत हो रहा है। इस वजह से वायरल संक्रमण की समस्या तमाम लोगों में देखी जा रही है। अगर ऐसा हो रहा है तो आपको गर्म पानी में नमक डालकर सुबह-शाम गरारा करना चाहिए। अगर इससे आराम नहीं मिलता तो जरूर आपको एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क कर लेना चाहिए। फिलहाल आप फ्रिज में रखी कोई भी ठंडी चीज बिल्कुल ना खाएं।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मैं दिन भर में 8-10 ग्लास पानी पी लेता हूं, फिर भी मेरा गला बार-बार सूखता रहता है। ऐसा क्यों होता है? कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-आयुष, रायपुर

यह समस्या आपको पूरे साल रहती है या केवल गर्मियों में रहती है, आपने यह नहीं बताया। क्योंकि कई लोगों को प्यास अधिक लगती है और प्यास लगने पर गला सूखता है। लेकिन गर्मियों में ही यह समस्या देखी जाती है। अगर गर्मियों में ही ऐसा होता है तो चिंता की कोई बात नहीं है। अगर पूरे साल ऐसा लगता है तो जरूर आपको एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क कर लेना चाहिए।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से बिना किसी कारण के ही मेरा मन हमेशा उदास रहता है। अकसर चिड़चिड़ापन और गुस्सा आता रहता है। क्या ये डिप्रेशन के लक्षण हैं? बताएं, ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-कौशल, हिसार

यह समस्या आपको क्यों हो रही है, सबसे पहले इसका कारण ढूंढ़ना जरूरी है। आप यह देखें कि पिछले कुछ समय में जीवन में ऐसा क्या खास हुआ है? जो भी नई समस्या आई है तो उसका समाधान निकालें। अगर ऐसा नहीं कर पा रहे हैं तो जरूर आपको एक बार मनोरोग चिकित्सक से संपर्क कर लेना चाहिए। वे आपको प्रॉपर गाइड करेंगे। बगैर डॉक्टर से संपर्क करे, अपने मन से कोई भी दवाई ना खाएं।

मेरी उम्र 52 वर्ष है। रोज सुबह जब मैं सोकर उठता हूं तो कुछ देर तक पीठ और कमर में जकड़न फील होती है। ऐसा क्यों होता है? कृपया मेरी इस समस्या का स्थाई समाधान बताने का कष्ट करें।

-महेंद्र, ईमेल से

यह समस्या उन लोगों को ज्यादा होती है, जिनकी मसल्स कमजोर होती हैं। उनको सुबह उठने पर अकड़न रहती है। इससे निजात पाने का स्थाई तरीका यह है कि आप सुबह-शाम कमर की एक्सरसाइज करें। इसके लिए आपको किसी फिजियोथेरेपिस्ट से संपर्क कर लेना चाहिए। साथ ही दूध और दूध से बने प्रोडक्ट्स का सेवन अधिक से अधिक करें।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। मुझे पिछले कुछ महीनों से लगातार खांसी आ रही है और सांस लेने में भी प्रॉब्लम हो रही है। पहले मैं स्मोक करता था, लेकिन दो साल पहले वो भी छोड़ चुका हूं। फिर ऐसा क्यों हो रहा है? प्लीज मेरी प्रॉब्लम का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-जसवीर, रोहतक

आपको एक बार डॉक्टर से संपर्क कर लेना चाहिए, क्योंकि जैसा आप बता रहे हैं कि पहले आप स्मोक करते थे। कई बार ऐसे लोगों को लंग्स में दिक्कत हो जाती है। कई बार हार्ट में प्रॉब्लम की वजह से भी ऐसा होता है। इसलिए बगैर जांच कराए कुछ भी कहना ठीक नहीं होगा। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री की ओर से लिया गया निर्णय 21वीं सदी का सबसे अहम फैसला होगा साबित

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश भर की महिलाओं का तेजी से होगा सशक्तिकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। महिलाओं के हित में लगातार निर्णय लेकर महिलाओं को अधिकार देने के साथ उन्हें सशक्त बना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. आंबेडकर की पहल को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नारी शक्ति को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने का संकल्प लिया है। यह 21 वीं शताब्दी का सबसे बड़ा निर्णय है। इस अधिनियम के लागू हो जाने के बाद नारी शक्ति का तेजी से सशक्तिकरण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर के परस्पर नगर स्थित लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में सभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री।

विभिन्न वर्गों की महिलाएं बड़ी संख्या में इंदौर के नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में हुईं शामिल

यशोदा माता, पन्नाधाय, अहिल्याबाई और रानी दुर्गावती उत्कृष्ट का व्यक्तित्व अमर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगर मां-बेटे का संबंध किसी को बताना है तो सिर्फ यशोदा मैया का नाम लेने से कृष्ण-कन्हैया का स्वतः ही स्मरण हो जाता है। यशोदा मैया के प्रण की पराकाष्ठा ऐसी थी कि उन्होंने अपनी संतान के प्राणों की चिंता न करते हुए कन्हैया का लालन-पालन किया। जब तक कन्हैया उनके पास रहे कभी बाल बराबर भी आंच नहीं आने दी। मुख्यमंत्री ने पन्ना धाय का उदाहरण देते हुए कहा कि एक मां ने राज परिवार के बच्चे के प्राणों की रक्षा के लिए अपने कलेजे के टुकड़े को आंखों के सामने बलिदान होते देखा। वहीं, इंदौर में सुशासन स्थापित करने वाली लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने प्रजा के हितों की रक्षा के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

देश की राजनीति व प्रशासनिक ढांचे को नई दिशा मिलेगी

निर्णय लेने वाली संस्थाओं में भागीदारी करने से महिलाओं को मिलेगी मजबूती

⏭ संस्कृति जैन, आयुक्त, नगर निगम

लंबे समय से महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित कर रही हैं, लेकिन निर्णय लेने वाली संस्थाओं में उनकी भागीदारी एक मजबूत पहल है। मुझे लगता है महिला सशक्तिकरण की दिशा में नारी शक्ति बिल समाज में महिलाओं की भूमिका को नई पहचान देने का अवसर भी है। जब स्थानीय निकायों से लेकर संसद तक महिलाओं की संख्या बढ़ेगी, तो नीतियों में संवेदनशीलता और व्यावहारिकता दोनों का समावेश होगा। महिलाओं की सोच में सामाजिक सरोकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार जैसे मुद्दों को प्राथमिकता मिलती है, जिससे विकास अधिक संतुलित और जनहितकारी बनता है। भोपाल नगर निगम में महिला महिला कर्मचारियों और अधिकारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है और उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी दी जा रही हैं। इससे उनमें नया विश्वास जन्म ले रहा है। वे अब पहले से अधिक आत्मविश्वासी हो गई हैं। इसके अलावा पूरे शहर की स्वच्छता, जल प्रबंधन और शहरी विकास जैसी योजनाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी है। इसलिए हमें परिवार और समाज दोनों स्तरों पर महिलाओं को समान अवसर और सम्मान देना होगा और यह नारी वंदन अधिनियम इसमें पूरा सहयोग देगा।

परिवार भी होता है सशक्त

लोकसभा में नारी शक्ति बिल आने वाले समय में देश की राजनीति और प्रशासनिक ढांचे को नई दिशा मिलेगी। इससे न केवल महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिलेगा, बल्कि समाज के हर वर्ग को इसका लाभ पहुंचेगा और एक समावेशी, सशक्त भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। जब एक महिला सशक्त होती है तो उसका प्रभाव केवल उसके व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका परिवार, समाज और पूरा देश प्रगति की दिशा में आगे बढ़ता है। देश में महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति, खेल, व्यापार और कला-हर जगह महिलाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

नशा मामले में फरार आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर। जिले के तिल्दा-नेवरा थाना क्षेत्र में जनवरी में उजागर हुए बड़े नशा प्रकरण में पुलिस को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे दो आरोपियों को छापेमार कार्रवाई के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

दोनों को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह मामला 28 जनवरी की उस कार्रवाई से जुड़ा है, जब पुलिस ने मधु मिश्रा नामक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में गांजा, प्रतिबंधित नाइट्रोसन टैबलेट, नगदी और अन्य सामग्री जब्त की थी। उस समय से ही इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी थी। टीम ने ओडिशा के कालाहांडी निवासी प्रणब कुमार नाइक और नुवापाड़ा निवासी सफीकुल रहमान को पकड़ने में सफलता हासिल की।

डीएमए ने उठाए सवालः जॉइनिंग के पहले दिन डॉक्टर का इस्तीफा

नई दिल्ली। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नैतिकता और मानवता को शर्मसार करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। चंडीगढ़ की एक युवा चिकित्सक, डॉ. प्रभलीन कौर, ने एक प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में जॉइनिंग के पहले ही दिन इस्तीफा देकर पूरे चिकित्सा जगत में हलचल मचा दी है।डॉ. कौर द्वारा लगाए गए आरोप बेहद चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रबंधन मरीजों को बेहतर इलाज देने के बजाय उन्हें मुनाफा कमाने का माध्यम मानता है। सोशल मीडिया पर वायरल अपने वीडियो में उन्होंने बताया कि एक फिजिशियन के रूप में कार्य शुरू करने के पहले ही दिन उन्हें यह अहसास हो गया कि अस्पताल को उनकी सेवाओं से अधिक उनके नाम और डिग्री की आवश्यकता थी, ताकि उनकी आड़ में कथित रूप से अनैतिक एवं अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके। इस पूरे प्रकरण को लेकर डेमोक्रेटिक मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए इंडिया) ने गहरी चिंता व्यक्त की है। यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ते व्यावसायीकरण,नैतिक गिरावट तथा चिकित्सकों पर बढ़ते दबाव का स्पष्ट संकेत है।

डॉ अमित व्यास

- निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर खुलासा

शुभ से स्मार्ट तक: रिलायंस ज्वेल्स ने अक्षय तृतीया को किया नए सिरे से परिभाषित

मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद गहनों के ब्रांड्स में से एक, रिलायंस ज्वेल्स ने अक्षय तृतीया पर एक ताजा और मूल्य-आधारित दृष्टिकोण के साथ कदम रखा है। इस ब्रांड ने सोने और हीरे के नए कलेक्शन पेश किए हैं, जो त्योहारी खरीदारी को अधिक स्मार्ट और सुलभ बनाने के लिए तैयार किए गए हैं। ग्राहक सोने के गहनों पर मात्र 9 प्रतिशत मेकिंग चार्ज और हीरे के गहनों के सोने के मूल्य पर 99% की छूट का लाभ उठा सकते हैं यानी उन्हें केवल हीरों की कीमत चुकानी होगी। यह सचमुच एक बेमिसाल फेस्टिव ऑफ़र है। यह ऑफ़र 19 अप्रैल 2026 तक मान्य है। इस अक्षय तृतीया पर ग्राहक सोने और हीरे की बालियों, अंगूठियों, कंगनों और चेन सहित गहनों की विस्तृत श्रंखला में से अपनी पसंदीदा गहने चुन सकते हैं। इस कलेक्शन में स्टड्स, हूप्स और स्लीक फिंगर रिंग जैसे रोजमर्रा के पसंदीदा गहनों के साथ-साथ झुमकी, चाँदबाली, स्टेटमेंट नेकलेस और बारीक कारीगरी वाले कंगन जैसी फ़ेस्टिव स्टाइल गहने भी शामिल है।

एसआरएम विवि एपी में देश के पहले क्वांटम रेफरेंस सुविधा केंद्र की स्थापना सीएम नायडू ने की

चेन्नई। विश्व क्वांटम दिवस के अवसर पर, एसआरएम विश्वविद्यालय-एपी ने क्वांटम रेफरेंस फैसिलिटी (क्यूआरएफ) स्थापित करने वाला भारत का पहला और एकमात्र विश्वविद्यालय बनकर इतिहास रच दिया है, जिससे प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में एक साहसिक कदम आगे बढ़ा है। एक ऐतिहासिक क्षण में, क्यूआरएफ का औपचारिक उद्घाटन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा किया गया, जो न केवल एक संस्थागत उपलब्धि है, बल्कि भारत के क्वांटम भविष्य में एक महत्वपूर्ण अध्याय भी है। इस कार्यक्रम में सरकारी अधिकारियों ने शिरकत की, जिनमें भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. अभय करंदीकर; आंध्र प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी सचिव भास्कर कटमनेनी (आईएएस); भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद (ऑनलाइन) शामिल थे। इस कार्यक्रम में डीआरडीओ, डीवाईएसएल के वैज्ञानिक, एनएचटीएल और डीआरडीओ के महानिदेशक, आईआईटी तिरुपति, आईआईटी मद्रास और टीआईएफआर के निदेशक और वैज्ञानिक, डिमिरा, क्यूबीटेक, क्यूबिट फोर्स, क्यूट इलेक्ट्रॉनिक्स के संस्थापक, एसआरएम विश्वविद्यालय-आंध्र प्रदेश के नेतृत्वकर्ता, प्रो-चांसलर डॉ. पी. सत्यनारायणन और कुलपति प्रो. सी. सतीश कुमार सहित कई अतिथि उपस्थित थे।

ओएमसी ने दिया पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी आपूर्ति का आश्वासन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने हरियाणा भर के नागरिकों को आश्वस्त किया है कि पेट्रोलियम उत्पादों और एलपीजी की आपूर्ति स्थिर, पर्याप्त है और वर्तमान मांग को पूरी तरह से पूरा करने में सक्षम है। राज्य में किसी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है।

इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड, पानीपत मंडल कार्यालय के हरियाणा राज्य स्तरीय समन्वयक , तेल उद्योग, अनिल कुमार सिंह ने बताया कि एलपीजी आपूर्ति की स्थिति आरामदायक बनी हुई है। प्रदेश भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर एलपीजी का स्टॉक स्तर ऐतिहासिक मानकों के भीतर है, और पुनःपूर्ति योजनाबद्ध और निरंतर आधार पर की जा रही है। ओएमसी उपभोक्ताओं की आवश्यकता के अनुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडर की मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इसके अतिरिक्त, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति सरकार की नीति के अनुरूप पूर्व-संकट स्तर के 70% तक बनाए रखी जा रही है। प्रवासी मजदूरों के लिए 5 किलोग्राम फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति के माध्यम से विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन 2,000-2,500 सिलेंडरों का वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जो पूर्व-संकट स्तर के अनुरूप है।

- 5 किलो फ्री ट्रेड सिलेंडरों की आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया

चिंतन

महंगाई पर नियंत्रण,जीडीपी ग्रोथ में संतुलन आवश्यक

खाड़ी देशों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है। मार्च में थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) का 3.88% तक पहुंच जाना केवल एक सांख्यिकीय वृद्धि नहीं, बल्कि आने वाले समय की आर्थिक चुनौतियों का संकेत है। फरवरी के 2.13% के मुकाबले 1.75% की यह तेज बढ़ोतरी यह दर्शाती है कि महंगाई का दबाव फिर से उभर रहा है। खासतौर पर यह तब और महत्वपूर्ण हो गया है, जब यह आंकड़ा पिछले 38 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। थोक महंगाई दर को अक्सर भविष्य की खुदरा महंगाई का संकेतक माना जाता है। ऐसे में यह स्थिति नीति-निर्माताओं के लिए दोहरी चुनौती लेकर आती है। एक ओर विकास की रफ्तार को बनाए रखना तथा दूसरी ओर महंगाई पर नियंत्रण रखना, इन दोनों में संतुलन बेहद जरूरी है। बढ़ती महंगाई के पीछे प्रमुख कारणों में खाड़ी क्षेत्र का तनाव भी शामिल है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक खाड़ी देशों पर निर्भर है। कच्चा तेल, गैस और उर्वरकों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। जब इस क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ती है, तो वैश्विक बाजार में इन संसाधनों की कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है, जिसका सीधा असर लागत और महंगाई पर पड़ता है। हालांकि, इस चुनौती के बीच भारत के लिए अच्छी बात यह है कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी विशाल जनसंख्या और मजबूत घरेलू मांग है। देश में उत्पादित वस्तुओं की खपत करने की क्षमता ही विकास के पहिए को निरंतर गति देती है। यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत अपेक्षाकृत स्थिर बना रहता है। इसके अलावा, भारत ने हाल के वर्षों में अपने आयात और निर्यात के क्षेत्र में उल्लेखनीय विविधिकरण किया है। खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने के प्रयासों के तहत भारत ने अफ्रीका, यूरेशिया और अन्य उभरते बाजारों की ओर रुख किया है। इससे न केवल ज्वेलरी जैसे भारतीय उत्पादों को नए बाजार मिले हैं, बल्कि ऊर्जा और उर्वरक जैसे आवश्यक संसाधनों के लिए वैकल्पिक स्रोत भी विकसित हुए हैं। यह रणनीति लंबे समय में भारत को वैश्विक झटकों से बचाने में सहायक साबित हो सकती है। खाड़ी क्षेत्र में किसी भी तरह की बड़ी अस्थिरता का असर तुरंत वैश्विक तेल कीमतों पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ती हैं, तो इसका असर परिवहन, उत्पादन और अंततः हर उपभोक्ता वस्तु की कीमत पर पड़ता है। यही 'कॉस्ट-पुश इंफ्लेशन' का सबसे बड़ा खतरा है। बता दें कि मार्च 2026 में 3.88% की वृद्धि का मुख्य कारण कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों में तेज वृद्धि है। इस अवधि में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में लगभग 45% और प्राकृतिक गैस में 69% तक का उछाल देखा गया। हालांकि अब अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता शुरू होने और युद्ध बंद होने के बाद दोनों देशों ने दोबारा वार्ता शुरू करने और युद्ध नहीं करने की इच्छा जताई है। देर से ही सही, दोनों देश किसी न किसी अंतरिम समझौते पर पहुंच ही जाएंगे। यह दुनिया को राहत देने वाला होगा। इससे तेल की कीमतों में नरमी आएगी और देश में तेल महंगा नहीं होगा। महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। खाड़ी तनाव के इस दौर में भारत के सामने चुनौती जरूर है, लेकिन उसकी आर्थिक नीतियों की मजबूती, विविधीकरण की रणनीति और घरेलू मांग की ताकत यह भरोसा भी दिलाती है कि देश इस परीक्षा से पार पा सकता है। जरूरत सिर्फ संतुलन, सतर्कता और सही दिशा में निरंतर प्रयास की है।

अधिनियम

नितिन नवीन

सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और अब भागीदारी

यह विधेयक केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया मात्र नहीं है, बल्कि हमारे समाज की बुनियादी सोच को नया आयाम देने वाला एक ऐतिहासिक समय है। सितंबर 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में जिस यात्रा का श्रीगणेश हुआ था, वह अब निर्णायक मोड़ पर है। यह अधिनियम सुनिश्चित करेगा कि अगले आम चुनाव से देश की सर्वोच्च पंचायत, संसद एवं तमाम विधान मंडलों में नारी शक्ति की पूर्ण सहभागिता हो और नीति-निर्धारण में उनका स्वर एक-तिहाई भागीदारी के साथ मजबूती से सम्मिलित हो। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। उन्होंने महिलाओं की गरिमा और उनके सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया।

निश्चित ही यह अवसर ऐतिहासिक है। आज से भारतीय संसद तीन दिवसीय सत्र में एक ऐसे युगांतरकारी विधेयक पर चर्चा कर रही है, जो हमारे विकसित राष्ट्र के सपने को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार की यह पहल सभी राजनीतिक दलों के समर्थन की उम्मीद रखती है। यह उम्मीद इसलिए है क्योंकि यह विधेयक केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया मात्र नहीं है, बल्कि हमारे समाज की बुनियादी सोच को नया आयाम देने वाला एक ऐतिहासिक समय है। सितंबर 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के रूप में जिस यात्रा का श्रीगणेश हुआ था, वह अब निर्णायक मोड़ पर है। यह अधिनियम सुनिश्चित करेगा कि अगले आम चुनाव से देश की सर्वोच्च पंचायत, संसद एवं तमाम विधान मंडलों में नारी शक्ति की पूर्ण सहभागिता हो और नीति-निर्धारण में उनका स्वर एक-तिहाई भागीदारी के साथ मजबूती से सम्मिलित हो।

प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। उन्होंने महिलाओं की गरिमा और उनके सशक्तिकरण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया। हमारी सरकार ने महिलाओं के जीवन के हर चरण में उनके सशक्तिकरण के लिए योजनाओं का एक व्यापक तंत्र तैयार किया है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ-बेटियों के प्रति सोच बदली, उनका आत्मविश्वास और अवसर दोनों बढ़े।

मुद्रा योजना-महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया।

प्रधानमंत्री आवास योजना-घर की लक्ष्मी को घर का मालिकाना अधिकार मिला।

सुकन्या समृद्धि योजना- बेटियों का भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित हुआ।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना - महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली, जीवन स्तर बढ़ा।

मिशन इंद्रधनुष - टीकाकरण से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ और सुरक्षित जीवन की नींव मजबूत हुई।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना - गर्भवती माताओं को पोषण और आर्थिक सहारा मिला, जिससे उनका स्वास्थ्य सुदृढ़ हुआ।

ट्रिपल तलाक - मुस्लिम महिलाओं को अन्याय से मुक्ति मिली और उनका आत्मसम्मान व अधिकार मजबूत हुए।

नल से जल - घर तक जल पहुंचने से महिलाओं का जीवन अधिक सहज हुआ।

लखपति दीदी - महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनीं और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ीं। यह सब उदाहरण, महिला सशक्तिकरण के प्रति हमारी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का ही प्रमाण है। अब नीति-निर्धारण में उनकी सक्रिय भूमिका के लिए प्रधानमंत्री मोदी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लेकर आए हैं।

यह केवल आश्वासन नहीं है, उनकी स्पष्ट दृष्टि है कि वर्ष 2029 से संसदीय प्रणाली में महिलाओं की 33 प्रतिशत मौजूदगी रहे, वे सशक्त हों, नीति निर्धारण में उनकी सशक्त भूमिका हो और वे देश की मुखर आवाज बनें। ध्यान दिया जाए तो पता लगेगा कि यह संसद में

महिलाओं की संख्या को बढ़ाने मात्र का ऊपरी प्रयास नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक, ऐतिहासिक परम्परा और एक शब्द में कहें तो उस आधुनिक सनातनी विचार प्रणाली में एक शोधन है, जिसकी बुनियाद में गार्गी, मैत्रेयी, अरुंधती, अपाला, घोषा, विश्ववारा, सुलभा, सीकता और शाश्वती आदि अनेक ऋषि-नारियों ने वेद संहिताओं के रचने से लेकर जीवन के अनेक क्षेत्रों में अपनी सूक्ष्म दृष्टि, उदात्त चिन्तन और विलक्षण मेधा का परिचय दिया है।

आधुनिक भारत के निर्माण की पृष्ठभूमि में जहां अहिल्याबाई जैसी उदार चेता राजमहिषी ने अपने प्रशासनिक कौशल और जनकल्याण के मानक स्थापित किए, वहीं झांसी की रानी ने मातृभूमि और राष्ट्र प्रेम के लिए अपने प्राणोत्सर्ग से विश्व इतिहास में भारतीय नारियों के बलिदान-भाव की मिसाल कायम की। वर्तमान भारत के निर्माण में भी हमारी बेटियों का योगदान अद्वितीय है। सावित्रीबाई फुले के समाज सुधार, डॉ. आनंदी गोपाल जोशी के चिकित्सा संघर्ष से, 'मिसाइल वुमन' टेसी थॉमस के वैज्ञानिक पराक्रम तक, हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी योग्यता का लोहा मनवाया है। खेल के मैदान में पी.वी. सिंधु, मैरीकॉम और मिताली राज और साइना नेहवाल ने तिरंगे की शान बढ़ाई है, तो कला और संगीत के संसार में लता मंगेशकर और आशा भोसले जैसी सुर साम्राज्ञियों ने अपनी स्वर साधना से विश्व में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। यह सूची अनंत है, जो प्रमाणित करती है कि स्त्री शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में निर्णायक भूमिका में है। संसद में महिलाओं के लिए स्थान आरक्षित करने का यह निर्णय 'वैदिक गरिमा' और 'आधुनिक प्रगति' का सुंदर संगम है। इसमें 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास' की पवित्र भावना शामिल है।

यह विधेयक उन करोड़ों माताओं-बहनों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक है, जिन्होंने परिवार और समाज के निर्माण में स्वयं को खपा दिया। इस बदलाव का क्रांतिकारी प्रभाव हमारे ग्रामीण भारत पर पड़ेगा, जहां महिलाएं अब नेतृत्वकारी भूमिका में उभरेंगी। यह सक्रिय भागीदारी सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐसा वातावरण बनाएगी, जहां बेटियां केवल सपने नहीं देखेंगी, बल्कि उन्हें साकार करने का सामर्थ्य और वैधानिक अधिकार भी रखेंगी। इस विधेयक को लेकर सरकार की मंशा कितनी पवित्र है, इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि यह अधिनियम किसी एक पार्टी के एजेंडा की जीत नहीं, बल्कि सभी के प्रयासों की जीत है। सारा क्रेडिट हिंदुस्तान के सभी राजनीतिक दलों को है, जो पिछले तीन-चार दशकों से लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं। हमारी संसद देश के प्रबुद्ध और उत्तरदायी जनप्रतिनिधियों का मंदिर है। राष्ट्र की जनता हमारी हर गतिविधि और सरोकार को सूक्ष्मता से परखती है।

माननीय सांसदों से यह विनम्र अपेक्षा है कि वे राष्ट्र के सामूहिक मन को समझें। आज समय की मांग है कि हम दलगत सीमाओं से ऊपर उठें। एक विनम्र कार्यकर्ता और इस महान संस्था के सदस्य के नाते मेरी अपील है कि इस नारीशक्ति के सामर्थ्य और स्वालंबन के 'अभिषेक अनुष्ठान' में अपने समर्थन की आहूति अर्पित करें। यह सामूहिक प्रयास ही यह सुनिश्चित करेगा कि भविष्य का भारत न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि सामाजिक न्याय और नारी गौरव के मामले में भी विश्व का नेतृत्व करने में सक्षम है। हमारा सामूहिक प्रयास ही समर्थ और सशक्त भारत के निर्माण में मातृशक्ति की निर्णायक भूमिका तय करेगा।

(लेखक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम

हर्षिता पांडेय

छत्तीसगढ़ बना एक बेहतर मॉडल

भारत का लोकतंत्र अक्सर अपनी विशालता और विविधता पर गर्व करता है, लेकिन इस चमकदार तस्वीर के भीतर एक गहरी असमानता लंबे समय से मौजूद रही है। यह असमानता है महिलाओं की राजनीति में अपर्याप्त भागीदारी की। देश की आधी आबादी होने के बावजूद सत्ता के केंद्र में उनकी उपस्थिति हमेशा सीमित रही। ऐसे में, नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक विधायी बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की संरचना में सुधार का ऐतिहासिक प्रयास है। यह अधिनियम उस गहरी खाई को पाटने की कोशिश है, जो प्रतिनिधित्व और वास्तविक सामाजिक संरचना के बीच वर्षों से बनी हुई थी। छत्तीसगढ़ इस बदलाव का अग्रदूत बन सकता है। यहां पहले से मौजूद जमीनी नेतृत्व एक मजबूत आधार है। यदि महिलाओं को गंभीरता से ग्रामीण नेतृत्व को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक लाया जाए तो प्रशिक्षण, क्षमता संवर्धन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग से यह राज्य महिला नेतृत्व का राष्ट्रीय मॉडल बन सकता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को संतुलित बनाने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। यह उस सोच को बदलने का प्रयास है, जिसमें महिलाओं को केवल मतदाता या लाभार्थी के रूप में देखा जाता था। अब वे नीति निर्धारक बनेंगी, सत्ता की भागीदार बनेंगी और भारत के विकास की दिशा तय करेंगी। लेकिन इस परिवर्तन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या समाज अपनी सोच बदलता है, अवचेतन पूर्वाग्रहों, पुरानी धारणाओं और मौन पक्षपातों का त्याग कर पाएगा, उन असंख्य अनसुनी आवाजों को मजबूत स्वर क्या सिस्टम दे पायेगा, राजनीतिक दलों को भी निः शर्त अपनी रणनीति बदलनी ही होंगी। सबसे बड़ा विषय महिलाओं को स्वयं इस स्वर्णिम अवसर को सशक्त नेतृत्व में बदलना हैं। जब ये तीनों पहलू एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी भारत का लोकतंत्र वास्तव में समावेशी और संतुलित दिखाई देगा। छत्तीसगढ़ ने यह साबित कर दिया है कि यदि अवसर और विश्वास दिया जाए, तो महिलाएं न केवल भागीदारी निभा सकती हैं, बल्कि नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ सकती हैं। हालांकि चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन यह बदलाव एक नई दिशा की ओर संकेत करता है। जब यह जमीनी सशक्तिकरण राज्य और राष्ट्रीय स्तर की राजनीति से जुड़ जाएगा, तब भारत का लोकतंत्र वास्तव में संतुलित और समावेशी बन सकेगा। नारी शक्ति की यह यात्रा अब केवल शुरुआत नहीं, बल्कि एक स्थायी परिवर्तन की ओर बढ़ता कदम है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियमः एक ऐतिहासिक मोड़ : साल 2023 में पारित 106वां संविधान संशोधन, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के रूप में जाना जाता है, भारतीय राजनीति में एक नई दिशा तय करता है। इसके तहत लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और दिल्ली विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। यह यात्रा बताती है कि महिलाओं के अधिकारों का सवाल केवल नीतिगत नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी विषय रहा है।

छत्तीसगढः जमीनी बदलाव से उभरता नेतृत्व : राष्ट्रीय परिदृश्य के बीच छत्तीसगढ़ एक अलग कहानी प्रस्तुत करता है। यहां महिला नेतृत्व की जड़ें गांवों और स्थानीय निकायों में मजबूत हुई हैं। पंचायत और नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण ने हजारों महिलाओं को नेतृत्व का अवसर दिया। यह केवल औपचारिक भागीदारी नहीं रही, बल्कि निर्णय प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका का मार्ग बना। बिलासपुर, सरगुजा और कोरबा जैसे क्षेत्रों में महिलाएं अब योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर सामाजिक मुद्दों तक में निर्णायक हस्तक्षेप कर रही हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में इनके नेतृत्व ने ठोस बदलाव दिखाए हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में 90 में से 19 महिलाएं विधायक चुनी गईं। यह लगभग 21 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है, जो राष्ट्रीय औसत से बेहतर है।

छत्तीसगढ की बढतः आधी आबादी का बढता हस्ताक्षर : देश में महिला प्रतिनिधित्व की चर्चा जब भी होती है, छत्तीसगढ़ का नाम अब अग्रणी राज्यों में लिया जाता है। पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों में यहां महिलाओं की भागीदारी ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पिछले चुनावों में राज्य में 54.78 प्रतिशत महिलाएं निर्वाचित हुईं। यह केवल बहुमत नहीं, बल्कि यह संकेत है कि अब महिलाएं लोकतंत्र के हाशिए की नहीं, बल्कि केंद्र की भूमिका में आ रही हैं। पंचायत चुनावों में निर्वाचित 1.70 लाख से अधिक जनप्रतिनिधियों में 93 हजार से ज्यादा महिलाएं चुनी गईं। यह संख्या अपने आप में बताती है कि महिलाओं ने केवल भागीदारी नहीं, बल्कि निर्णायक उपस्थिति दर्ज कराई है। पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में यह आंकड़ा 50 प्रतिशत के आसपास है, जो यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ ने इस क्षेत्र में एक कदम आगे बढ़ाया है।

स्थानीय लोकतंत्र का नया चेहरा : छत्तीसगढ़ के गांवों और शहरों में अब एक नई तस्वीर उभर रही है। महिलाएं केवल औपचारिक पदों पर नहीं हैं, बल्कि वे विकास योजनाओं की निगरानी कर रही हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दे रही हैं। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। जनप्रतिनिधियों का मानना है कि सरकार की योजनाओं ने महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया है। यही कारण है कि महिलाएं अब चुनाव जीतकर शासन व्यवस्था में सक्रिय योगदान दे रही हैं। महिलाओं के भाग्य और भविष्य को नई दिशा मिलेगी। निर्णय प्रक्रिया में एक तिहाई की भागीदारी के एकाधिक अर्थ है। महिलाएं अब देश और प्रदेश के पात्र हितधारक से प्रभावशाली हिस्सेदार बनने जा रही हैं। पात्र लाभार्थी से निर्णयकर्ता का यह मात्र शब्दों का बदलाव नहीं बल्कि यह नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत में एक प्रभावी "गेम चेंजर" रहेगा और "चेंज इन सोशल पोजीशनिंग ऑफ़ वीमेन" की नींव का पत्थर साबित होगा। यह परिवार, समाज एवं व्यवस्थाओ में महिलाओं के भाग्य और भविष्य को नई दिशा एवं ऊंचाईया देगा।

(पूर्व अध्यक्ष, राज्य महिला आयोग, छत्तीसगढ़)

जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है

संकलित

दर्शन

जिस प्रकार संपूर्ण जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है, उसी प्रकार मनुष्यों का विकास भी प्रारंभिक मानवीय प्रतिभाओं से आरंभ होकर विकास की उच्चतर अवस्थाओं तक होता है। उनकी क्षमता एक जन्म के बाद दूसरे जन्म में निरंतर और अधिकाधिक विकसित होती रहती है। संपूर्ण मानव जाति विकास एवं प्रतिविकास के चक्रों से गुजरती रहती है, जिन्हें शास्त्रों में युगों के नाम से संबोधित किया जाता है। उनका आरोहण और अवरोहण होता रहता है। इस समय हम एक ऐसे युग में हैं, जो आरोहण की अवस्था में है। दूसरे शब्दों में, वर्तमान काल में जन्म लेने वाले आत्माएं अपने दादा-दादी और परदादा-परदादी की अपेक्षा विकास की उच्चतर अवस्था में हैं। आज के बच्चों को देखें, उनके अंदर स्वाभाविक रूप से यह भावना है-, 'नहीं, केवल किसी की त्वचा के रंग के कारण मेरे हृदय में उनके प्रति घृणा उत्पन्न नहीं होगी,' और इन बच्चों के हृदयों में एक अन्य प्रकार की मानवीय अज्ञानता के प्रति एक स्वाभाविक अस्वीकृति है, जिसमें संपूर्ण विश्व के सभी देशों में पुरानी पीढ़ियां दृढ़तापूर्वक विश्वास करती थीं। यह लगभग ऐसा है कि जैसे वे पहले से ही थोड़ी-बहुत तैयारी करके आते हैं। मेरे विचार से, जब आपकी आयु मेरी वर्तमान आयु के बराबर होगी, तो संभवतः आप और भी बहुत अधिक विकास को देखेंगे। तब आप पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे, 'ओह, उन पिछली पीढ़ियों के लोग ऐसे कैसे हो सकते थे?'

कर्ण की युद्ध में धर्म-नीति निष्ठा

संकलित

प्रेरणा

कर्ण कौरवों की सेना में होते हुए भी महान धर्मनिष्ठ योद्धा थे। भगवान श्रीकृष्ण तक उनकी प्रशंसा करते थे। महाभारत युद्ध में कर्ण ने अर्जुन को मार गिराने की प्रतिज्ञा की थी। उसे सफल बनाने के लिए खंडव वन के महासर्प अश्वसेन ने इसे उपयुक्त अवसर समझा। अर्जुन से वह शत्रुता तो रखता था, पर काटने का अवसर नहीं मिलता था। वह बाण बनकर कर्ण के तरकस में जा घुसा। अश्वसेन वाला बाण भी चला, लेकिन भगवान श्रीकृष्ण ने वस्तुस्थिति को समझा और रथ-घोड़े जमीन पर बिठा दिए। बाण मुकुट काटता हुआ ऊपर से निकल गया। असफलता पर अश्वसेन प्रकट हुआ और कर्ण से बोला- अबकी बार अधिक सावधानी से बाण चलाना। इस पर कर्ण को भारी आश्चर्य हुआ। उसने उस कालसर्प से पूछा- आप कौन हैं? सर्प ने कहा- अर्जुन ने एक बार खण्डव वन में आग लगाकर मेरे परिवार को मार दिया था। इसलिए उसीका प्रतिशोध लेने के लिए मैं व्याकुल रहता हूं। उस तक पहुंचने का अवसर न मिलने पर आपके तरकस में बाण के रूप में आया हूं। कर्ण ने उसकी सहायता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए वापस लौट जाने के लिए कहा- भद्र, मुझे अपने ही पुरुषार्थ से नीति युद्ध लड़ने दीजिए। आपकी अनीतियुक्त सहायता लेकर जीतने से तो हारना अच्छा है। कालसर्प कर्ण की नीति-निष्ठा को सराहता हुआ वापस लौट गया। उसने कहा- कर्ण तुम्हारी यह धर्मनिष्ठा ही सत्य है, जिसमे अनीतियुक्त पूर्वाग्रह को छद्म की कहीं स्थान नहीं।

अंतर्मन

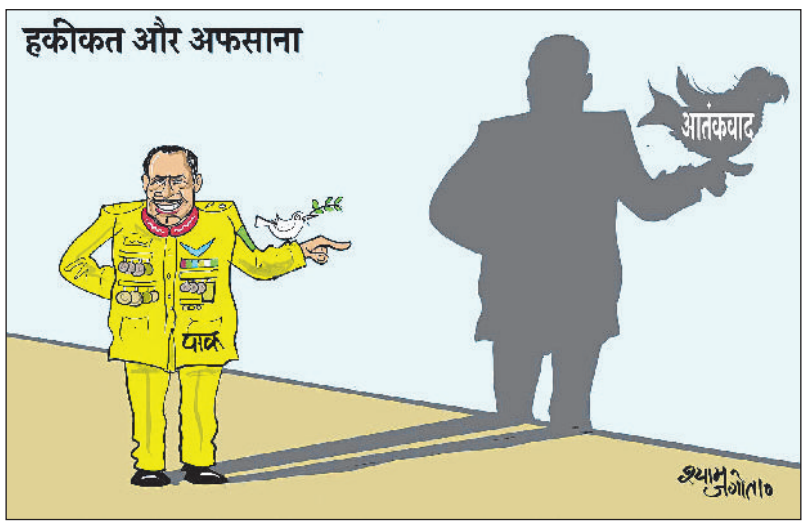

आज की पाती

समाज को जोड़ने की ताकत रखती है कला

प्रतिवर्ष 15 अप्रैल विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है। कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है। कला केवल एक सुंदर चित्र या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का है।

– मदन शर्मा, धमतरी

ट्रेंड

करुणा की भावना

तकनीक कितनी भी उन्नत क्यों न हो जाए, वह करुणा, ईमानदारी और रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण का स्थान नहीं ले सकती। करुणा की भावना को हमेशा बनाए रखें, क्योंकि यही आपको न केवल अच्छा डॉक्टर बनाती है, बल्कि एक अच्छा इंसान भी बनाती है।

- द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

हादसे की जांच जरूरी

छत्तीसगढ़ स्थित वेदांता पावर प्लांट में हुए भयावह हादसे की खबर बेहद दुखद है। इस घटना की गहन जांच होनी चाहिए। हमारे श्रमिक भाइयों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

संशोधन विधेयक

कांग्रेस पार्टी हमेशा से महिला आरक्षण का समर्थन करती रही है। हालांकि, एनडीए सरकार द्वारा महिला आरक्षण की आड़ में 131वें संवैधानिक संशोधन विधेयक को जल्दबाजी में पारित करने की तैयारी से स्वाभाविक रूप से संदेह पैदा होता है।

-अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

महिलाओं की सुरक्षा

भाजपा शासित उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में सामूहिक बलात्कार की शिकार एक दलित लड़की ने न्याय न मिलने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भाजपा शासन में महिलाओं की सुरक्षा की यही वास्तविकता है; बाकी सब दिखावा और झूठा प्रचार है।

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

कैलिफोर्निया विधानसभा ने बैसाखी को दी मान्यता

कैलिफोर्निया विधानसभा ने एक प्रस्ताव पारित कर बैसाखी को सिख-अमेरिकियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक के रूप में मान्यता दी है और राज्य के लोगों को बैसाखी के पर्व पर होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। यह प्रस्ताव विधानसभा सदस्य जसमीत कौर बैंस द्वारा पेश किया गया, जिसे 80 सदस्यीय सदन में से 76 सदस्यों का समर्थन मिला और इसे बैसाखी की पूर्व संध्या पर सोमवार को पारित किया गया। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट किया, ''कैलिफोर्निया में बैसाखी मना रहे सिख समुदायों को मेरी ओर से नववर्ष और भरपूर फसल के लिए शुभकामनाएं। बैसाखी दीयां लख-लख बधाइयां।' प्रस्ताव में कहा गया है कि विधानसभा 14 अप्रैल 2026 को मनाई जा रही बैसाखी को मान्यता देती है और इसे सिख इतिहास व सिख-अमेरिकियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिवस मानते हुए इस अवसर पर गहरा सम्मान व्यक्त करती है। साथ ही, इसमें दुनिया भर के दक्षिण एशियाई समुदायों और प्रवासी भारतीयों के साथ इस उत्सव को मनाने वालों के प्रति सम्मान जताया गया। अमेरिका के कई नेताओं ने भी सिख समुदाय को बधाई दी।

ऑफ बीट

कैसे स्तनपायी युग समाप्त हुआ होगा

पिछले 50 करोड़ वर्षों में हमारे ग्रह ने कुल पांच बार जीवों की विशाल महाविलुप्ति देखी है। इनमें से पर्मियन-ट्राइऐसिक विलुप्ति घटना में पृथ्वी की

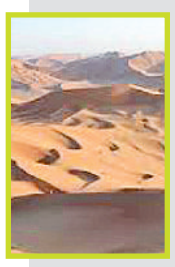

तत्कालीन करीब 90 प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त हो गई थीं। इनमें से अधिकांश घटनाएं एक 'सुपरकॉन्टिनेंट' के निर्माण के साथ मेल खाती हैं, जहां पृथ्वी की टेक्टॉनिक प्लेटें धीरे-धीरे एक साथ आती हैं और संयोजित होती हैं। वैज्ञानिकों का पूर्वानुमान है कि पृथ्वी के महाद्वीप अगले 25 करोड़ साल में फिर से एक साथ मिलकर 'सुपरकॉन्टिनेंट' बनाएंगे जिसे 'पैंजिया अल्टिमा' नाम दिया गया है। इसका संकेंद्रण विषुवत रेखा के पास होगा और यह गर्म महाद्वीप होगा। अध्ययन के मुताबिक 'पैंजिया अल्टिमा' की परिस्थितियां अधिकतर स्तनधारियों के जीवित रहने के लिए विपरीत होंगी। इस 'सुपरकॉन्टिनेंट' के बनने से अधिक ज्वालामुखी गतिविधि होगी, और बूढ़ा होता सूर्य पृथ्वी पर अधिक विकिरण उत्सर्जित करेगा। इसके परिणामस्वरूप भूमि की सतह का तापमान अत्यधिक हो जाएगा, जिससे महाद्वीप का अधिकांश भाग एक विशाल, गर्म रेगिस्तान में बदल जाएगा, जो विज्ञान-कल्पना महाकाव्य ड्यून के रेगिस्तानी ग्रह 'अराकिस' की याद दिलाता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

सरकार बनने पर भाजपा भ्रष्टाचार के जरिए जनता से लूटा गया एक-एक रुपया वापस लेगी: शाह

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि मैं तृणमूल के गुंडों को सलाह देता हूं कि वे 23 अप्रैल को, यानी चुनाव के दिन, घर पर ही रहें, वरना पांच मई के बाद हम आपको उल्टा लटका देंगे। उत्तरी बंगाल में अपने चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार के जरिए जनता से कथित तौर पर लूटा गया एक-एक रुपया वापस लेगी। घुसपैठिया मुक्त उत्तर बंगाल की वकालत करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी के नेतृत्व वाली सरकार कि जिसने भारत में नक्सलवाद को समाप्त किया और आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया, अब बंगाल और अन्य जगहों पर घुसपैठियों का पता लगाएगी और उन्हें बाहर निकालेगी।

बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले लगातार रैलियों में बोलते हुए शाह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राजनीतिक करियर बेदाग रहा है और मतदाताओं से राज्य में भाजपा को सत्ता में लाने का आग्रह किया।

जलपाईगुड़ी के राजगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सत्ता से हटना अब सिर्फ समय की बात है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा उत्तरी बंगाल से सुधारात्मक कार्रवाई शुरू करेगी। उन्होंने टीएमसी नेतृत्व पर जनता के धन की हेराफेरी का आरोप लगाया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में आने के बाद तृणमूल नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करेगी, जिन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले में 300 करोड़ रुपए हड़पे और उत्तर बंगाल के लिए केंद्र द्वारा स्वीकृत बाढ़ राहत कोष से 100 करोड़ रुपए चुराए। शाह ने कहा कि उत्तर बंगाल तीन टी के लिए जाना जाता है-टी (चाय), टिंबर (लकड़ी) और

टूरिज्म (पर्यटन)लेकिन ममता बनर्जी ने इसमें एक चौथा टी जोड़ दिया है-भाजपा कार्यकर्ताओं के टीअर्स (आंसू), जिन्होंने तृणमूल के गुंडों के हाथों असहनीय पीड़ा झेली है। अलीपुर दुआर जिले के फलाकाटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने फलाकाटा विधानसभा क्षेत्र से मौजूदा विधायक और भाजपा के उम्मीदवार दीपक बर्मन पर मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के एक समूह द्वारा किए गए हमले का जिक्र किया। शाह ने कहा कि मैं ममता बनर्जी से कहना चाहता हूं कि आपके गुंडे उन्हें (बर्मन को) डरा नहीं सकते, वह भाजपा कार्यकर्ता हैं। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहता हूं कि पांच मई (मतगणना के एक दिन बाद) के बाद कोई भी आप पर अंगुली तक नहीं उठा सकता। शाह ने कहा कि मैं तृणमूल के गुंडों को सलाह देता हूं कि वे 23 अप्रैल को, यानी चुनाव के दिन, घर पर ही रहें, वरना पांच मई के बाद हम आपको उल्टा लटका देंगे। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन बिहार में भाजपा के मुख्यमंत्री ने शपथ ली है। ओडिशा में हमारी सरकार बन चुकी है। बंगाल में भाजपा को चुनिए और अंग-बंग-कलिंग की पवित्र त्रिमूर्ति पर कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) खिल उठेगा। हम घुसपैठियों को देश में घुसने से हमेशा के लिए रोक देंगे, जैसा कि हमने असम और त्रिपुरा में किया है।

बंगाल में गरजे अमित शाह, मतदान के दिन घर पर ही रहें तृणमूल के गुंडे

हिम्मत है तो मेरी गाड़ी की रोज तलाशी लें, चुनाव आयोग पर बरसी ममता

केंद्र सरकार चुनाव के दौरान लोगों को प्रभावित करने के लिए योजनाओं के कार्ड बांट रही है

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार में जुटी टीएमसी और भाजपा के बीच टकराव लगातार तेज होता जा रहा है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टीएमसी नेताओं की गाड़ियों की तलाशी के मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर उनके दल के नेताओं की गाड़ियों की जांच हो रही है तो प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की गाड़ियों की जांच क्यों नहीं की जाती।

इस्लामपुर की जनसभा से चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने यदि केंद्रीय बलों में हिम्मत है तो वे मेरी गाड़ी की रोज जांच कर सकते हैं। ममता ने राज्यपाल पर भी हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था अब चुनाव आयोग और केंद्र के हाथ में है और उनके नियंत्रण में आने के बाद से अशांति बढ़ी है।

ममता ने भाजपा पर चुनाव में पैसे के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए कहा कि वे पैसों का भंडार लेकर मैदान में उतरे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनाव के दौरान लोगों को प्रभावित करने के लिए योजनाओं के कार्ड बांट रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा 'मैं प्रधानमंत्री की कुर्सी का सम्मान करती हूं, लेकिन कुर्सी कभी झूठ नहीं बोलती।' ममता बनर्जी ने कहा 'सिर्फ टीएमसी को ही निशाना क्यों बनाया जा रहा है।' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि कोलकाता एयरपोर्ट पर केंद्रीय बल उनके वाहन के पास पहुंचे थे, जिस पर उन्होंने खुद जांच के लिए कहा। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा हिम्मत है तो रोज मेरी गाड़ी की तलाशी लें। मैं भाजपा की तरह चोर-डाकू नहीं हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री चुनाव के दौरान पैसे लेकर आ रहे हैं और केंद्रीय बलों के वाहनों के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण और परिसीमन को जोड़कर देश को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों अलग-अलग मुद्दे हैं, लेकिन इन्हें मिलाकर पेश किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र करते हुए कहा कि 'लक्ष्मी भंडार' योजना आजीवन जारी रहेगी, युवाओं को आर्थिक मदद दी जाएगी और कच्चे घरों को पक्का किया जाएगा।

टीएमसी ने यह भी दावा किया कि उनके पास व्हाट्सऐप संदेशों के स्क्रीनशॉट मौजूद हैं, जिनमें कथित तौर पर पुलिस और चुनाव पर्यवेक्षकों को पार्टी की चुनावी गतिविधियों और प्रचार अभियानों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी ने कहा कि यह पूरा घटनाक्रम एक 'पूर्व-नियोजित और पक्षपातपूर्ण अभियान' की ओर इशारा करता है। टीएमसी का आरोप है कि चुनाव आयोग और उसके अधिकारी निष्पक्ष भूमिका नहीं निभा रहे हैं और पूरी तरह प्रभावित हो चुके हैं।

पीएम मोदी ने कन्याकुमारी में किया रोड शो, उमड़ा सैलाब

रोड शो के दौरान लोगों का अभिवादन करते प्रधानमंत्री मोदी

नागरकोइल। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कन्याकुमारी में रोड शो किया। वे विशेष विमान से तिरुवनंतपुरम पहुंचेंगे और फिर हेलीकॉप्टर से नागरकोइल पहुंचे। वेपामूडु जंक्शन से वडासेरी में एमजीआर प्रतिमा तक का एक किलोमीटर के खंड में भारी भीड़ उमड़ी। प्रधानमंत्री ने खुली गाड़ी में यात्रा की। जनता का अभिवादन किया और कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली और तेनकासी जिलों में चुनाव लड़ रहे भाजपा और एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाया।

भाजपा-टीएमसी का अनोखा

मछली को पहनाई ज्वेलरी दोनों हाथों में टांग ली मछली

कोलकाता। बंगाली नववर्ष पर हाथ में मछली लेकर भाजपा उम्मीदवार का अनोखा चुनाव प्रचार देखकर हर कोई आश्चर्यचकित था। इस प्रचार की वजह ये थी कि विपक्ष का कहना है कि अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा सत्ता में आई, तो बंगालियों का मछली खाना बंद कर देंगे! भाजपा का ये जवाबी चुनावी प्रचार है जो दिखा रहा है कि बंगालियों को मछली खाने से कोई नहीं रोक सकता। मछली को लेकर ममताके बयान को झूठा साबित करने के लिए कोलकाता पोर्ट विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार राकेश सिंह ने एक अनोखे तरीके से चुनाव प्रचार किया।

राहुल का बड़ा आरोप

भ्रष्टाचार में मोदी से पीछे नहीं ममता, राज्य में 'सिंडिकेट राज'

कोलकाता। बंगाल चुनाव के बीच कांग्रेस नेता और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने टीएमसी और केंद्र की भाजपा सरकार पर एक साथ हमला बोला। टीएमसी भ्रष्टाचार और कुशासन के मामले में भाजपा से होड़ कर रही है। बंगाल में भाजपा के विस्तार के लिए जमीन तैयार कर रही है। उन्होंने टीएमसी सरकार के घोटालों की लिस्ट गिनाई। उन्होंने कहा कि सारधा चिटफंड घोटाले के 1,900 करोड़ रुपए आज भी 17 लाख निवेशकों को नहीं मिले हैं। रोज वैली घोटाले में 6,600 करोड़ रुपए और 31 लाख निवेशक फंसे हुए हैं। कोयला तस्करी और अवैध खनन से राज्य में 'सिंडिकेट राज' फल-फूल रहा है।

सोरेन के प्रचार को लेकर जेएमएम और कांग्रेस आमने-सामने

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन टीएमसी के समर्थन में बंगाल में चुनाव प्रचार करने जाएंगे। झारखंड में झामुमो, कांग्रेस और राजद गठबंधन की सरकार है, ऐसे में बंगाल चुनाव में झामुमो का टीएमसी के पक्ष में प्रचार करना सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। इसे लेकर सहयोगी दलों के बीच भी अलग-अलग राय सामने आ रही है, सवाल उठने लगे हैं।

खबर संक्षेप

स्टैंड-अप कॉमेडियन अनुदीप गिरफ्तार

अमरावती। स्टैंड-अप कॉमेडियन अनुदीप कटिकाला को आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व अभिनेता पवन कल्याण पर जोक मारना महंगा पड़ गया। अनुदीप को आंध्र प्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी प्रयागराज से हुई है। वे यहां अपने परिवार से मिलने आए थे। कॉमेडियन पर काकीनाडा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी।

लता-आशा की याद में बनेगा 'अहम' अस्पताल

पुणे। नंदोशी में बन रहे लता मंगेशकर मेडिकल फाउंडेशन केअस्पताल का नाम अब 'लता-आशा मंगेशकर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' रखा जाएगा। ट्रस्टी बोर्ड ने लता-आशा के भाई हृदयनाथ मंगेशकर और डॉ. धनंजय केलकर के साथ यह अहम निर्णय लिया। इसका उद्देश्य एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में एक बनाना है।

16 मई से पहले पेश हों रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने हरियाणा के शिकोहपुर में जमीन सौदे से जुड़े मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट का संज्ञान लिया है। दिल्ली की अदालत ने हरियाणा ज़मीन सौदे मामले में रॉबर्ट वाड्रा और अन्य आरोपियों को 16 मई को पेश होने का निर्देश जारी किया है।

चड्ढा को केंद्र ने दी जेड श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सूत्रों के अनुसार खुफिया ब्यूरो (आईबी) की खतरे की आशंका को लेकर दी गई रिपोर्ट के आधार पर राघव चड्ढा को यह सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्हें दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

परिसीमन पर कई विपक्षी दलों ने विरोध के स्वर किए तेज

यह एक घोर ऐतिहासिक अन्याय, भाजपा आग से खेल रही, राज्य में काले झंडे दिखाए जाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के विशेष सत्र से पहले छिड़ा घमासान, विपक्ष कर रहा पुरजोर विरोध

सरकार संसद में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण करेगी | कांग्रेस महिला आरक्षण के पक्ष में, पर परिसीमन विरोधी

गुरुवार से शुरू हो रहे संसद के 3 दिन के विशेष सत्र में एक ओर जहां सरकार लोकसभा में 33फीसदी महिला आरक्षण लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है तो वहीं कई विपक्षी दल इसके विरोध में आवाज उठा रहे हैं। सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले बुधवार इंडिया गठबंधन की इसी मुद्दे पर बैठक हुई। इस मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता विपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे। विपक्षी दलों ने बुधवार को कहा कि वे महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन परिसीमन विधेयक का एकजुट होकर विरोध करेंगे। संविधान संशोधन विधेयक के तहत लोकसभा की सीट बढ़ाकर अधिकतम 850 करने पर दक्षिणी राज्यों को भी लाभ होगा, क्योंकि निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या आनुपातिक रूप से बढ़ाई जाएगी। कुछ लोगों ने यह कहकर दक्षिणी राज्यों को गुमराह करने की कोशिश की थी कि सफल परिवार नियोजन के कारण उन्हें नुकसान होगा। कोई भी राज्य नुकसान में नहीं रहेगा।

हर दक्षिण भारतीय गुस्से से उबल रहा : स्टालिन

ब्रायन ने आरोप लगाया

परिसीमन लागू करने की कुटिल साजिश हो रही

तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं के आरक्षण की आड़ में परिसीमन लागू करने की कुटिल साजिश को अंजाम दे रही है। टीएमसी सांसद की यह टिप्पणी संसद के तीन दिवसीय विशेष सत्र से एक दिन पहले आई है, जिसमें महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयकों पर विचार किया जाएगा।

बुधवार को डीएमके प्रमुख स्टालिन ने अपनी पार्टी के सांसदों से संसद में परिसीमन को लेकर लाए जा रहे बिल का जबरदस्त तरीके से विरोध करने के लिए कहा। स्टालिन ने सांसदों के साथ मीटिंग में आरोप लगाया कि गुरुवार को संसद में होने वाला परिसीमन संशोधन तमिलनाडु और दक्षिणी राज्यों के खिलाफ 'घोर ऐतिहासिक अन्याय' है। स्टालिन ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा आग से खेल रही है और विंध्य के दक्षिण क्षेत्र का हर दक्षिण भारतीय गुस्से से उबल रहा है। उन्होंने कहा कि परिसीमन के खिलाफ 16 अप्रैल को पूरे तमिलनाडु में घरों और सार्वजनिक स्थानों से काले झंडे लगाए जाएंगे। हमारे सिर पर लटकी तलवार अब हम पर आ गिरी है, केंद्र ने तमिलनाडु की आवाज पर ध्यान नहीं दिया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे और भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

खरगे बोले

नीयत में खोट है, यह सिर्फ चुनावी पैंतरा

देश में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि तमाम विपक्षी दल महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लागू करने की योजना बना रही है, वह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित और जनता को गुमराह करने वाला कदम है। हमने हमेशा इस बिल का समर्थन किया है, लेकिन हमारा आग्रह है कि पुराने संशोधनों को लागू किया जाए। सरकार परिसीमन और जनगणना के नाम पर चालें चल रही है। कार्यपालिका के जरिए संविधान की उन शक्तियों को हथिया रही है।

संसदीय मंत्री रिजिजू का पलटवार- दक्षिण भारतीय राज्यों को गुमराह करने की कोशिश हो रही

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार कहा कि कुछ लोग परिसीमन के गलत आंकड़े देकर दक्षिण भारतीय राज्यों को महिला आरक्षण के मुद्दे पर गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को आरक्षण देने में राजनीति नहीं होनी चाहिए। सभी राजनीतिक दल नारी शक्ति के लिए एकजुट हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कुछ लोग इस मुद्दे पर दक्षिण भारतीय राज्यों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

सीएम सैनी से सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन तथा ग्लाइडवेज कंपनी के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

हरियाणा सरकार ने ग्लाइडवेज ट्रांजिट सिस्टम पर साझेदारी की संभावनाओं पर की चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हरियाणा में शहरी परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, स्मार्ट और टिकाऊ बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा और बड़ा कदम उठाया है। शहरों में अत्याधुनिक पोड टैक्सी (ग्लाइडवेज) प्रणाली को लागू करने की संभावनाओं पर सरकार गंभीरता से मंथन कर रही है, जिससे प्रदेश में स्मार्ट मोबिलिटी का नया युग शुरू होने की उम्मीद है।

इसी कड़ी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से बुधवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर में जापान की प्रतिष्ठित कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन तथा ग्लाइडवेज कंपनी के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान हरियाणा सरकार और जापानी कंपनियों के बीच ग्लाइडवेज ट्रांजिट प्रोजेक्ट को लेकर संभावित साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा विकसित करने और नागरिकों को बेहतर यातायात सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में पोड टैक्सी सेवा शुरू करने की व्यवहार्यता, संभावित कॉरिडोर एवं रूट प्लानिंग, परियोजना के लिए निवेश मॉडल, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप की संभावनाएं तथा इसके क्रियान्वयन की समयसीमा जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस परियोजना के माध्यम से शहर की यातायात व्यवस्था में आने वाले व्यापक बदलावों और नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं का भी आंकलन किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि ग्लाइडवेज एक अत्याधुनिक, स्वचालित (डायवरलैस) और ऑन-डिमांड सार्वजनिक परिवहन प्रणाली है, जिसे उन्नत तकनीक के साथ विकसित किया जा रहा है। यह प्रणाली छोटे-छोटे स्वचालित पॉड्स के माध्यम से यात्रियों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव प्रदान करती है। इसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करना, यात्रा समय को घटाना तथा एक पर्यावरण-अनुकूल परिवहन विकल्प उपलब्ध कराना है।

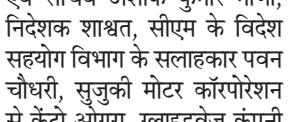

बैठक में मुख्यमंत्री की मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, शहरी स्थानीय निकाय विभाग की आयुक्त एवं सचिव अशोक कुमार मीणा, निदेशक शाश्वत, सीएम के विदेश सहयोग विभाग के सलाहकार पवन चौधरी, सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन से केंटो ओगुरा, ग्लाइडवेज कंपनी से क्रिस राइली, डेव मानु और अल्बर्टो फर्नांडेज़ लोपेज़ उपस्थित रहे।

एक लाख करोड़ रुपए का अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) शहरी निवेश को देगा गति

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री खट्टर ने फंड के लिए संचालन संबंधी दिशा निर्देश जारी किए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अर्बन चैलेंज फंड (यूसीएफ) भारत के शहरी विकास के दृष्टिकोण में एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक है। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने बुधवार को नई दिल्ली में अर्बन चैलेंज फंड के लिए संचालन संबंधी दिशा निर्देशों को जारी करते हुए यह संबोधन दिया। इसके साथ ही ऋण पुनर्भुगतान गारंटी उप-योजना (सीआरजीएसएस) का भी शुभारंभ किया गया, जिसे देश में शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए वित्तपोषण को बदलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया है।

इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश, गुजरात और ओडिशा सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने वीडियो संदेशों के जरिए सभा को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने इस बात पर जोर दिया कि यह फंड केवल अनुदान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक निधियों का उपयोग करके बड़े निवेशों को गति प्रदान करने और शहरों को आर्थिक रूप से मजबूत और निवेश के लिए तैयार बनाने के बारे में है।

मनोहर लाल ने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड की सफलता केंद्र, राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों के बीच निरंतर सहयोग के साथ-साथ सुधारों और क्षमता निर्माण पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन पर निर्भर करेगी। इस अवसर पर शहरों को वित्तीय संस्थानों, बैंकों और क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों से जोड़ने वाली एक ई-डायरेक्टरी भी लॉन्च की गई, ताकि यूसीएफ के

प्रभावी कार्यान्वयन को सुगम बनाया जा सके। इस कार्यक्रम में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय और सभी राज्यों के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर भी किए गए, जिसमें अर्बन चैलेंज फंड के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में सहयोगात्मक प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अर्बन चैलेंज फंड में कुल 1 लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता राशि शामिल है। इसे बाजार आधारित वित्तपोषण के माध्यम से लगभग चार गुना निवेश जुटाने के लिए एक उत्प्रेरक साधन के रूप में तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सहायता परियोजना लागत के 25 प्रतिशत तक सीमित रहेगी, जबकि कम से कम 50 प्रतिशत निधि नगरपालिका बांड, बैंक ऋण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से जुटाई जाएगी, जिससे वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित होगा और निजी भागीदारी को प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि कुल परिव्यय में से 90,000 करोड़ रुपए परियोजनाओं के लिए 5,000 करोड़ रुपए परियोजना निर्माण और क्षमता निर्माण के लिए तथा 5,000 करोड़ रुपये ऋण पुनर्भुगतान गारंटी उप-योजना के लिए आवंटित किए गए हैं। सीआरजीएसएस से विशेष रूप से छोटे शहरों को ऋण गारंटी के माध्यम से बाजार आधारित वित्तपोषण प्राप्त करने में सहायता मिलेगी, जिनमें द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहर तथा पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के शहर शामिल हैं।

मनोहर लाल ने इस बात पर जोर दिया कि यह कोष पुराने शहरी क्षेत्रों और बाजारों के पुनर्विकास, शहरी आवागमन और अंतिम दूरी तक कनेक्टिविटी, गैर-मोटर चालित परिवहन, जल और स्वच्छता संबंधी इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा जलवायु के अनुकूल शहरी विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों में परिवर्तनकारी परियोजनाओं का समर्थन करेगा। उन्होंने कहा कि उन परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जो व्यापक, प्रभावशाली और वित्तपोषित होने योग्य हों और जिनसे दीर्घकालिक आर्थिक और सामाजिक लाभ प्राप्त हो सकें।

खबर संक्षेप

मुथूट फाइनेंस जल्द बीमा कारोबार में उतरेगी

नई दिल्ली। मुथूट फाइनेंस ने जीवन एवं साधारण बीमा दोनों क्षेत्रों में बीमा वितरण कारोबार में प्रवेश के लिए बुधवार को शेयरधारकों की मंजूरी मांगी। डाक मतपत्र नोटिस में, मुथूट फाइनेंस ने कंपनी के संविधान में बदलाव करने और इसे कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुरूप बनाने के लिए शेयरधारकों की स्वीकृति मांगी है। मुथूट फाइनेंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि मंजूरी ''कॉरपोरेट एजेंट या बीमा मध्यस्थ के रूप में व्यवसाय तथा गतिविधियों को संचालित और करने के लिए मांगी जा रही है।

मूर्ति ने सेबी में पूर्णकालिक सदस्य का प्रभार संभाला

नई दिल्ली। केवीआर मूर्ति ने बुधवार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य का प्रभार संभाल लिया। सेबी ने बयान में कहा कि इस नियुक्ति से पहले, मूर्ति ने रक्षा मंत्रालय में अतिरिक्त रक्षा लेखा महानियंत्रक के तौर पर काम किया था। 'दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकॉनमिक्स' से अर्थशास्त्र में स्नात्कोत्तर मूर्ति के पास राष्ट्रीय सुरक्षा, वित्तीय प्रशासन और निगमित कानून में तीन दशक से ज़्यादा का अनुभव है।

पीटीसी ने सीएमडी पदनाम बदलकर किया एमडी

नई दिल्ली। बिजली क्षेत्र की कंपनी पीटीसी इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने मनोज कुमार झावर का पदनाम 'चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक' (सीएमडी) से बदलकर 'प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी' (एमडी एवं सीईओ) कर दिया है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने 14 फरवरी को इस बदलाव को मंजूरी दी थी, जिसे 20 मार्च को डाक मतपत्र के माध्यम से शेयरधारकों की स्वीकृति भी मिल गई। इसके बाद 13 अप्रैल, 2026 से पदनाम में यह परिवर्तन प्रभावी हो गया और झावर ने चेयरमैन का पद छोड़ दिया।

डायमंड पावर को अदाणी इलेक्ट्रिसिटी से मिला ठेका

नई दिल्ली। डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड से 45.47 करोड़ रुपये की केबल आपूर्ति का ठेका मिला है। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस ठेके को मई 2026 से मई 2027 के बीच पूरा किया जाएगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क फिर भी व्यर्थ के झगड़े एवं विवादों से बचें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या संयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर मन परेशान रहेगा। आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे।

कुंभ फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। परिवार का साथ मिलेगा।

शेयर बाजार से दूरी बना रहे निवेशक, 35 लाख ने एनएसई से तोड़ा नाता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के लिए वित्त वर्ष 2026 आंकड़ों के लिहाज से काफी निराशाजनक रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने इस साल अपने एक्टिव निवेशकों की संख्या में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की है। पिछले तीन वर्षों में यह पहली बार है जब निवेशकों की संख्या बढ़ने के बजाय घटी है, और यह गिरावट अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है। एनएसई के आंकड़ों के मुताबिक, एक्टिव निवेशकों का आंकड़ा 7 प्रतिशत तक गिर गया है। वित्त वर्ष 2025 में एक्टिव अकाउंट्स की संख्या 4.92 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2026 में घटकर 4.58 करोड़ रह गई है। कुल गिरावट का 70 प्रतिशत हिस्सा यानी करीब 26 लाख अकाउंट्स केवल तीन बड़े डिस्काउंट ब्रोकर्स जेरोधा, एंजेल वन और अपस्टॉक्स के खाते से कम हुए है।

निवेशकों ने किया गोल्ड की ओर रुख

कोविड महामारी और उसके बाद का दौर ऐसा था कि शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई। लेकिन अब पिछले एक साल से सेंसेक्स और निफ्टी उम्मीद के अनुसार नहीं चढ़ पाया। साल 2025 के दौरान सोने में जबरदस्त तेजी देखी गई और निवेशकों ने शेयर बाजार से पैसा निकालकर गोल्ड में लगा दिया। यूक्रेन जंग के डेढ़ महीने पहले जब अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग शुरू हुई तो सेंसेक्स और निफ्टी गिरकर रिकॉर्ड लो लेवल पर आ गया। गिरावट से गुजर रहे बाजार से कुछ निवेशकों ने पिछले एक साल के दौरान मुंह मोड़ लिया।

एक्टिव निवेशकों की संख्या में रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई

अलग-अलग प्लेटफॉर्म को हुआ नुकसान

35 लाख एक्टिव इन्वेस्टर के अलग होने का नुकसान दूसरे प्लेटफॉर्म को भी हुआ है। मिराई एसेट कैपिटल मार्केट ने करीब 2.72 लाख अकाउंट खोए। जबकि एचडीएफसी सिक्यूरिटी और शेयरखान को करीब सवा-सवा लाख खातों का नुकसान हुआ है। मोतीलाल ओसवाल को 1.13 लाख, कोटक सक्योरिटीज ने 1.1 लाख और 5पैसा कैपिटल ने 90,000 से ज्यादा एक्टिव निवेशक खोए हैं।

गिरावट का कारण क्या है?

बाजार से जुड़े जानकारों का मानना है कि कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। डेरिवेटिव्स (फ्यूचर्स और ऑप्शंस) सेगमेंट में उठाए गए कदम, बाजार में बढ़ रही अस्थिरता और कम एक्टिव रिटेल निवेशकों का बाहर जाना अहम कारण है। कई छोटे नविशक बाजार के उतार-चढ़ाव को देखकर भी ट्रेडिंग छोड़ रहे हैं।

ये बाजार बढ़ाने में सफल रहे

कुल हस्सिेदारी में गरिावट आई है, लेकनि कुछ पारंपरिक और नए ब्रोकर मार्केट शेयर बढ़ाने में कामयाब रहे। आईसीआईसीआई सिक्यूरिटीस की हिस्सेदारी 3.96 प्रतिशत से बढ़कर 4.57 प्रतिशत हो गई। एसबीआई सिक्यूरिटीज भी 1.99 प्रतिशत से बढ़कर 2.55 प्रतिशत पहुंच गया। कोटक सिक्यूरिटीज**Kotak Securities** पहले वाले लेवल पर ही बनी हुई है।

थोक महंगाई उच्च स्तर 3.88 प्रतिशत पर पहुंच गई

ईंधन की कीमतों में उछाल से मार्च में थोक मुद्रास्फीति 38 माह के उच्च स्तर पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के बीच ईंधन, बिजली एवं विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मार्च में थोक मुद्रास्फीति तीन साल से अधिक यानी 38 माह के उच्च स्तर 3.88 प्रतिशत पर पहुंच गई। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति मार्च में लगातार पांचवें महीने बढ़ी।

महंगाई मार्च में लगातार पांचवें महीने बढ़ी

प्राथमिक खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के बीच मुख्य मुद्रास्फीति में तेजी आई। ऊर्जा की बढ़ती कीमतें अंततः अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी असर डालेंगी, इसलिए आने वाले महीनों में थोक मुद्रास्फीति में और वृद्धि के आसार हैं।

थोक मुद्रास्फीति मार्च में वैश्विक जिंस कीमतों में वृद्धि और 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष की शुरुआत के बाद से ऊर्जा कीमतों में आए झटके के प्रभाव को दर्शाती है।

प्राथमिक खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी आई

विनिर्माण और खाद्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से बढ़ी महंगाई

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 2.13 प्रतिशत और मार्च, 2025 में 2.25 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा, '' ...कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुएं, 'मूल धातु', विनिर्माण और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इसकी मुख्य वजह रही।''

विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर 2.92 फीसदी बढ़ी

डब्ल्यूपीआई आंकड़ों के अनुसार, ईंधन व बिजली श्रेणी में मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 1.05 प्रतिशत हो गई जबकि फरवरी में इसमें 3.78 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। कच्चे पेट्रोलियम में मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 51.57 प्रतिशत हो गई जबकि पिछले महीने इसमें 1.29 प्रतिशत की गिरावट थी।

ऊर्जा की कीमतों का असर जिंस पर पड़ेगा

वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी बार्कलेज ने कहा, '' वैश्विक ऊर्जा कीमतों के ऊंच स्तर पर बने रहने से धीरे-धीरे अन्य जिंस कीमतों पर असर पड़ता है। हमारा अनुमान है कि भविष्य में थोक महंगाई और बढ़ेगी।'' खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर हालांकि मार्च में घटकर 1.90 प्रतिशत रह गई जो फरवरी में 2.19 प्रतिशत थी।

सरकार ने कच्चे तेल का बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला

सरकार ने 26 मार्च को पेट्रोल तथा डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी ताकि ईंधन खुदरा विक्रेता बढ़ी हुई कच्चे तेल की कीमतों का बोझ उपभोक्ताओं पर न डालें। उत्पाद शुल्क में यह कटौती अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में तेज एवं तीव्र वृद्धि के मद्देनजर की गई जो करीब 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर करीब 122 डॉलर प्रति बैरल हो गई थी।

खुदरा महंगाई में भी वृद्धि दर्ज

इससे पहले जारी आंकड़ों के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई मार्च में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई जो पिछले महीने 3.21 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अपनी पहली द्वैमासिक मौद्रिक नीति पेश करते हुए प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा था।

समझौते में बदलाव पर होगी चर्चा

व्यापार वार्ता के लिए भारतीय दल अगले सप्ताह अमेरिका जाएगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के मुख्य वार्ताकार वाशिंगटन में 20 अप्रैल से दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर तीन दिवसीय वार्ता शुरू करेंगे। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बुधवार को यहां कहा कि फरवरी में अंतिम रूप दिए गए समझौते को अमेरिकी शुल्क ढांचे में हुए बदलावों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से तैयार करने की जरूरत है।

इसके साथ ही अग्रवाल ने कहा कि इस व्यापार समझौते पर आगे चर्चा की जरूरत है।

अग्रवाल ने कहा, ''मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन के नेतृत्व में भारतीय दल इस महीने की 20 तारीख से अमेरिका का दौरा करेगा। वार्ता दल लगभग तीन-चार महीनों के बाद व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे। हम समझौते के कानूनी ढांचे को अंतिम रूप देने पर विचार कर रहे हैं, जो सात फरवरी को जारी संयुक्त बयान का अगला तार्किक कदम है।'' वाणिज्य सचिव ने कहा कि पिछले महीने अमेरिका द्वारा भारत सहित कई देशों के खिलाफ 'धारा 301' के तहत शुरू की गई दो जांचों पर भी इस बैठक में चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा, ''दोनों पक्ष साथ बैठेंगे और चर्चा करेंगे कि इन मुद्दों को कैसे संबोधित करने की जरूरत है। भारत और अमेरिका समय-सीमा और अगले कदमों को अंतिम रूप देने के लिए मिलकर काम करेंगे।''

शुल्क संरचना लागू होने के बाद ही किए जाएंगे हस्ताक्षर

आधिकारिक सूत्रों ने पहले कहा था कि इस समझौते पर अब अमेरिका की नई वैश्विक शुल्क संरचना लागू होने के बाद ही हस्ताक्षर किए जाएंगे।

सेंसेक्स में 1,264 और निफ्टी में 389 अंक का उछाल

अमेरिका-ईरान वार्ता बहाल होने की उम्मीद से शेयर बाजार में तेजी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और अमेरिका-ईरान के बीच कूटनीतिक वार्ता की उम्मीदों के बीच घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बड़ी बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 1,264 अंक चढ़ गया, जबकि निफ्टी में 389 अंक की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,263.67 अंक चढ़कर 78,111.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,422.85 अंक चढ़ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत बढ़कर 24,231.30 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों में इंटरग्लोब एविएशन (यानी इंडिगो), पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, टेक महिंद्रा, टीसीएस और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं। दूसरी तरफ, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में गिरावट रही। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड पश्चिम एशिया तनाव कम होने के संकेतों के बीच गिरकर 95.74 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया। तेल कीमतों में गिरावट से भारत जैसे आयात पर निर्भर देश को राहत मिलने की उम्मीद बढ़ी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध 'समाप्ति के करीब' है और दोनों देशों के बीच वार्ता फिर शुरू होने की संभावना है।

अक्षय तृतीया से पहले चांदी में 11,800 रुपये का उछाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

'अक्षय तृतीया' त्योहार से पहले आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्ट की ताजा लिवाली से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में चांदी की कीमतें 11,800 रुपये बढ़कर 2.57 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि सोना 3,000 रुपये बढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

अक्षय तृतीया को कीमती धातुओं की खरीद के लिए शुभ दिन माना जाता है। इस साल अक्षय तृतीया 19 अप्रैल है। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, चांदी सोमवार के बंद स्तर 2,45,200 रुपये प्रति किलोग्राम से 11,800 रुपये या 4.81 प्रतिशत बढ़कर 2,57,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 3,000 रुपये या करीब दो प्रतिशत बढ़कर 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गया। पिछले बाजार सत्र में सोना 1,55,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय सर्राफा बाजार मंगलवार को छुट्टी की वजह से बंद था। कारोबारियों ने इस तेज बढ़त की वजह त्योहार से पहले की खरीदारी को बताया, जो मजबूत खुदरा मांग की उम्मीदों के बीच हुई। श्रृंगार हाउस ऑफ़ मंगलसूत्र लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक चेतन थडेश्वर ने कहा, ''अक्षय तृतीया आभूषण उद्योग के लिए सबसे खास समय में से एक है, जो परंपरा और सोने से जुड़े मूल्य की वजह से चलता है।''

देश में बेरोजगारी मार्च में मामूली बढ़कर 5.1% पर

नई दिल्ली। देश में बेरोजगारी मामूली बढ़ी है। पंद्रह वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की बेरोजगारी दर इस साल मार्च में बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 4.9 प्रतिशत थी। इसका मुख्य कारण शहरी क्षेत्रों में उच्च बेरोजगारी दर है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के निश्चित अवधि पर होने वाले श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आबादी की गतिविधियों में भागीदारी, रोजगार और बेरोजगारी की स्थिति पर आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है।

बजाज ने लांच की इलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर 'वेगो', रेंज 296 किमी

नई दिल्ली। बजाज ऑटो ने भारत में अपने नए 'वेगो' ब्रैंड के तहत इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर की पूरी रेंज लांच कर दी है। इस लांच के साथ कंपनी ने इलेक्ट्रिक ऑटो सेगमेंट में बड़ा कदम उठाया है। नई वेगो रेंज में पैसेंजर और कार्गो दोनों तरह के वाहन शामिल हैं, जिससे ये हर तरह के काम के लिए यूजफुल बन जाती है। कंपनी ने इस रेंज को खासतौर पर शहरों में चलने और कम खर्च में ज्यादा कमाई करने के लिए तैयार किया है। इन गाड़ियों की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 3,11,908 रुपए रखी गई है। सबसे खास बात ये है कि इनमें लंबी रेंज, मॉडर्न फीचर्स और मजबूत डिजाइन का अच्छा कॉम्बिनेशन देखने को मिलता है।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

निविदा निरस्तीकरण सूचना

कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, संभाग रायगढ़ के कार्यालयीन ज्ञाप क्रमशः 1646 एवं 1650/व.ले.लि./2025-26/ दिनांक 12.03.2026 के द्वारा कार्य की ड्राफ्ट एन.आई.टी. इस कार्यालय में निविदा आमंत्रण हेतु प्रस्तुत किया गया है। जिसमें वर्ककोड अनुमोदित नहीं होने के कारण इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 548 दिनांक 20.03.2026 एवं 552 दिनांक 25.03.2026 को आनलाईन वेबसाईट पर अपलोड नहीं किया जा सका। जिसके कारण उक्त आमंत्रित निविदा को अपेन्डिक्स 2.10 की कंडिका 4.6 के तहत निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

G-262700174/7

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. Pc/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **भरत कुमार** पुत्र कल्लू राम निवासी मकान संख्या जी–15/74, सेक्टर–15 रोहिणी, दिल्ली ने **case/FIR. No. 695/2022 u/s u/s 33 D. EX. Act.** के अंतर्गत **थाना : शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **भरत कुमार** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि **भरत कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **case/FIR. No. 695/2022 u/s u/s 33 D. EX. Act.** थाना :**शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **भरत कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
भारती बेनीवाल,
जेएमएफसी–05,उत्तर) कमरा संख्या 114,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/4821/ON/2026
(court matter)

शब्द पहेली - 6197

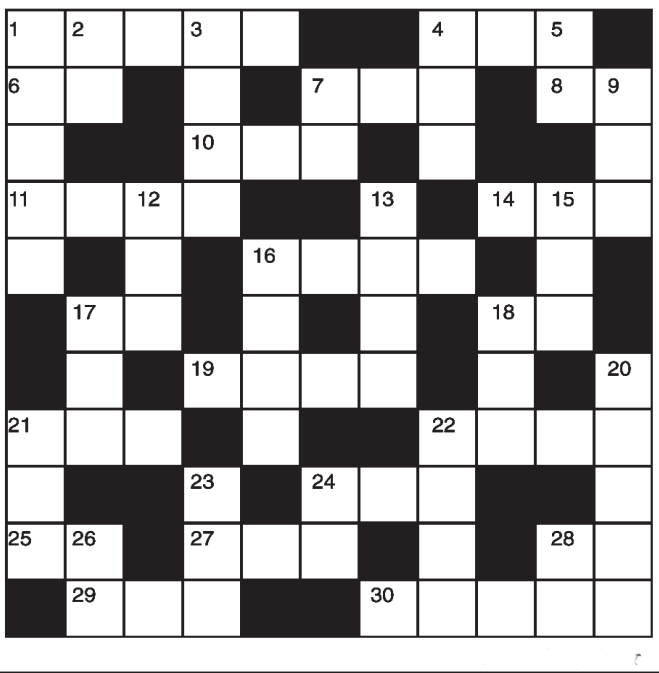

बाएँ से दाए
1. असह्य,नागवार-5
4. कली-3
6. पराया,पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी,सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल,धोखा-3
16. पक्षी,उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा,पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत,मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल,जान-2
27. रसदार-3
28. जगत,दुनिया-2
29. नग,मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र,राधेय-3
5. वश,अधीन-2
7. संपूर्ण,पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली,शुद्ध-3
13. हठ करना,रोना -4
15. हारा हुआ,पराजित-3
16. मशवरा,सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना,स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी,चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6196 का हल

	अ	ह	म	क		जा	य	दा	द	
ल		क	म	र		न	म	न		अ
व	स		ता	त		का	ज		हा	र
कु	ली	न		ल	ह	र		रा	ज	मा
श	ब	न	म		म		आ	स	मा	न
			सा	फ	स	फा	ई			
अ	च	र	ज		फ		ना	ला	य	क
व	म	न		ह	र	म		ल	की	र
ता	न		स	जा		हा	र		न	त
र		क	र	म		व	ज	न		ब
	ग	फ	ल	त		त	क	दी	र	

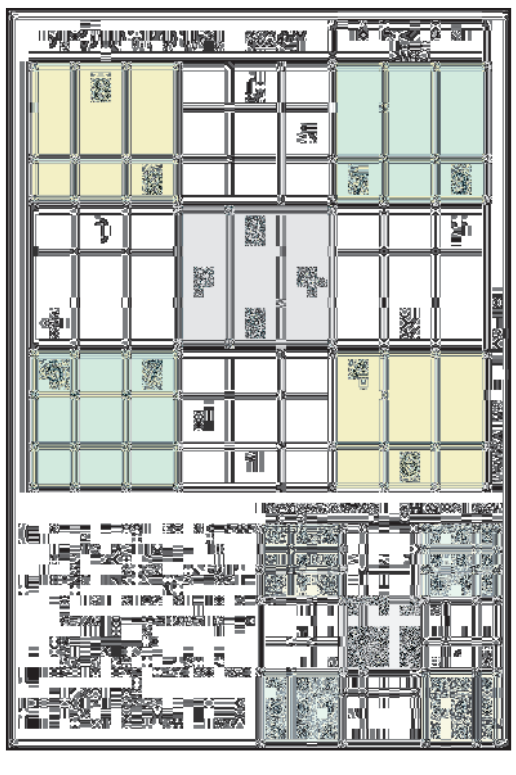

नाडा की आरपीटी सूची में बदलाव, श्रेयस-स्मृति की जगह अभिषेक-अक्षर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल को इस साल की दूसरी तिमाही के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है। आरटीपी में शामिल 348 खिलाड़ियों की नवीनतम सूची में अभिषेक और अक्षर ने स्मृति मंधाना और श्रेयस अय्यर की जगह ली है। इन सभी खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी को अपने ठिकाने की जानकारी देनी होगी और प्रतिदिन एक निश्चित समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होगा। अपने ठिकाने की जानकारी देने में तीन बार विफल रहना डोपिंग का उल्लंघन माना जाता है।

नाडा की सूची में 14 क्रिकेटरों को शामिल

एथलेटिक्स के सर्वाधिक खिलाड़ी

नाडा की इस सूची में सर्वाधिक खिलाड़ी एथलेटिक्स से जुड़े हुए हैं। पिछली बार इनकी संख्या 118 थी, जो अब बढ़कर 134 हो गई है। इनमें स्टीपलचेज के एथलीट अविनाश साबले, बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी, डेकाथलॉन खिलाड़ी तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजुर जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। लंबी कूद में हिस्सा लेने वाली शैली सिंह और एम श्रीशंकर तथा गोला फेंक की एथलीट तजिंदरपाल सिंह तूर को भी इस सूची में शामिल किया गया है। तीरंदाजी से अनुभवी खिलाड़ी दीपिका कुमारी, राकेश कुमार और मशहूर पैरा तीरंदाज शीतल देवी नाडा की इस सूची में शामिल हैं। हॉकी से मनप्रीत सिंह, कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास और हार्दिक सिंह के साथ-साथ महिला टीम की कप्तान सलीमा टेटे, सविता पूनिया और नवनीत कौर भी इस सूची का हिस्सा हैं।

पंड्या, पंत और बुमराह बरकरार

टेस्ट और वनडे के कप्तान शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह और तिलक वर्मा पहले की तरह इस सूची में बने रहेंगे। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा तथा शेफाली वर्मा और रेणुका सिंह ठाकुर इस सूची में बनी हुई हैं। कुल मिलाकर नाडा की इस सूची में 14 क्रिकेटरों को शामिल किया गया है।

बैडमिंटन के 8 खिलाड़ी शामिल

बैडमिंटन से आठ खिलाड़ियों को इसमें शामिल किया गया है, जिनमें पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन और गायत्री गोपीचंद प्रमुख हैं। इस सूची में 22 मुक्केबाज शामिल हैं। इनमें विश्व पदक विजेता निकहत जरीन, निशांत देव और जैस्मीन लैंबोरिया के साथ-साथ ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन भी शामिल हैं। कुश्ती से 31 खिलाड़ियों को इस सूची में जगह दी गई है। इनमें ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत भी शामिल हैं।

खबर संक्षेप

हार्दिक ने छेत्री को भेंट की एमआई की जर्सी

मुंबई। भारतीय फुटबॉल के दिग्गज सुनील छेत्री मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) के ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे थे। इस दौरान एमआई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने छेत्री को एमआई की जर्सी भेंट की। ट्रेनिंग सेशन के दौरान पहुंचे सुनील छेत्री से एमआई के कई खिलाड़ी बात करते हुए नजर आए। छेत्री ने महेला जयवर्धने, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर और कप्तान हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों से बातचीत की और अपने शानदार करियर के अनुभव शेयर किए। छेत्री ने कहा, मैं स्टेडियम में बहुत बार नहीं गया हूं, लेकिन जब भी आया हूं, तो यह एक अद्भुत एहसास है। यहां आकर खेल को अलग तरह से देखना बहुत अच्छा है। मैं मुंबई इंडियंस और फैंस को न केवल इस मैच के लिए बल्कि पूरे टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

भारत के लिए सारे प्रारुप में खेलना वरदान : सुंदर

नई दिल्ली। वॉशिंगटन सुंदर का मानना है कि क्रिकेट का कैलेंडर अति व्यस्त होने के कारण हर प्रारुप में खेलने वाले खिलाड़ी अब बिरले होते हैं लेकिन इस जमात का हिस्सा बनना खूबसूरत वरदान है, बड़ी चुनौती नहीं । भारत के लिए 2017 में पहली बार खेलने वाले सुंदर को कैरियर में कई बार चोटों का सामना करना पड़ा है। वह हालांकि पिछले 18 महीने से भारतीय टीम के नियमित सदस्य हैं। उन्होंने कहा,' भारतीय क्रिकेट के लिए हर प्रारुप खेलना बड़ा वरदान है। हम सभी को पता है कि भारतीय टीम हमेशा किस तरह का क्रिकेट खेलती है।

एटीपी टूर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा इटली

रोम। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर की लोकप्रियता का प्रभाव उनके देश इटली की टेनिस पर भी स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहा है, जो एटीपी फ़ाइनल और डेविस कप फ़ाइनल के बाद अब विंबलडन की तैयारी से जुड़े एक एटीपी टूर्नामेंट की भी मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट 2028 से घास के कोर्ट पर खेला जाएगा। इसका आयोजन मिलान के सैन सिरो स्टेडियम में किया जा सकता है। सिनर ने पिछले साल विंबलडन का खिताब जीता था। इटली के टेनिस महासंघ के अध्यक्ष एंजेलो बिनाघी ने कहा कि उसने 250 स्तर के एटीपी टूर टूर्नामेंट के अधिकार खरीद लिए हैं। यह टूर्नामेंट 2028 से प्रत्येक साल जून में खेला जाएगा।

आईपीएल : रसिख ने चार और भुवनेश्वर ने तीन विकेट झटके

लखनऊ को पांच विकेट से हरा बेंगलुरु शीर्ष पर पहुंचा

भाषा ▶▶ बेंगलुरु

सिख सलाम और भुवनेश्वर कुमार की तूफानी गेंदबाजी के बाद विराट कोहली की अगुआई में बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स को पांच विकेट से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई।

सुपर जाइंट्स के 147 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने कोहली की 34 गेंद में छह चौकों और एक छक्के से 49 रन की पारी की बदौलत 29 गेंद शेष रहते पांच विकेट पर 149 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। कोहली ने देवदत्त पडिक्कल (10) के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन भी जोड़े। सुपर जाइंट्स की ओर से प्रिंस यादव (32 रन पर तीन विकेट) ने तीन जबकि आवेश खान (23 रन पर दो विकेट) ने दो विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को पांच मैच में तीसरी हार से नहीं बचा पाए। इस जीत से बेंगलुरु की टीम पांच मैच में चार जीत से आठ अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है। राजस्थान रॉयल्स के भी आठ अंक हैं लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम बेहतर नेट रन रेट के कारण शीर्ष पर है। रसिख (24 रन पर चार विकेट) और भुवनेश्वर (27 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सुपर जाइंट्स की टीम पारी की अंतिम गेंद पर 146 रन पर सिमट गई। कृणाल पंड्या ने भी 38 रन देकर दो विकेट हासिल किए। सुपर जाइंट्स की ओर से सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने सर्वाधिक 40 रन बनाए जबकि मुकुल चौधरी ने 39 और आयुष बडोनी ने 38 रन का योगदान दिया लेकिन तीनों में से कोई भी अच्छी शुरुआत को बड़ी परी में नहीं बदल पाया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे बेंगलुरु को कोहली ने तेजतर्रार शुरुआत दिलाई। टीम ने दूसरे ओवर में ही फिल सॉल्ट (07) का विकेट गंवा दिया जो प्रिंस यादव की गेंद को विकेटों पर खेल गए। कोहली ने आक्रामक तेवर दिखाए। उन्होंने तीसरे ओवर में मोहम्मद शमी पर दो चौके जड़ने के बाद अगले ओवर में प्रिंस पर चार चौके मारे।

कोहली ने दिग्वेश राठी पर छक्के के साथ पांचवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया। टीम ने पावर प्ले में एक विकेट पर 60 रन बनाए। देवदत्त पडिक्कल हालांकि 10 रन बनाने के बाद आवेश खान की गेंद पर स्थानापन्न खिलाड़ी हिम्मत सिंह को कैच दे बैठे। कप्तान रजत पाटीदार ने आते ही शमी पर लगातार दो छक्के मारे। आवेश ने इसके बाद बेंगलुरु को बड़ा झटका दिया जब कोहली उनकी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर निकोलस पूरन को कैच दे बैठे। जितेश शर्मा ने राठी की लगातार गेंदों पर दो छक्के और दो चौकों के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। प्रिंस ने पारी के 13वें ओवर में पाटीदार (13 गेंद में 27 रन, तीन छक्के, एक चौका) और जितेश (नौ गेंद में 23 रन, दो छक्के, दो चौके) को पवेलियन भेजकर बेंगलुरु को दोहरा झटका दिया।

लखनऊ-146/10

खिलाड़ी	रन
मिचेल मार्श बो कृणाल	40
मारक्रम का पडिक्कल बो रसिख	12
ऋषभ पंत का सॉल्ट बो भुवनेश्वर	01
निकोलस पूरन बो हेजलवुड	01
आयुष बडोनी का जितेश बो रसिख	38
समद का पाटीदार बो कृणाल	00
मुकुल चौधरी बो रसिख	39
जॉर्ज लिंडे का डेविड बो भुवनेश्वर	07
मोहम्मद शमी बो भुवनेश्वर	00
आवेश खान बो रसिख	01
दिग्वेश राठी नाबाद	00
अतिरिक्त: 07	
कुल:20 ओवर में सभी विकेट खोकर: 146 रन	
विकेट पतन: 1-32, 2-35, 3-71, 4-83, 5-118, 6-124, 7-137, 8-137, 9-145	
गेंदबाजी: भुवनेश्वर 4-0-27-3, हेजलवुड 4-0-20-1, रसिख 4-0-24-4, कृणाल 4-0-38-2, सुयश 4-0-34-0,	

बेंगलुरु-149/5

खिलाड़ी	रन
फिल सॉल्ट बो प्रिंस	07
कोहली का पूरन बो आवेश	49
पडिक्कल का हिम्मत बो आवेश	10
रजत पाटीदार का राठी बो प्रिंस	27
जितेश शर्मा का चौधरी बो प्रिंस	23
टिम डेविड नाबाद	14
रोमारियो शेफर्ड नाबाद	14
अतिरिक्त:05	
कुल:15.1 ओवर में पांच विकेट पर: 149 रन	
विकेट पतन: 1-9, 2-66, 3-86, 4-121, 5-122	
गेंदबाजी: शमी 3-0-30-0, प्रिंस 3-0-32-3 राठी 4-0-51-0, आवेश 4-0-23-2, लिंडे 1.1-0-9-0	

वर्ल्ड चैंपियन एक्सलसन ने छोड़ दिया बैडमिंटन

- 2017 व 2022 में वर्ल्ड चैंपियन बने थे एक्सलसन
- 32 साल के एक्सलसन अक्टूबर 2025 से किसी प्रतियोगिता में नहीं हुए शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दो बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी विक्टर एक्सेलसन ने बुधवार को संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें यह फैसला करना पड़ा। डेनमार्क का यह 32 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल अक्टूबर से पीठ की समस्या के कारण किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाया है। उन्होंने इसके लिए सर्जरी भी कराई लेकिन उनका दर्द अब भी बना रहता है। चैंपियन एक्सेलसन ने कहा, ' जैसा कि अधिकतर लोग जानते हैं कि मैं काफी समय से अपनी पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में सर्जरी कराने और लंबे समय तक 'रिहैबिलिटेशन' से गुजरने के बाद दुर्भाग्य से अक्टूबर में यह दर्द फिर से उबर गया।'

वैशाली ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता, विश्व खिताब के लिए जू वेनजुन को चुनौती देंगी

पाफोस (साइप्रस)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने बुधवार को यहां अहम मौके पर अपना संयम बनाए रखा और शानदार वापसी करते हुए आखिरी दौर में कैटरीना लेगनो को हराकर महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। लंबे समय तक अपने छोटे भाई आर प्राज्ञानानंदा की सफलता के साए में खेलने वाली आर वैशाली को इसके साथ इस साल के आखिर में होने वाले विश्व चैंपियनशिप मुकाबले में चीन की जू वेनजुन का सामना करने का अधिकार मिल गया। वैशाली ने कुल 8.5 अंक हासिल किए और कोनेरू हम्पी के नक्शेकदम पर चलते हुए ऐसी उपलब्धि हासिल की जो देश में महिला शतरंज के लगातार बढ़ते कद को दर्शाती है। ओपन वर्ग में जावोखिर सिंदारोव ने चीन के वेई यी के साथ बाजी ड्रॉ खेली और 9.5 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए मौजूदा विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश को चुनौती देने का अधिकार हासिल किया। भारत के प्रज्ञानानंदा ने अमेरिकी स्टार हिकारू नाकामुरा के साथ बाजी ड्रॉ खेलकर टूर्नामेंट का समापन किया।

धीमी ओवर गति के लिए रहाणे को दंड, लगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

केकेआर को मंगलवार को खेले गए इस मैच में 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। उसकी टीम वर्तमान सत्र में अभी तक एक भी मैच नहीं जीत पाई है और अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। आईपीएल के अनुसार, ' कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे पर चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच के

दौरान उनकी टीम की धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है।' इसमें कहा गया है, 'आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत यह उनकी टीम का इस सत्र का पहला अपराध था, इसलिए रहाणे पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।' केकेआर का अगला मुकाबला शुक्रवार को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स से होगा।

न्यूजीलैंड महिला फुटबॉल टीम विश्व कप के लिए क्वालीफाई

एजेंसी ▶▶ ऑकलैंड

न्यूजीलैंड ने ओसियाना महासंघ क्वालीफाइंग सीरीज में पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) को 1-0 से हराकर ब्राजील में अगले महीने होने वाले महिला फुटबॉल विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। संडरलैंड की मिडफील्डर केटी किचिंग ने मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में किया और न्यूजीलैंड को सातवीं बार महिला विश्व कप में जगह दिलाई। इस हार के बावजूद पीएनजी का अभियान खत्म नहीं हुआ है और टीम के पास नवंबर या दिसंबर में

अंतरराष्ट्रीय विंडो (अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए निर्धारित समय) के दौरान अंतर महाद्वीपीय प्ले ऑफ के जरिए विश्व कप में जगह बनाने का मौका होगा। न्यूजीलैंड ने मैच के दौरान गोल करने के कई मौके गंवाए लेकिन अंततः टीम दूसरे हाफ में किचिंग के गोल की बदौलत जीत दर्ज करने में सफल रही।

19 साल के मूडी का कमाल, अस्पताल से निकलते ही वर्ल्ड स्नूकर में एंट्री

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

19 वर्षीय ब्रिटिश खिलाड़ी स्टैन मूडी टॉन्सिलाइटिस के इलाज के लिए भर्ती थे। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के एक दिन बाद उन्होंने चीन के जियांग जून को हराकर पहली बार वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

मूडी साल 2007 में जड ट्रंप के बाद क्रूसिबल में खेलने वाले पहले ब्रिटिश टीनएजर होंगे। स्टैन मूडी ने आखिरी फ्रेम में शानदार सेंचुरी बनाकर जियांग जून को 10-9 से हराया। 6-5 से पिछड़ रहे नंबर-44 मूडी ने 71, 70, 113 और 127 के स्कोर बनाकर 9-8 की बढ़त हासिल की। इसके बाद 18वें फ्रेम में उन्होंने मैच जीतने का मौका गंवा दिया, लेकिन निर्णायक फ्रेम में शानदार 104 का स्कोर बनाकर अपनी गलती सुधार ली। मूडी की यह जीत इसलिए भी ज्यादा अहम है, क्योंकि पिछली रात ही वह टॉन्सिलाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती थे। इसके बावजूद उन्होंने खुद को डिस्चार्ज करवाया और शारीरिक तकलीफ के बावजूद खेलते हुए इस सबसे बड़े मंच पर अपनी जगह सुनिश्चित की।

मूडी ने आखिरी फ्रेम में शानदार सेंचुरी बनाकर जियांग जून को 10-9 से हराया

मुझे एक मैच खेलना : मूडी

वर्ल्ड स्नूकर ने मूडी के हवाले से बताया, डॉक्टर्स ने मुझसे कहा, हम जानते हैं कि आप मना करोगे, लेकिन हम चाहते हैं कि आप अस्पताल में ही रुको। मैंने मना कर दिया और कहा कि मुझे एक मैच खेलना है। मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा ही किया। उन्होंने मुझे कुछ एंटीबायोटिक्स और दूसरी दवाएं दीं। मैं अब वहां वापस नहीं जाऊंगा, मुझे वह जगह बिल्कुल पसंद नहीं है। मैच के आखिर में, मैंने अपनी जिंदगी में कभी इतना दबाव महसूस नहीं किया था। मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। जब से मैंने खेलना शुरू किया है, यह मेरा सपना रहा है।

चैंपियंस लीग: लिवरपूल को हराकर पीएसजी ने खिताब की ओर बढ़ाया कदम

सेमीफाइनल में पीएसजी और एटलेटिको मैड्रिड, बार्सिलोना बाहर

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

बार्सिलोना दूसरे चरण में जीत के बावजूद क्वार्टर फाइनल में एटलेटिको मैड्रिड से कुल स्कोर में 3-2 से हारने के कारण चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहा।

एटलेटिको मैड्रिड ने क्वार्टर फाइनल के पहले चरण का मैच 2-0 से जीता था, जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। बार्सिलोना ने दूसरे चरण का मैच 2-1 से जीता लेकिन यह आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त नहीं था। इस बीच मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लिवरपूल को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से अपने खिताब का बचाव करने की तरफ कदम बढ़ाए। पीएसजी ने क्वार्टर फाइनल के पहले चरण के मैच की तरह दूसरे चरण के मैच में भी 2-0 से जीत हासिल की।

2017 के बाद सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड

बार्सिलोना के शुरुआती हमलों के बावजूद एटलेटिको मैड्रिड की टीम ने डटकर मुकाबला किया और लगभग एक दशक में पहली बार चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उसने इससे पहले 2017 में इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। बार्सिलोना ने पहले 24 मिनट में दो गोल करके स्कोर बराबर कर दिया था। उसकी तरफ से लामिन यामल और फेरान टोरेस ने गोल दागे। एटलेटिको मैड्रिड ने पहले ही हाफ में अडेमोला लुकमैन के गोल से वापसी की।

पीएसजी की ओस्मान डेम्बेले पर जीत

उधर लिवरपूल में खेले गए क्वार्टर फाइनल के एक अन्य मैच में पीएसजी ने ओस्मान डेम्बेले के दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की मदद से 4-0 की कुल जीत सुनिश्चित की। डेम्बेले के पहले गोल ने लिवरपूल की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, क्योंकि प्रीमियर लीग का यह क्लब चैंपियंस लीग में एक और यादगार वापसी की तलाश में था। बैलोन डीओर विजेता डेम्बले ने गोलकीपर जियोर्गी मामारदाश्विली को छकाते हुए बाएं पैर से शानदार शॉट लगाया, जिससे घरेलू दर्शक सन्न रह गए। उन्होंने दूसरा गोल स्टॉपेज टाइम में किया।

एशियाई चैंपियंस लीग में हारा ईरानी क्लब ट्रैक्टर

जेद्दा। मध्य पूर्व में जंग के कारण पिछले लगभग डेढ़ महीने से कोई मैच नहीं खेल पाने वाले ईरान के क्लब ट्रैक्टर को एशियाई चैंपियंस लीग (एसीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शबाब अल अहली से 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। अमेरिका और इजरायल के फरवरी के आखिर में ईरान पर हमले के कारण ट्रैक्टर कोई मैच नहीं खेल पाया था और उसका असर इस मैच में देखने को मिला। यूएई के क्लब की तरफ से यूरो सीजर, ईरान के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सईद एजातोलाही और ब्राजील के फॉरवर्ड मातेउसाओ ने गोल किए। वह अब शनिवार को क्वार्टरफाइनल में थाईलैंड के बुरिराम यूनाइटेड का सामना करेगा। एक अन्य मैच में फैबिन्हो के 120वें मिनट में पेनल्टी पर किए गए गोल की मदद से सऊदी अरब के अल इत्तिहाद ने यूएई के अल वाहदा को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की जहां उसका सामना जापान के माचिदा जेल्विया से होगा।

जापान में हुई 'एजेक' प्लस की बैठक में दिए वर्चुअल संबोधन में बोले विदेश मंत्री

अमेरिका-ईरान संघर्ष के बीच जयशंकर की दो टूक, व्यापारिक जहाजों पर हमले बर्दाश्त नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

होर्मुज जलडमरूमध्य की अमेरिका द्वारा की गई नाकेबंदी से दुनियाभर के वाणिज्य पर बढ़ते दबाव के बीच बुधवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बेहद सख्त अंदाज में एक महत्वपूर्ण बयान दिया है।

जिसमें उन्होंने कहा है कि भारत समुद्री जहाजों के सुरक्षित और निर्बाध आवागमन के सिद्धांतों को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। साथ ही उसे किसी भी सूरत में व्यापारिक जहाजों पर किए जा रहे हमले स्वीकार नहीं हैं। वह इनकी कड़ी निंदा करता है। यह जानकारी विदेश मंत्री ने जापान में आयोजित की गई 'एजेक प्लस' की बैठक को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए दी है। जिसका उल्लेख जयशंकर ने अपनी एक 'एक्स' पोस्ट के जरिए किया है। बैठक का मूल विषय मौजूदा तनाव के मध्य ऊर्जा बाजारों में सप्लाई चेन में आ रही बाधाओं पर केंद्रित था।

राजधानी में हुई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी एजेक बैठक से जुड़े जरूरी तथ्यों से रूबरू कराया।

जापान की पीएम ने की अध्यक्षता

जापान के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, एजेक बैठक की अध्यक्षता जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने की है। जिसमें एशिया क्षेत्र के नेताओं और एशियाई जीरो एमिशन कम्युनिटी के भागीदार शामिल हुए।

पूर्व में ब्रिटेन में हुई थी बैठक

यहां बता दें कि पूर्व में अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों खासकर होर्मुज से जहाजों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही को बनाए रखने के मामले पर ब्रिटेन की अध्यक्षता में भी एक बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें भारत से विदेश सचिव विक्रम मिस्री शामिल हुए थे। उन्होंने बैठक में भारत के विवाद को बातचीत और कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से हल करने और वैश्विक समुद्री मार्गों से नौवहन की स्वतंत्र-सुरक्षित आवाजाही के पक्ष को मजबूती से सभी के सामने रखा था। बैठक में भारत सहित दुनिया के करीब 60 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। वहीं, इन सबसे इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दुनिया के तमाम देशों के अपने समकक्षों के साथ होने वाली वार्ताओं में भी देश के इसी पक्ष को पूरी दृढ़ता के साथ मुख्य रूप से दोहरा रहे हैं।

संकीर्णता का शिकार न हो वैश्विक विकास

रणधीर ने कहा, विदेश मंत्री ने एजेक प्लस की बैठक में इस बात पर भी जोर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय विकास की यह मांग है कि वैश्विक ऊर्जा बाजार संकीर्णता का शिकार न हों। ऊर्जा का एक बड़ा उपभोक्ता देश होने के नाते भारत समान सोच वाले अपने तमाम भागीदारों के साथ एक लचीली सप्लाई चेन को विकसित करने के लिए काम करेगा।

अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा को पहले दिया जा चुका है अंतिम रूप

भारत-अमेरिका के बीच जल्द होगा व्यापार समझौता, नई दिल्ली की टीम जाएगी वाशिंगटन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

20 अप्रैल को होगी यात्रा की शुरुआत

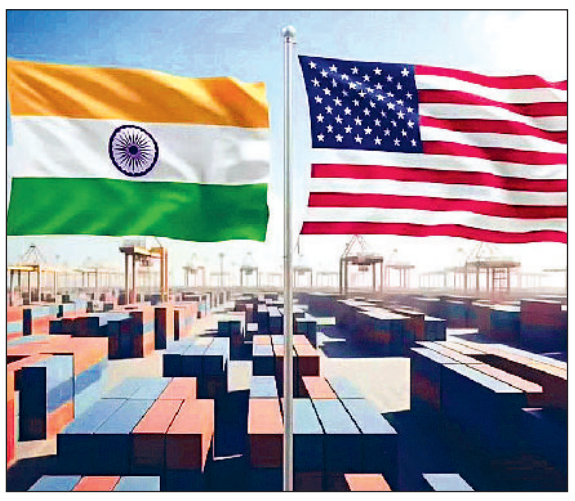

पश्चिम-एशिया से लेकर खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय सप्लाई चेन पर पड़ते दबाव के बीच भारत और अमेरिका जल्द ही द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं। जिसे लेकर केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव और मामले से जुड़े मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल संभवतः 20 अप्रैल से वाशिंगटन की यात्रा पर रवाना होगा। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि दोनों देशों के व्यापार संबंधी अधिकारियों की यह बैठक इसलिए भी खासी महत्वपूर्ण होगी। क्योंकि हाल ही में दोनों ने अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है। यहां बता दें कि पूर्व में इस समझौते पर बीते मार्च महीने में ही हस्ताक्षर किए जाने थे। लेकिन अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक आदेश पारित किए जाने के बाद टैरिफ संरचना में हुए बदलाव की वजह से ऐसा संभव नहीं हो सका। सूत्रों ने भी इस बाबत कहा था कि अमेरिका में नई वैश्विक टैरिफ संरचना लागू होने के बाद ही व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होंगे।

न्यायालय के फैसले ने यूं बदल दी तस्वीर

भारत और अमेरिका ने इस साल फरवरी महीने में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की संरचना को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी। जिसके मुताबिक, अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए टैरिफ को 50% से घटाकर 18% तक कर दिया था। लेकिन इसके बाद आए अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन को दुनिया के सभी देशों में पारस्परिक टैरिफ की दर को आगामी 150 दिनों के लिए 10% करना पड़ा। जो कि 24 फरवरी से लागू है। यही वो कारण है, जिसकी वजह से दोनों देशों के व्यापार वार्ताकारों के बीच पिछले महीने होने वाली बैठक को स्थगित कर दिया गया था। पहले के समय में दोनों पक्ष फरवरी में ही समझौते के कानूनी दस्तावेजों को अंतिम रूप देने के इच्छुक थे।

10% टैरिफ, धारा-301 की होगी जांच

अगले सप्ताह दोनों देशों के व्यापार प्रतिनिधियों के बीच जो बैठक होगी। वह इस लिहाज से भी बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि अभी अमेरिका में धारा-301 को लेकर दो तरह की जांच चल रही हैं। 12 मार्च 2026 को अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधियों (यूएसटीआर) ने इस धारा के तहत जांच की शुरुआत की थी। जिसमें भारत और चीन सहित विश्व की कुल 60 अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया था। जांच से यह तय किया जाएगा कि क्या यह सभी अर्थव्यवस्थाएं जबरन श्रम से बनी हुई वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने में असफल रहने से जुड़ी हुई इनकी नीतियां, प्रथाएं कहीं अनुचित और भेदभाव से भरी हुई तो नहीं हैं? इस तर्क का सार यह है कि क्या यह संबंधित देशों की नीतियां, प्रथाएं अमेरिका के वाणिज्य के लिए किसी तरह की कोई समस्या जैसे उस पर बोझ तो नहीं डालती हैं या किसी तरह का कोई प्रतिबंध तो नहीं लगाती हैं?

पहले इसलिए फायदे में था भारत

मालूम हो कि जब भारत, अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया था। तब तुलनात्मक रूप से भारत अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अच्छी स्थिति में था। लेकिन अब अमेरिका के सभी व्यापारिक साझेदार देश समान रूप से 10% टैरिफ शुल्क का सामना कर रहे हैं।

भारत-ऑस्ट्रिया के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक से खुलेंगे सहयोग के नए रास्तेः जयशंकर

अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे ऑस्ट्रिया के चांसलर के साथ विदेश मंत्री ने की शिष्टाचार भेंट

गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ होगी चांसलर स्टॉकर की द्विपक्षीय बैठक, कई एमओयू पर होंगे हस्ताक्षर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में संकट के बीच अपनी पहली चार दिवसीय आधिकारिक भारत यात्रा के तहत नई दिल्ली पहुंचे ऑस्ट्रिया के चांसलर डॉ. क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ बुधवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शिष्टाचार मुलाकात की है। गुरुवार को चांसलर स्टॉकर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में एक उच्च-स्तरीय बैठक होगी। जिसमें दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं के अलावा साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। विदेश मंत्री ने ऑस्ट्रिया के चांसलर के साथ हुई अपनी मुलाकात के बारे में एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी है।

सहयोग के नए मार्ग खुलेंगे

विदेश मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में बताया कि ऑस्ट्रिया के चांसलर को भारत की पहली आधिकारिक यात्रा की शुरुआत करने के लिए आमंत्रित करने पर प्रसन्नता हुई है। मैं आश्वस्त हूं कि कल (16 अप्रैल) प्रधानमंत्री मोदी के साथ होने वाली उनकी चर्चाएं दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक बढ़ाने के लिए नए रास्ते खोलेंगी।

मजबूत हुआ संबंधों का आधारः डॉ. स्टॉकर

वहीं, ऑस्ट्रिया के चांसलर ने जयशंकर के साथ हुई अपनी मुलाकात को लेकर एक्स पोस्ट में लिखा, 'नई दिल्ली में डॉ. जयशंकर से मुलाकात के साथ अपनी भारत यात्रा का आगाज कर रहा हूं। हमने व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार और यूरोपीय संघ तथा भारत के मध्य रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा की है।

यह तमाम ऐसे विषय हैं। जो भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं'। उन्होंने पोस्ट में यह भी लिखा कि 'दोनों देशों के बीच 75 वर्ष से अधिक समय से कूटनीतिक संबंध बने हुए हैं। आज संबंधों के बीच स्थापित हुआ यह आधार मुझे पहले से कहीं अधिक मजबूत महसूस हो रहा है'।

यह जानकारी अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में रणधीर जायसवाल, असीम महाजन ने दी है

केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय की मदद से अब तक संकटग्रस्त क्षेत्र से देश लौटे 2 हजार 337 नाविक

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच 9 लाख 84 हजार भारतीयों की हुई सुरक्षित वतन वापसी

भारत ने फिर से दोहराया तनाव घटाने के लिए बातचीत-कूटनीति से समाधान निकालने का अपना पुराना पक्ष

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका-ईरान युद्ध की 28 फरवरी 2026 को हुई शुरुआत से लेकर अब तक पश्चिम-एशिया सहित खाड़ी क्षेत्र से भारत के कुल 9 लाख 84 हजार नागरिक सुरक्षित ढंग से स्वदेश पहुंच गए हैं। जबकि अकेले ईरान में सड़क मार्ग से सीमा पार करने वाले लोगों की संख्या 2 हजार 323 तक पहुंच गई है। जिसमें 1 हजार 28 छात्र और 657 मछुआरे भी शामिल हैं।

जल्द ही यह सभी स्वदेश लौटेंगे। वहीं, तनाव के बीच केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय के प्रयासों की मदद से अब तक इलाके से कुल करीब 2 हजार 337 नाविकों की सुरक्षित वतन वापसी हुई है। यह जानकारी पश्चिम-एशिया के मामले पर बुधवार को राजधानी में हुई अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल, मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (खाड़ी क्षेत्र) असीम आर. महाजन और केंद्रीय जहाजरानी मंत्रालय के एक अधिकारी ने दी है।

ट्रंप-मोदी बातचीत के मायने

रणधीर जायसवाल ने कहा, संघर्ष के बीच जारी भारत की वैश्विक संवाद प्रक्रिया बेरोकटोक जारी है। इसी क्रम में बीते 14 अप्रैल को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बातचीत की है। जिसमें दोनों देशों के आपसी सहयोग से जुड़े तमाम मुद्दों और व्यापक वैश्विक सामरिक साझेदारी पर चर्चा की गई है। साथ ही होर्मुज के अलावा वैश्विक नौवहन व्यापार से जुड़े जलमार्गों पर जहाजों की निर्बाध और सुरक्षित आवाजाही के महत्व पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने दोहराया कि भारत हमेशा से ही इस विवाद के बीच तनाव को कम करने और उसके लिए बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान निकाले जाने के पक्ष में खड़ा रहा है। रणधीर ने विदेश मंत्री की इजरायल, ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रियों से हुई पूर्व वार्ताओं का भी जिक्र किया है।

ईरान में मददगार बना भारतीय दूतावास

असीम आर. महाजन ने बताया कि क्षेत्र के मौजूदा हालात पर विदेश मंत्रालय की कड़ी नजर बनी हुई है। जिसमें भारतीयों की सुरक्षा और कल्याण को शीर्ष प्राथमिकता दी जा रही है। ईरान में भारतीयों को सुरक्षित ढंग से सड़क मार्ग से सीमापार कराने में राजधानी तेहरान में मौजूद हमारे दूतावास की अहम भूमिका है। जिसके प्रयासों का ही नतीजा है कि अब तक 2 हजार 323 भारतीय आर्मेनिया, अजरबैजान पहुंच गए हैं। जिसमें 1 हजार 28 छात्र, 657 मछुआरे शामिल हैं। जल्द यह सभी देश पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि इजरायल की हवाई सीमा आंशिक रूप से खुली हुई है और वह प्रतिबंधित रूप से सीमित हवाई उड़ान सेवाओं का संचालन कर रहे हैं। वहां से भारतीयों को जॉर्डन और मिस्र जैसे देशों के रास्ते सुरक्षित वापस लाया जा रहा है। इराक की हवाई सीमा खुली हुई है और वहां से मंत्रालय अपने नागरिकों को जॉर्डन और सऊदी अरब के रास्ते वापस स्वदेश भेजने में सहयोग कर रहा है।

पिछले 24 घंटे में भारत लौटे 75 नाविक

जहाजरानी मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि फारस की खाड़ी के क्षेत्र में फिलहाल सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। बीते 24 घंटे में देश का राष्ट्रीय ध्वज लगे हुए किसी जहाज या नाविक के संबंध में कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। जहाजरानी महानिदेशक की अध्यक्षता में गठित किए गए कंट्रोल रूम में अब तक कुल करीब 6 हजार 449 फोन कॉल और 13 हजार 343 से अधिक ईमेल का जवाब दिया जा चुका है। पिछले 24 घंटे में 157 कॉल और 215 ईमेल कंट्रोल रूम को प्राप्त हुई हैं। मंत्रालय ने इस तंत्र के जरिए अब तक 2 हजार 337 भारतीय नाविकों की सुरक्षित वतन वापसी कराई है। जिसमें 75 नाविकों को बीते एक दिन के अंदर देश वापस लाया गया है। भारत के सभी बंदरगाहों पर किसी तरह की भीड़-भाड़ की कोई सूचना नहीं है।

सऊदी अरब, ओमान की अहम भूमिका

महाजन के बताया कि तनाव के दौरान भी विभिन्न एयरलाइंस लगातार गैर पंजीकृत कमर्शियल उड़ानों के जरिए अपने हवाई संचालन को बनाए हुए हैं। जिसमें ऑपरेशनल और सुरक्षा मानकों को मुख्यरूप से ध्यान में रखा जा रहा है। इसी कवायद के बीच आज यूएई से भारत के अलग-अलग शहरों के लिए करीब 100 उड़ानों के आने की संभावना है। सऊदी-अरब और ओमान के भी विभिन्न हवाईअड्डों से भी भारत के लिए हवाई उड़ान संचालित की जा रही हैं। कतर कर हवाई सीमा आंशिक रूप से खुली हुई है और वहां से आज 10 उड़ान भारत आ सकती हैं। कुवैत की हवाई सीमा फिलहाल बंद है। इसलिए जजीरा एयरवेज और कुवैत एयरवेज अपनी गैर पंजीकृत कमर्शियल उड़ानों को सऊदी अरब के दम्माम हवाईअड्डे से भारत भेज रही हैं। हवाई सीमा बंद होने की वजह से ही भारत ने कुवैत से अपने नागरिकों की यात्रा को सऊदी अरब के रास्ते निर्धारित किया है। बहरीन की हवाई सीमा खुली हुई है और गल्फ एयर ने घोषणा की है कि वह भारत के लिए सीमित उड़ान अभियान संचालित करेगी। जिसमें गल्फ एयर ने सऊदी अरब के दम्माम हवाईअड्डे से ही भारत के विभिन्न इलाकों के लिए उड़ान तय की हैं। विदेश मंत्रालय का भी इसमें सहयोग बना हुआ है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109